

कम्युनिटी सैंटर

भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, मोहाली

(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित)

भा. वि. शि. अ. सं., मोहाली, नॉलेज सिटी, सैक्टर 81, एस.ए.एस. नगर, मनौली पी.ओ. 140 306

दूरभाष : 0172 2240266 टैलीफैक्स : 0172 2240124

www.iisermohali.ac.in

IN PURSUIT OF KNOWLEDGE

वार्षिक रिपोर्ट 2014-15

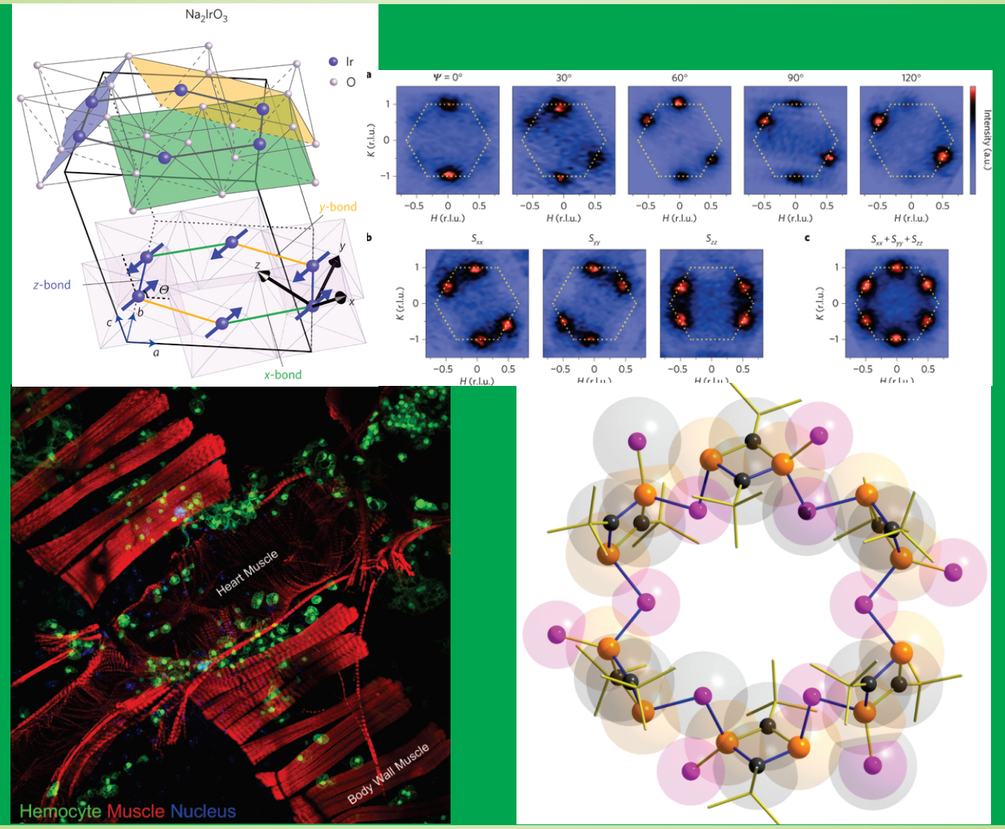

भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, मोहाली

(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित)

आवरण चित्र : भा. वि. शि. अ. सं. मोहाली में सम्पादित शोध का चित्रण

विषय सूची

	अध्याय	पृष्ठ
1.	प्रस्तावना	1
2.	अनुसंधान	3
3.	सम्मेलन और परिचर्चाएं	61
4.	संगोष्ठियां और विद्वत् गोष्ठियां	67
5.	सांस्कृति गतिविधियाँ	77
6.	बजट और चालू परियोजनाएँ	83
7.	घटनाएं, अवसर, विशेष व्याख्यान	101
8.	कैम्पस की गतितिधयों और विकास	107
9.	संस्थागत सूचना, पोस्ट डॉक्टरल फेलोशिप और स्नातक छात्र	111



प्रस्तावना

गत वर्ष के दौरान भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आई आई एस ई आर) मोहाली में कई महत्वपूर्ण घटनाएं घटी है । इस सत्र के दौरान भी हमारा परिसर निर्माण कार्यो और विकास गतिविधियों का साक्षी रहा । सूचना विज्ञान भवन का निर्माण पूरा हो गया है तथा पुस्तकालय और कंप्यूटर केन्द्र, जो कि पहले अस्थायी रूप में व्यवस्थित थे, उन्हें अब नए सूचना विज्ञान केन्द्र में समाहित कर लिया गया है । पुस्तकालय की आकर्षक आंतरिक सज्जा और आधुनिक स्वरूप से छात्रों की आवाजाही बढ़ गई है । अभी कंप्यूटर केन्द्र भी उचित स्थान के साथ सुचारू रूप से कार्यरत है । इस अवधि के दौरान स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण कार्य भी सम्पन्न किया गया । इस कार्य के पूरा होते ही संस्थान के चिकित्सा अधिकारी व दो नर्से भी इस नए स्वास्थ्य केन्द्र में स्थानांतरित हो गए हैं । शॉपिंग कॉम्प्लेक्स से सटे सामुदायिक केन्द्र, जिसमें एक बहुउद्देशीय हॉल भी अवस्थित है, का निर्माण कार्य गत वर्ष ही पूरा हो चुका है और इसका उपयोग भी होने लगा है । क्रीड़ा संकुल का निर्माण कार्य पूरा चुका है और हमने तृतीय भा.वि.शि.अ.सं. खेल स्पर्धा की सफलतापूर्वक मेजबानी करके इसका भरपूर उपयोग भी किया है । इस दौरान 2 शयनकक्ष वाले 7-मंजिले आवासीय अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य भी पूरा हुआ, जिसमें 28 अपार्टमेंट स्थित हैं । साथ ही परिसर में लगाए गए 6000 पौधे भी संस्थान में हरीतिमा बिखेरने को आतुर हो, फलने-फूलने लगे हैं ।

शैक्षणिक क्रियाकलापों में भी संस्थान से कई प्रकाशन उभर कर आए हैं जिनमें से कुछ को पेटेंट भी किया गया है । हमने संकाय सदस्यों की संख्या में बढ़ोत्तरी की है, इसमें इंस्पायर संकाय भी शामिल हैं। कई संकाय अपने अनुसंधान की राशि सरकारी निधि से प्राप्त कर रहे हैं । इसके अलावा, हमारे यहाँ ऐसी कुछ छोटी परियोजनाएं भी हैं जिन्हें उद्योगों का सहयोग प्राप्त है । एक शोध परियोजना को अमेरिका के एक निजी रिसर्च फांउडेशन से भी सहायता प्राप्त हो रही है । भौतिकी विभाग में हमारे एक संकाय सदस्य को नैनो-मिशन से संबंधित परियोजना के लिए, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार से लगभग 5 करोड़ रूपये की राशि प्राप्त हुई हैं । भौतिक विज्ञान में दो अन्य

सहयोगी स्क्वायर किलोमीटर ऐरे कंसोर्टियम के संस्थापक सदस्य है । यह एक अंतर्राष्ट्रीय परियोजना है जिसमें दस सदस्य देश एक साथ मिलकर ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में सबसे बड़ी रेडियो दूरबीन के निर्माण में कार्यरत हैं । अन्य कई सहयोगियों ने भी पुरस्कार व सम्मान अर्जित किए हैं । जीव विज्ञान विभाग में 7 संकायों के एक समूह को प्रोटीन विज्ञान, इंजीनियरिंग और डिज़ाइन में मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से उत्कृष्टता केन्द्र के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है । हम यह आशा करते हैं कि यह भविष्य की ओर बढ़ाया गया एक कदम है ।

पूर्वस्नातक स्तर पर वैज्ञानिक शोध आई आई एस ई आर. अवधारणा का प्रमुख अंश है । शोध प्रकाशनों के सह-लेखक के रूप में उभर रहे पूर्वस्नातक छात्रों की संख्या में वृद्धि संस्थान के लिए गौरव का विषय है । स्कूल के छात्रों, कॉलेज के छात्रों और तथा स्कूल के शिक्षकों के लिए कई आउटरीच गतिविधियों का आयोजन भी संस्थान में होता रहा है । इस परिसर में पिछले वर्ष की तरह सत्र 2014 – 15 में भी कई सम्मेलन और कार्यशालाएं आयोजित की गई । संस्थान के आंगतुकों हेतु आवास गृह का निर्माण पिछले वर्ष ही पूरा हो चुका था जिसके कारण विभिन्न सम्मेलनों और कार्यशालाओं में अब हम बड़ी संख्या में आने वाले प्रतिभागियों को भी आसानी से संस्थान में ठहरा सकते हैं । कार्यशालाओं और संगोष्ठियों में गणितीय और कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी पर अनुदेशात्मक विद्यालय, गणित कार्यशाला में लैटिस पर उन्नत प्रशिक्षण, ग्रुप थ्योरी पर चर्चा, नॉट, ब्रेड्स और टोपोलॉजी पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, और नॉनलीनियर सिस्टम्स एण्ड डायनेमिक्स पर एक अंतरविषयक सम्मेलन भी निष्पादित किया गया । संस्थान में देश के भीतर और बाहर से कई प्रतिष्ठित आंगतुक पधारे और वे कई व्याख्यान, विधिवत सम्मेलन और सार्वजनिक व्याख्यान में शामिल हुए । शाम के समय आयोजित होने वाले सार्वजनिक व्याख्यानों को नोटिस और पोस्टर के माध्यम से पूरे शहर में व्यापक प्रचारित किया गया और हम इस साल बड़ी संख्या में सार्वजनिक व्याख्यान आयोजित करने मे सक्षम रहे हैं ।

वर्तमान में संस्थान में 585 बी.एस.-एम.एस. विद्यार्थी, 52 समेकित-पीएच.डी. विद्यार्थी, 243 पीएच.डी. शोधार्थी, व अन्य कई पोस्ट-डॉक्टरल शोधार्थी अध्ययनरत व शोधरत हैं । एक पोस्ट-डॉक्टरल शोधार्थी को स्वतंत्र वेलकम-डीबीटी फैलोशिप प्राप्त है । दाखिले के दौरान हर साल हम धीरे-धीरे बी.एस.-एम.एस. के छात्रों की संख्या को बढ़ा रहे हैं । हमने पहले साल में बी.एस.-एम.एस. में 25 छात्रों को दाखिला दिया, दूसरे साल में बी.एस.-एम.एस. के छात्रों की संख्या 37 हुई, तीसरे और चौथे साल में प्रत्येक में बी.एस.-एम.एस. में 89 छात्रों को दाखिला मिला । पांचवें साल में 76, छठे साल में 111, सातवें साल में 129, और सन 2014 में जो कि आठवां साल है, उसमें 175 बी.एस.-एम.एस. छात्रों को दाखिला दिया गया । बी.एस.-एम.एस. स्तर पर दाखिला प्राप्त छात्रों की संख्या को प्रति वर्ष 200 तक बनाए रखने के साथ ही हम स्नातक स्तर के मानदंडों की ओर हमारी प्रतिबद्धता को पूरा कर पाएंगे । हम पीएच.डी. में दाखिले की संख्या को भी प्रति वर्ष बढ़ाकर 200 तक करने के लिए प्रतिबद्ध हैं ।

हमने अभी अपने पैरों पर खड़ा होना सीखा है, इससे यही स्पष्ट होता है कि अभी केवल मंजिल सुनिश्चित हुई है, लेकिन वहाँ तक पहुँचने के लिए अभी एक लम्बा रास्ता तय करना बाकी है ।

इस रिपोर्ट को तैयार करने में जुटे सहयोगियों और छात्रों को मैं धन्यवाद देना चाहूँगा, जिनसे मुझे तस्वीरें, जानकारी व सुझाव प्राप्त हुए हैं । मैं डॉ. श्रवण मिश्रा, डॉ. पी. बालानारायन, डॉ. आलोक महाराणा और डॉ. अभिषेक चौधरी को विशेष रूप से धन्यवाद देना चाहूँगा जिन्होंने इन सभी सूचनाओं को सूत्रबद्ध और स्वरूपबद्ध करने में मेरा सहयोग किया है ।

आनंद कुमार बछावत,
अधिष्ठाता, अनुसंधान एवं विकास

भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान जैवीय विज्ञान विभाग में संकाय एवं अनुसंधान

संकाय सदस्य

डॉ. कविता बाबू (सहायक प्राध्यापक, न्यूरो बायोलॉजी)
प्रो. आनंद के. बछावत (प्राध्यापक, ग्लूटाथयोन एंड सल्फ़र मेटाबॉलिज्म इन यीस्ट)
डॉ. समरजीत भट्टाचार्य (सहायक प्राध्यापक, न्यूरोबायोलॉजी)
डॉ. रचना छाबा (सहायक प्राध्यापक, बैक्टीरियल जेनेटिक्स एंड फिजिओलॉजी)
डॉ. कौशिक चट्टोपाध्याय (सह प्राध्यापक, स्ट्रक्चर – फंक्शन स्टडीज़ ऑन पोर – फोर्मिंग प्रोटीन टॉक्सिन्स)
डॉ. पूर्णानंद गुप्ताशर्मा (प्राध्यापक, प्रोटीन इंजीनियरिंग एंड स्ट्रक्चरल बायोकेमिस्ट्री
डॉ. मंजरी जैन (सहायक प्राध्यापक, हिमेटोपोएसिस, कार्डिओजेनेसिस एवं मॉलिक्युलर पाथवेज इन स्टेम एण्ड प्रोजेनिटर सेल डेवेलपमेण्ट इन ड्रोसोफ़िला)
डॉ. सुदीप मण्डल (सहायक प्राध्यापक, माइटोकोंड्रियल रेग्युलेशन ऑफ सूल्यूलर फंक्शन)
डॉ. श्रवण कुमार मिश्रा (सहायक प्राध्यापक, आर. एन. ए. स्प्लाइसिंग)
डॉ. अरूणिका मुखोपाध्याय (सहायक प्राध्यापक, इम्युनोलॉजी)
डॉ. सम्राट मुखोपाध्याय (सह प्राध्यापक, प्रोटीन फोल्डिंग, मिस्फोल्डिंग, प्रीओन एंव अम्लोइड बायोलॉजी)
डॉ. शशि भूषण पण्डित (सहायक प्राध्यापक, कम्प्युटेशनल स्ट्रक्चरल बायोलॉजी, लीगेंड – प्रोटीन इन्टरेक्शन मेटाबॉलिक्स)
डॉ. एन. जी प्रसाद (सह प्राध्यापक, शोध क्षेत्र: इवॉल्युशनरी जैनेटिक्स)
डॉ. राजेश रामचंद्रन (सहायक प्राध्यापक, सेल्युलर बेसिस ऑफ़ टिश्यू रिजेनेरेशन)
डॉ. ऋतोबन राय चौधरी (सहायक प्राध्यापक, इवोल्युशन जेनेटिक्स तथा जीनोमिक्स)
डॉ. कुलजीत सिंह संधू (सहायक प्राध्यापक, सिस्टम्स बायोलॉजी ऑफ़ जीन रेम्युलेशन)
डॉ. श्रवण सहरावत (सहायक प्राध्यापक, इम्युनोलॉजी तथा इम्युनोपॅथोलॉजी)
डॉ. महक शर्मा (सहायक प्राध्यापक, सैल बायोलॉजी)
प्रो. सोमदत्ता सिन्हां (प्राध्यापक, मैथेमेटिकल एवं कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी)
डॉ. राम किशोर यादव (सहायक प्राध्यापक, प्लांट डेवेलपमेंटल जेनेटिक्स)

अवैतनिक संकाय सदस्य

प्रो. राघवेन्द्र गडगकर (भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलुरु, पारिस्थितिकी एवं जैव विकास)

अतिथि संकाय सदस्य

प्रो. टी.आर. राव

सहायक संकाय सदस्य

प्रो. अमिताभ चट्टोपाध्याय (प्रोफेसर)
प्रो. अमिताभ जोशी (प्रोफेसर)
प्रो. गिरीश साहनी (प्रोफेसर)
प्रो. जयंत उदगांवकर (प्रोफेसर)

संस्थान के जैवीय विज्ञान विभाग में प्रायोगिक शोध के साथ-साथ गणनात्मक विषयों पर भी शोध कार्य किया जा रहा है । विभाग में जीव विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों जैसे न्यूरोबायोलॉजी, अनुवांशिकी, प्रोटीन की स्ट्रक्चर फंक्शन स्टडी, प्रोटीन इंजीनियरिंग, प्रोटीन फ्रोल्डिंग, पारिस्थितिकी, जैव विकास, सेल्युलर फंक्शन इम्युनोलॉजी, कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी, सेल बायोलॉजी, पादप विकास अनु वांशिकी इत्यादि का प्रतिनिधित्व है । अधिक तकनीकी जानकारी इस वार्षिक प्रतिवेदन के अंग्रेजी संस्करण में उपलब्ध है ।

शोधप्रकाशन : जैवीय विज्ञान विभाग

प्रकाशन : –

कल्पनोई, देशपांडे ए.ए., यापएस कुमार, मैनिंगरएन.जे., बछावत ए.के, एस्पिनोज़सी (2015)

ऑक्सोप्रोलिनेज की कमी की आनुवांशिकी मेंनइअंत दृष्टि और आग्र यह साक्ष्य कि यह एक जैव रासायनिक स्थिति है । यूर. जे. पेडियट्र. 174: 407 – 411

कुमार एस. कौर ए. चट्टोपाध्यायबी, बछावत ए. के. 2015 ।

आर्बिडोप्सिसथालियानामेंग्लूटाथिओन के डिग्रेडेशन के साइटोसोलिका मार्ग को परिभाषित करना :

ग्लूटाथिओन डिग्रेडिंग एंजाइम के रूप में y-ग्लूटामाइलसाइक्लोट्रांसफरेसेज के ChaC./GCG परिवार की ओर Cys-Gly पेप्टिडेज़ के रूप में AtLAP1 की भूमिका । जैव रासायनिक जे फरवरी 261 (मुद्रण से पहले ई-प्रकाशन)

ठाकुर ए, बछावत ए .के. (2015) यीस्टग्लूटाथि-ओनट्रांसेपोर्टरए Hgt1p, कीट्रांसमेमब्रेनडोमेन 9 के हाईड्रोफोबिकफेस की चार्ज यकुक्त / ध्रवीय अपशेषों को स्कैन करने पर सब्सट्रेटट्रांसपोर्ट के लिए पुष्टकारक रूप में क्रांतिक क्षेत्र का पता चला है । जी3 (बेथेस्डा)Dol: 10.1534/g3.115.0170791

पांडे एस. महतो पी. के., भट्टाचार्य एस.

(2014) मेटाबोट्रॉपिकग्लूटामेट रिसेप्टर 1 प्रकोष्ठ पृष्ठ को गैर न्यूरोनल और न्येरोनल प्रकोष्ठ लाइनों में प्रोटीन फॉस्फेट 2A में निर्भरतरीकेसे रीसाइकल करता है । न्यूरो रसायन जर्नन 131: 602-614

खिलवानी बी., मुखोपध्याय ए. *, चट्टोपाध्याय के *, (2015) । विब्रियो कोलरा साइटोलाइसिन की ट्रांसमेमब्रेन स्वल्पकल (ओलीगोमरिक) रूप मोनेसाइट्स और मैक्रोफज में TLR2 / TLR6 – आधारित प्रोइन्फ्लेमेट्र अनुक्रियाएं उत्पन्न करता है । जैव रासायनिक जर्नल 466 : 147-161

लता के., पॉल के., चट्टोपाध्याय के. (2014) । हेलिकोबेक्टर TlyA का कार्यात्मक अभिलक्षण निर्धारण : प्रोटीन के रंध्र-निर्माण के हेमोलाइटिक कार्यकरण और साइटोटोक्सिक विशेषता । जैव-रासायनिक और जैव-भौतिकी अनुसंधान संचार 444 : 153-157

शर्मा पी., गुप्ता शर्मा पी. (2014) 'सुपरपरफेक्ट' एंजाइम

इस्चेरीचियाकोलाई में उत्पादित पाइरोकोकस फुरिओसस और थर्मोकोकसओ नूरि नियसपुनयोग्जट्रायोजफॉस्फेटआ इसोमर्सेजका संरचनात्मक स्थायित्व और गतिविधियों । जैव-रासायकनिक और जैव- भौतिकी अनुसंधान संचार : Dol : 10.1016/j.bbrc. 2015.03.102

घोष एस. सिंह ए, मंडल एस., मंडल एल.

(2015) । ड्रोसोफिलावयस्कों में सक्रिय रक्तोत्पादक केन्द्र हिमासाइट पैदा करते हैं और प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया के लिए योगदान करते हैं । (प्रेस में) विकासात्मक प्रकोष्ठ ।

रघुराम एच. जैन एम., बालकृष्णन आर. 2014 ।

दक्षिणी भारत में पुरा उष्णकटिबंधीय नमसदाबहार वन में चमगादड़ की प्रजातियां और उनकी ध्वनिक विविधत । वर्तमान विज्ञान 107:631:641

अम्मोन टी., मिश्रा एस. के. कोवाल्सकाके., पोपोविजजी.एम., होलकटी., जेंटेकएस. (2014) प्रोटीनहब 1 की तरह संरक्षित यूबिक्विटिन मानव कोशिकाओं की स्पिलसिंग करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निभाहा है । आण्विक प्रकोष्ठ जीव विज्ञान 6 के जर्नल : 312-323

सेखरवाड़े एस. सी., प्रसाद कृष्ण जी. वी. आर., मुखोपाध्याय ए. (2015) । पोरिंस की इम्यूनोमॉडुलेट्री भूमिका : मेजबान प्रतिरक्षा अनुक्रियाएं, सिग्नल तंत्र और टीके की संभावाना । प्रयोगिक चिकित्सा और रजीव विज्ञान में प्रगति 842:79-108

आर्य एस., मुखोपाध्याययय एस. (2014) । ऐमीलॉइडोजेनिकस्वत: अव्वयस्थित प्रोटीन के ध्वस्त ग्लोबुलस के भीतर व्यवस्थित जल । भौतिक रसायन जर्नल 118:9191-9198

जैन एन., मुखोपाध्याय एस. (2014) । प्रोटीन पुष्टिकारक विकार और समेकन को समझने में पतिदीप्ति एनिसोट्रॉपिक का अनुप्रयोग । अनुप्रयुक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी और नैनो-पदार्थो में प्रकाश विज्ञान और फोटोनिक्स (स्प्रिंगर) की प्रगति । संपादक पी. मिश्रा ।

कार्बोनेल पी., पारूटोपी., हेरिसनजे., पंडित एस. बी., फौलूनजीएल (2014) AXTMS :

एक विस्तारित चयापय (मेटाबोलिक) अवकाश में मार्ग का डिजाइन । न्यूक्लिक एसिउ अनुसंधान 42: @ 389-394 (वेब सर्वर विषय) ।

प्रसाद एन. जी., जोशी, ए. (2015) । तेजी से विकास करने के लिए चयनित ड्रोसोफिला आबादी में जीवन - इतिहास लक्षण पर लेख पर यादव और शर्मा द्वारा टिप्पणी । प्रायोगिक जीव विज्ञान जर्नल 218: 3260-328

प्रसाद एन.जी., डे. एस., जोशी ए, विद्या टी. एन. सी. (2015)। विरासत पर फिर पुनर्विचार ।

इन हेरिटोम्स, कॉन्टैक्टोम्स और गतिशील फेनोटाइप्स । अनुवांशिकी जर्नल (प्रेस में) ।

राय चौधरी आर. (2015) । व्यवहार अलगाव की आनुवंशिकी । वर्तमान विज्ञान (प्रेस में)

सेन आर. राय चौधरी आर. कैवाई, सनवाई., उल्रिके7लिजेवी. , पीटरसन बी.ए.फ, श्राफड़, बॉउसिआसडी. जी. (2015) । दीमक की आंत में निकोटिनॉइड-रोगजनक तालमेल का आणविक स्वरूप । पीएल ओ एस वन 10: e1023391 (10.1371 जर्नल.पोने .0123391)

बुल्लेसबेचजे. गेइमसी., राय चौधरी आर. श्मिटटी

(2014) । असममित वर्गीकारक संयोजक व्यवहार ने सोनिया प्रजाति सम्मिश्र मे अधूरा युग्मनज पूर्व (प्रेज्योटिक) व्यवहार को दर्शाता है । आचार-शास्त्र 120%834-843

तायल एन. चौधरी पी., पंडित एस. बी. संधू के. एस. । (2014)

विकासात्मक रूप से परिरक्षित और पुष्टि कारक रूप में बाधित अल्प पेप्टाइड्स आंतरिक रूप से अव्यवस्थि क्षेत्रों में डीएनए की पहचान करने वाले तत्व के रूप काम कर सकते हें । मॉलबॉयोस्ट 2014 जून, 10 (6)% 1469-1480

रीडरसी, माइकल क्लोसरएम., पोहएच.सम., संधू के.एस., विचर्लेएस., जिफोर्डडी. (2015) । वर्धक-प्रमोटर पारस्परिक क्रियाओं का उच्चविभेदन मानचित्रण । पीएलओएसवन (प्रेस में) ।

रेडडीपी.बी.जे. 'ए सेरावतएस. 'ए सूर्यवंशीए, राजसागीएन, खत्रेएम और रौसेबी.टी. (2014) ।

प्राथमिक उपचार बंद करने के बाद वायरस प्रेरित शोथ की पुनरावृत्ति को नियंत्रित करने के लिए एक दृष्टिकोण पीएलओएसवन 9:e98051 (* समान पहला लेखक) ।

खट्टरडी. रैनावी.बी., द्विवेदी डी. सिंधवानीए., बहल एस. शर्मा एम. (2015) । छोटा GTPase Arl8b स्तनधारी हॉप्स सम्मिश्रकोलाइसोसोम के लिए समन्वयोजन को नियंत्रित करता है । प्रकोष्ठ साइंस जर्नल (प्रेस में)

शर्मा एम. कैपलन एस. (2014) । बारडोमेन और बादडोमेन सूपर फेमिली प्रोटीन । राल्फ ए ब्रैडशॉ और फिलिपस्टेल्टो द्वारा संपादित 'कोशिका जी विज्ञान की विश्वकोश' में पुस्तक अध्याय, जो कि एल्सेविअर द्वारा ऑनलाइन प्रिंट में प्रकाशित किया गया ।

श्रीवास्तव, सिन्हा एस. (2014) । पात्र में उत्पन्न बेसिलस सबटिलिसलाइपेस का तापीय स्थायीत्व A: A नेटवर्क और गतिक परिप्रेक्ष्य । पीएलओएसवन 9: e102856 | Dol: 10.1371/जर्नल.पोन । 0102856

पियावी. के., सरकार सस. सिन्हा एस. (2014) ।

माइक्रोबियलजीनोम में ट्रिप्टोफैन बायोसिंथेटिक मार्ग का विकास : एक तुलनात्मक आनुवंशिक अध्ययन । प्रणालियां और सिंथेटिक जीव विज्ञान (स्प्रिंगर), डीओआई 10-1007/s 11693-013-9127-1

अरैखिक गति की में प्रेक्ष्य पर सम्मेलन की कार्यवाहियां – भाग.1 और भाग – 2 । संपादक : सुदेश्ना सिनहां, सोमदत्त सिनहा, नीलिमा गुप्ते, और रामरामा स्वामी । प्रमाण, खंड 84, (संख्या 2 और 3), फरवरी और मार्च 2015

यादव आर.के *, टेवेकोलीएम. गिर्केटी., रेड्डी जी.वी (2014) । एराबिडोप्सिस सूट एपिकल मेरी स्टेम कोशिका कर्मता का उच्च विभोदन जीन अभिव्यक्ति मानचित्र । विकास 14:2735-2744 (* सह – संगत लेखक)

पोस्टर

कौशिक चट्टोपाध्याय

आनंद राय : मार्च 28 – अप्रैल 1, 2015 के दौरान बोस्टन, अमेरिका में आयोजित ASBMB वार्षिक बैठक में मौखिक प्रस्तुति और पोसटर प्रस्तुति ।

निधि कुंडू : जैविक दवा की दुकानों – भारत की सोसायटी (SBCI), दिसंबर 2014 की वार्षिक बैठक में मौखिक प्रस्तुति और पोस्टर प्रस्तुति

लोलितिका मंडल

टाटामौलिक अनुसंधान संस्थान के सहयोग से हैदराबाद विश्वविद्यालय में जीनोम वासतुशास्त्र और कोशिका भाग्य नियमन, 2014 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन । ड्रोसाफिला हेमेटोपोईएटिक स्टेम कोशिकाओं की पहचान और अभिलक्षण निर्धारण, निधिश मंडि, मयंकचुग और लोलितिका मंडल ।

XXXVII ऑ इंडिया सेल बायोलॉजी सम्मेलन, लखनऊ, 2014 बेस्ट पोस्टर प्रस्तुति प्रोफेसर बी आर शेषाचार स्मारक पुरस्कार रक्त कोशिका ओंनएघर लगता है । सैकतघोष, अर्शदीप सिंह और लोलितिका मंडल ।

सुदीप मंडल

पूनम अग्रवाल, जयती गेरा और सुदीप मंडल; मार्फोजन डीकैपेन्टेप्लेजिक (डीपीपी) कोशिका अंत विनियन में परिवर्तन के दौरान जीन को नियमित करने में अनुज्ञापक और अनुदशात्मक, दोनों प्रकार की, भूमिका अदा करता है (जीनोम वास्तु और कोशिका अंत पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, हैदराबाद विश्वविद्यालय 01 – 04 दिसम्बर, 2014)

आशीष जी तोश्नीवाल, साक्षी गुपता और सुदीप मंडल : माइटोकांड्रिया से अलग प्रतिगामी सिग्नल ड्रोसोफिला में कोशिका की वृद्धि को नियमित करता है । (38वां अखिल भारतीय कोशिका जीव विज्ञान सम्मेलन और ड्रग्स के लिए कोशिकीय अनुक्रिया पर अंतर्राष्ट्रीय परिचर्चा) 10.12 दिसम्बर, 2014 सीएसआईआर.सीडीआरआई लखनऊ)

अरूणिका मुखोपाध्याय

श्री जी वी आर कृष्ण प्रसाद और सुश्रीआकांक्षा गुलाटी ने 12 – 14 दिसम्बर 2015 तक प्रतिरक्षा विज्ञान विभाग, जीव विज्ञान स्कूल, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै, तमिलनाडु, द्वारा आयोजित भारतीय प्रतिरक्षा विान सोसाइटी के 41वें वार्षिक सम्मेलन में 'इम्यूनोकॉन – 2014' में भाग लिया । 'विब्रियो कोलरा ओम्पयू में संकेतन मार्ग एम ए पी के और एपी.1 प्रतिलेखन कारक में शामिल शोथज अनुकूल अनुक्रियाएं है' शीर्षक का पोस्टर श्री जी वी आर कृष प्रसाद द्वारा प्रस्तुत किया गया और इस पोस्टर ने द्वितीय सर्वोत्तम पोस्टर का पुरस्कार प्राप्त किया ।

'होस्ट – इम्यूनोमॉडुलेशन में विब्रियो पैराहेमोलाइटिक्स की आूम्पयू की भूमिका ।' सुश्री आकांक्षा गुलाटी द्वारा प्रस्तुत ।

सम्राट मुखोपाध्याय

डोमिनिक नारंग : बाल्टीमोर में बॉयोफिजिकल । सोसायटी की बैठक (2015 फरवरी) ।

श्रुति आर्य : भारतीय विज्ञान संवर्धन संज में स्पेक्टमि की और परातीव्रगति की में प्रगति (2014 दिसंबर)

विजित दलाला : आई आई एस ई आर पुणे में राष्ट्रीय एफ सी एस कार्यशाला (2015 दिसंबर)

प्रियंका डोगरा : एन सी बी एस बेंगलुरू मे प्रोटीनतह और

गति की पर अंतर्राष्ट्रीय परिचर्चा (2014 नवंबर)

हेमा स्वास्थी : एन सी बी एस बेंगलुरू में प्रोटीनतह और गति शीलता पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (2014 नवंबर)

सम्राट मुखोपाध्याय : ईस्टन, एमए, संयुक्त राज्य अमेरिका (2014 जुलाई) में आयेजित स्वत: विकृत प्रोटीन पर गॉर्डन अनुसंधान सम्मेलन ।

एन. जी. प्रसाद

सुश्री वानिका गुप्ता : रैले, नाथ्र कैरोलीना, संयुक्त राज्य अमेरिका में, 20 – 24 जून, 2014 को विकास 2014 पर आयोजित सम्मेलन में 'ड्रोसोफिला मेलानोगासटर प्रतिरक्षा में प्रतिरक्षा अनुक्रिया का विकास' पर वार्ता प्रस्तुत किया ।

श्री सैयद जीशान अली ने रैले, नार्थ कैरोलीना, संयुक्त राज्य अमेरिका में, 20 – 24 जून, 2014 को विकास 2014 पर आयोजित सम्मेलन में 'क्या यौन सम्बन्धी संघर्ष जाति उद्धवन का इंजन है ? पर वार्ता प्रस्तुत किय ।

श्री विनेश शनोई एक ने 01 से 05 सितंबर, 2014 को विकासात्मक बेल्जियम में पी एच डी छात्रों के लिस 20चीं यूरोपीय बैठक में 'गिपचिप के लिए अनुकूलन के अधीन दीर्घायु होना और कल प्रभावन की दरें' विषय पर वार्ता प्रस्तुत किया ।

श्री कर्ण सिंह ने रैले, नार्थ कैरोलीना, संयुक्त राज्य अमेरिका में, 20 – 24 जून, 2014 पर आयोजित सम्मेलन में 'शीतप्रघात के प्रतिरोध के लिए चयनित ड्रोसोफिला मेला नोगास्टर की संख्या में उत्पन्न अंड जीवन क्षमता, नरमैथुन योग्यता और मैथुन की बारबांरता' पर वार्ता प्रस्तुत किया ।

श्री कर्ण सिंह ने 01 से 05 सितंबर, 2014 को विकासात्मक बेल्जियम में पी एच डी छात्रों के लिए 20वीं यूरोपीय बैठक में 'पर्यावरणीय प्रतिबल प्रतिरोध के लिए चयन के प्रत्युत्तर में पुर्नजननात्मक घटक का विकास और अन्य जीवन के इतिहास' विषय पर वार्ता प्रस्तुत किया ।

महक शर्मा

आस्था सिंधवानी और महक शर्मा । होप्स (HOPS) सम्मिश्र उपकला कोशिकाओं में साल्मोनेला प्रतिकृति के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण लाइसोसोमल मेजबान कारक है । सूक्ष जीव विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ के रिसर्च स्कॉलर्स सम्मेलन – 2015 में पोस्टर प्रस्तुति । प्रस्तुतकर्ता लेखक ।

सोमदत्ता सिन्हा

पी. एच. डी. छात्र (वी के प्रिया) के द्वारा 'प्रोकेर्योटेस में बायोकेमिकल नेटवर्क का विश्लेषण', शोधार्थी, कन्वेंशन – 2K15, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, 25 मार्च 2015

अकादमिक दौरे : –

कविता बाबू : एक पाठ्यक्रम अनुदेशक के रूप में भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान (आई आई एस ई आर), पुणे, भारत मं (दिसंबर 2014) में आयोजित आठवें डी एस ई आरबी न्यूरो साइंसेज स्कूल में न्यूरोन संधि के विकास का शिक्षण किया ।

कौशिक चट्टोपाध्याय : आई आई ई आर पुणे, खंडाला में अक्तूबर 18 – 19, 2013 तक आयोजित 'मेजबान रोगजनक परस्पारिक क्रिया और प्ररिक्षण' पर चर्चा बैठक में भाग लिया ।

मंजरी जैन :

(1) भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरू, जून 2014 में ।

(2) बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, नवंबर 2014 में ।

सुदीप मंडल : राष्ट्रीय मानव जीवनोम अध्ययन और अनुसंधान केन्द्र, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ ।

श्रवण कुमार मिश्रा : आण्विक जीव विज्ञान और जेनेटिक्स विभाग, कॉर्नेल विश्वविद्यालय, इथाका, न्यूयार्क, संयुक्त राज्य अमरीका, अक्तूबर 19 – 29, 2014

सम्राट मुखोपाध्याय

(1) कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय सैनडिएगो ।

(2) स्क्रिप्स अनुसंधान संस्थान ।

(3) मिशिगन विश्वविद्यालय ।

(4) आई बी एम वाटसन अनुसंधान केन्द्र ।

(5) सैलफोर्ड विश्वविद्यालय मैनचेस्टर

(6) टीआई एफ आर हैदराबाद ।

राजेश रामा चंद्रन : 5 मार्च 2015 को डीबीटी कार्यबल की बैठक

सोमदत्त सिन्हा :

(1) जैविक मॉडलिंग प्रयोगशाला, एन आई डीडीके, एन आई एच, बेथेस्डा, एमडी, संयुक्त राज्य अमरीका, जून-जुलाई, 2015

(2) फोगर्टी इंटरनेशनल सेंटर, एनआईसच, बेथेस्डा, एमडी, संयुक्त राज्य अमरीका, जून 2014 ।

(3) ओदुमपार स्थिति की स्कूल, जॉर्जिया विश्वविद्यालय, एथेंस, जीए, संयुक्त राज्य अमरीका, जून 2014 ।

(4) ब्रौड संस्थान में मलेरिया समूह, कैम्ब्रिज, एमए, संयुक्त राज्य अमरीका, जुलाई 2014

(5) सांताफ़े संस्थान, संयुक्त राज्य अमरीका, जुलाई 2014 ।

(6) राष्ट्रीय जैव प्रौद्योगिकी की सूचना केन्द्र (एनसीबीआई), एनआईएच, बेथेस्डा, एमडी, संयुक्त राज्य अमरीका, जुलाई 2014

(7) भारत-फ्रांस अनुप्रयुक्त गणित (आईएफसीएएम) केन्द्र, गणित विभाग, आईआईएससी, बेंगलुरू, 28 - 31 जुलाई, 2014

आमंत्रित वार्ताएं :

कविता बाबू

डीएसटी - प्रेरणाशिविर 9मई, 2014) : तीन दिवसीय डीएसटी - प्रेरणा शिविर में, जोकिरावांग्ला, सिक्कम, भारत में स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम, में आयोजित किया गया, लगभग 50 हाईस्कूल के छात्रों को परामर्श दिया।

आईएनके टॉक (2014 नवंबर) : आईएनके फेलो के रूप मं चुने गए थे और गैर-वैज्ञानिक दर्शकों और भारत के 35 कॉलेज के छात्रों से अपने अनुसंधान के बारे में बात की थी ।

आनंद बछावत

गिरोना, स्पेन में 20-25 जुलई, 2014 तक 'थयल आधारित रिडॉक्स विनियमन एवं संकेतन ' रिडॉक्स जीव विज्ञान और रसायन विज्ञान से काल प्रभावन और सम्बन्धत रोगों तक' शीर्षक पर 'गॉर्डन अनुसंधान सम्मेलन' में आमंत्रित वक्ता ।

पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा मं 5 दिसंबर 2014 को 'आण्विक चिकित्सा में हाल की प्रवृत्तियां । प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय, कोलकाता में 'सिस्टम के अणु' पर राष्ट्रीय संगेष्ठी में आमंत्रित वक्ता ।

जैव सूचना विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी विभाग, डीएवी कॉलेज, सैक्टर 10, चण्डीगढ़ द्वारा भारतीय विज्ञान अकादमी, बेंगलरू, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली और राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, इलाहाबाद के सहयोग से 10 व 11 नवंबर, 2014 को 'जीव विज्ञान में समसामयिक विषय' पर दो दवसीय कार्यशाला बुलाई ।

समरजीत भट्टाचार्य

नैनो साइंस और प्रौद्योगिकी की संसीान (आइएनएसटी), मोहाली में 23 मार्च 2015 को 'शरीर क्रिया विज्ञान तथा औषध, पर नोबेल पुरस्कार, 2014' शीर्धक पर आमंत्रित वार्ता । 03 - 08 नवम्बर, 2014 तक पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, भारत, में प्रथम आई आर ओ / एपीआरसी

चण्डीगढ़ न्यूरो सांइस स्कूल में : अवसाद और संज्ञानात्मक कुसंक्रिया का मूल एवं अनुसंधान की अवधाारणा पर 'मेटाबोट्रॅपिकग्लूटामेट रिसेप्टर्स : इनसाइड स्टोरी (अंदर की बात)' शीर्षक पर वार्ता के लिए आमंत्रित किए गए और वार्ता प्रस्तुत किया ।

कौशिक चट्टोपाध्याय

सोसाइटी ऑं बॉयोलोजिकल केमिस्ट (एसबीसी) इंडिया, हैदराबाद विश्वविद्यालय, दिसंबर 2 - 5, 2015 की 82वीं वार्षिक बैठक ।

'कौशिक पृष्ठ बृहदणुओं की जैव रासायनिक भूमिक' पर आई यू बी एम बी 10वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, कोलकाता, 20 - 24 जनवरी, 2014

पूर्णनंद गुप्ता सरमा

बॉयोकनैक्ट, विश्वविद्यालय इंजीनियरी और प्रौद्योगिकी संसीान (यूईआईटी), पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, 28 अप्रैल, 2014 । शीर्षक : जैविक बृहदाणुओं की संरचनात्मक, यांत्रिक, विद्युत और रासायनिक इंजीयिरी ।

जैव प्रक्रमण 2014, रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (आईसीटी) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई (आईटआईटी), मुंबई, 19 दिसंबर, 2014 । प्रमुखववक्ता, शीर्षक : ग्लूकेनसेस में संरचना, स्थिरता और क्रिया - कलाप की चरम इंजीनियरी ।

कार्बो - XXIX, 29वां कार्बोहाइड्रेटस सम्मेलन, एसोशिएन ऑफ कार्बोहाइड्रेट केमिस्ट्स एंड टैक्नोलोजिस्ट, नवाचारी और अनुप्रयुक्त जैव प्रक्रमण (सीआईएबी), मोहाली, 31 दिसंबर, 2014 । पूर्ण शीर्षक : कुछ कार्बोहाइड्रेट प्रसंस्करण एंजाइमें के साथ खेल ।

उन्नत माइक्रोसकोपी और इमेजिंग तकनीक पर पाठ्यक्रम, नैनो साइंस और प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएनएसटी), मोहाली। 17 जनवरी 2015 । पूर्ण शीर्षक ' फ्लोरेंस समाइक्रोस्कोपी का उपयोग करने में नान - माइक्रो स्कोपिस्ट का प्रारंभ ।

माइक्रॉन 2015, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, 23 जनवरी 2015 । पूर्ण शीर्षक : थर्मो फाइल और हाइपर थर्मोफाइल प्रोटेओम्स में विकसित प्रोटीन को समझना और उस का दोहन करना ।

आनुवंशिक रूप से परिवर्तित जीवों पर सार्वजनिक बहस, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, 23 जनवरी 2015 शीर्षक : आनुवांशिक रूप से परिवर्तित जीवों ।

कृषि विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी में उन्नति पर राष्ट्रीय सम्मेलन, डीएवी कॉलेज, जालंधर, 28 फरवरी, 2015 । शीर्षक : उत्तरदायी जेव प्रौद्योगिकी

मोनेक्लोन एंटी बॉडी के जनन पर कार्यशाला, माइक्रोजीव विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, 9 मार्च, 2015 । प्रमुखवक्ता, शीर्षक : सूक्ष्मजीवों में नव्वय पूर्ण श्रृंख्ला एंडी बॉडी को डिजाइन और उत्पादित करने का प्रारंभिक प्रया ।

मंजरी जैन

व्यवहार पारिस्थिति की पर राष्ट्रीय संगोष्ठि में आमंत्रित वार्ता, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, नवंबर 2014 (इथोलोजिकल सोसाटी ऑफ इंडिया का 38वर वार्षिक सम्मेलन) । शीर्षक: ध्वनियों को कॉकटेल : शोर युक्त समवेत स्वर में क्रिकेट का प्रसारण ।

लोलिताका मंडल

आमंत्रितवकत : गणितज्ञ और अभिकलनात्

मकजीव विज्ञान पर पहली अनुदशात्मक विद्यालय 15 - 29 मई, 2014

भरतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान

आमंत्रित वक्ता : प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय कोलकाता 'मालीक्यूल्सटूसिस्टम्स' पर राष्ट्रीय परिचर्चा ।

मेंटर : युवा अन्वेषकों की बैठक 2015, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर ।

सुदीप मंडल

डीएवी कॉलेज, सैक्टर 10, चण्डीगढ़ में (11 नवम्बर, 2014) की जीव विज्ञान में समकालीन विषय' पर

व्याख्यान कार्यशाला मे आमंत्रितवार्ता :- स्टेमसेल : आज का अनुसंधान, कलका उपचार ।

पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ (2015 फरवरी 25727) को 9वीं चण्डीगढ़ विज्ञान कांग्रेस (चैस्कॉन 2015) में स्टेम सेल जीव विज्ञान : हमारे दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण बदलाव विषय पर आमंत्रित वार्ता ।

श्रवण कुमार मिश्रा

राष्ट्रीय कृषि खाद्य जैव प्रौद्योगिकी संस्थान (नबी), मोहाली, भारत, अप्रैल 2015 ।

मैक्सप्लैंक - डीएसअी सांझीदार समूह की बैठकरू चेन्नई, भारत, मार्च 2015 ।

डी ए वी कॉलेज चण्डीगढ़, भारत, फरवरी 2015 ।

अरूणिका मुखोपध्याय

जैव सूचना विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी, डी ए वी कॉलेज, चण्डीगढ़ विभागों द्वारा 10-11 नवम्बर 2014 के दौरान संयक्त रूप से आयेजित भारतीय विज्ञान अकादमी के 'शिक्षा कार्यक्रम' के तहत प्रायोजित 'जीव विज्ञान में समसामयिक विषयों' पर व्याख्यान कार्यशाला में आंमत्रित वार्ता ।

जैव प्रौद्योगिक विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, द्वारा 10 फरवरी 2015 को आयोजित, डीएसटी द्वारा प्रायोजित 'संचारी और गैर-संचारी रोग: नवीनतम उपचारात्मक उपाय' पर राष्ट्रीय परिचर्चा में आमंत्रित वार्ता।

सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ और भारत के सूक्ष्य जीव वैज्ञानिक संघ (चण्डीगढ़ इकाई द्वारा 18 फरवरी 2015 को आयोजित' सामाजि आवश्यकताओं के लिस माइक्रोब्स, माइक्रोबियल उत्पाद और जैव-चिकित्सा शास्त्र' पर राष्ट्रीय परिचर्चा में आमंत्रित वार्ता ।

सम्राट मुखोपध्याय

आईआईटी कानपुर में विकिरण और प्रकाश रसायन पर राष्ट्रीय परिचर्चा (015 मार्च)

आई आई एस ई आर पुणे में राष्ट्रीय एफ सी एस कार्यशाला (2015 दिसंबर)

इंडियन एसोसिएशन ऑफ द कलटीवेशन ऑफ साइंस में स्पेक्ट्रमिकी (स्पेट्रोस्कोपी) और परातीव्रगति की के क्षेत्र में प्रगति (2014 दिसंबर) ।

आई आई एस ई आर टी वी एम द्वारा आयोजित एशियाई प्रकाश रसायन बैठक (2014 नवंबर) जैव रसायन विभाग, आई आई एस सी बैंगलौर (2014 नवंबर) ।

टाटा मौलिक अनुसंधान संस्थान (अीआईएफआर), टीसी आई एस, हैदराबाद (2014 अक्तूबर) । स्क्रिप्स अनुसंधान संसीान, लाजोल्ला, कैलिफोर्निया, सयुंक्त राज्य अमरीका (2014 जुलाई)

आई बी एम वाटसन अनुसंधान केन्द्र, यॉर्क टाउन हाइट्स, न्यूयार्क, संयुक्त राज्य अमरीका (2014 जुलाई) ।

सैलफोर्ड मैचेस्टर विश्वविद्यालय, ब्रिटेन (2014 जुलाई)

प्रोटीन मेड़ और गति की पर एनसीबएस बंगलुरू में अंतर्राष्ट्रीय परचिर्चा में सत्र की अध्यक्षता की (2014 नवंबर) ।

एन. जी. प्रसाद

भारत की जैविक रसायन सोसायटी की 83वीं वार्षिक बैठक, 18 - 21 दिसंबर, 2014, आईआईटी, एन आई एस ई आर और आइ एल एस, भुवनेश्वर ।

पशु व्यवहार अनुसंधान प्रवृतियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 2 मार्च 2015, एम सी एम डी एवी कॉलेज, चण्डीगढ़।

शर्वन सेहरावत

फ्लोसाइटोमेट्री और इम्यूनोलॉजी: जैव रसायन विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, दिसंबर 2014 में आयेजित फ्लो साइटोमेट्री में प्रगति पर कार्यशाला में स्थायी सम्बन्ध ।

संचारी और गैर-संचारी रोगों पर राष्ट्रीय परिचर्चा मं वायरल

संक्रमण के दौरान इमूनो मौडउलेशन : जैव प्रौद्योगिकी विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित चिकित्साय हस्तक्षेप 10 फरवरी 2015 ।

महक शर्मा

जीव विज्ञान विभाग, डीएवी कॉलेज, चण्डीगढ़ में, भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी संवर्धन सोसाइटी (एसपीएसटीआई), द्वारा आयोजित नोबेल पुरस्कार 2013 'विषय पर आमंत्रित व्याख्यान ।

सोमदत्त सिन्हा

पी एच डी के छात्र (वी के प्रिया) द्वारा

'विज्ञान और नेटवर्क के अनुप्रयोग पर अंतर-विषयक सम्मेलन ' में जैव रासायनिक मार्गो का नेटवर्क विश्लेषण, शिवनादर विश्वविद्यालय, नोएडउ, 20 - 22 मार्च, 2015

सोमदत्त सिन्हा द्वारा

'गणितीय एंव अभिकलानत्मक जीव विज्ञान पर प्रामि अनुदेशात्मक विद्यालय' में जैविका डाटा (मई 17)

और जीव विज्ञान में अवकल समीकरण मॉडल (21 मई), आई आई एस ई आर. मोहाली, 2014

संक्रामक रोगों की मॉडलिंग: जीनोमसेजन संख्यातक, फोगेटीइंटरनेशनल सेंटर, एनआईएच, संयुक्त राज्य अमरीका, 23 जून 2014

भारत में मलेरिया की व्याप्तता की मॉडलिंग : अनेक दृष्टिकोण, हार्वर्ड सार्वजनिक स्वास्थ्य स्कूल, 3 जूलाई, 2014 ।

संक्रामक रोगों की मॉडलिंग : जीनोमसेजन संख्यातक, ओदुम स्कूल ऑफ ईकोलॉजी, संयुक्त राज्य अमरीका, 7 जुलाई, 2014

जीनो मिकपैटर्न और वर्गीकरण में जटिलता, राष्ट्रीय जैव प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्र (एनसीबीआई), एनआईएच, चेन्नई, 23 जुलाई 2014 गतिक संक्रमण और शरीर क्रियात्मक प्रकार्य 'गतिशील दिन: एशियाप्रशांत (DDA08)", आईएमएससी, चेन्नई, 23 जुलाई 2014

जीवन : जहां सभी विज्ञान मिलते हैं पंजाब विश्वविद्यालय संवाद, 22 अगस्त 2015

जीवविज्ञान में मॉडलिंग और डाटा : एक परिचय, जीव विज्ञान में गणितीय मॉडलिंग और डाटा विश्लेषण, आईआई टी मंडी, अक्तूबर 27, 21, 2014 में तीन दिवसयी व्याख्यान कार्यक्रम

एचआइवी-1 रिवर्सट्रांसक्रिपटेस का ग्राफ - सैद्धांतिक विश्लेषण, ड्रग डिजाइन में आणविक मॉडलिंग और सूचना विज्ञान पर भारत - अमरीका सम्मेलन', एनआईपीईआर, मोहाली, 5 नवंबर 2014 ।

सिस्टम्स सजवी विज्ञान ?, - जीव विज्ञान में समसायिक विषयों पर कार्यशाला' डी एवी कॉलेज, चण्डीगढ, 11 नवंबर, 2014 कोशिकाओं और जनसंख्या में सामूहिक व्यवहार, 'गणितीय जीव विज्ञान के क्षेत्र में प्रगति' आईसीटी-पीआएमएस- आई आई एस ई आरपुणे, गण्पितीय जीव विाान कार्यशाला और परिचर्चा, आई आई एस ई आर. पुणे, 15 दिसम्बर 2014

एचआईवी-1 के बड़े पैमाने पर जीनरेम विश्लेषण, 'रोग जीव विज्ञान में बड़ा डेटा विश्लेषण और भाषांतरण' पर भारत-अमरीका विपक्षीय सम्मेलन सहकार्यशाला, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 18 जनवरी 2015 नेटवरक : जैविक प्रणालियों में एक आवर्ती विषय (मुख्यनोट) और प्रोटीन संरचनाओं का ग्राफ सैद्धांतिक विश्लेषण, 'विज्ञान और नेटवर्क के अनुप्रयोग पर अंतर विषयक सम्मेलन', शिवनादर विश्वविद्यालय, 20 मार्च, 2015 प्रोटीन संरचनाओं का ग्राफ सैद्धांतिक विश्लेषण, 'गणितीय और अभिकलनात्मक जीव विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' आई आई टी कानपुर, 28 फरवरी 2015

ऊतकों मे कोशिकाओं का सामूहिक व्यवहार, 'गणितीय और अभिकलनात्मक जीव विाान' आई आई टी गांधीनगर, 21 मार्च 2015 ज्योत्रिमय में साक्षात्कार : 19.2 मेगाहर्टज - पंजाब विश्वविद्यालय का सामुदायिक रेडियो स्टेशन (संचार अध्ययन स्कूल, पंजाब विश्वविद्यालय)

रामयादव

'एराबिडोप्सिस सूटएपेक्स के आंतरिक कार्य को समझना' (सीसीएमबी, हैदराबार 9 अक्तूबर 2014) आइ एल एस भुवनेश्वर और डीबीटी, भुवनेशवर द्वारा 30.31 जनवरी 2015 को आयोजित चौधरी राम लिंगास्वामी फैलोशिप कॉनक्लेव।

14 नवंबर, 2014 को एन सी बी एस में सी-कैंप प्रौद्योगिी कॉन्क्लेव में भाग लिया।

पुरस्कार और सम्मान

(डी बी एस संकाय सदस्य और उनके समूह के सदस्य)

कविता बाबू

डॉ. योगेश दहिया : हमारी प्रयोगशाला में पोस्ट डाक्टरल फेलो को वेलकम ट्रस्ट -

डी बी टी इंडिया एलांयस अर्ली कैरिया फैलोशिप प्रदान किया गया है। (प्रारम्भ होने की तिथि : जुलाई 2014, अवधि 4 वर्ष)

डॉ. प्रतिमा पांडे : हमारी प्रयोगशाला में पोस्ट डाक्टरल फेलोको महिला वैज्ञानिकों के लिए ए डी बी टी बायो केयर पुरस्कार प्रदान किया गया है। (प्रारम्भ होने की तिथि : अक्तबूर 2014, अवधि 3 वर्ष)

आनंद बछावत

सदस्य, संपादकीय बोर्ड, जे. बॉयल. केम., 1 जुलाई 2015-2020 से प्रभावी

समरजीत भट्टाचार्य

हमारी प्रयोगशाला से श्री सौरभ पांडे ने आई बी आर ओ (इंटरनेशनल ब्रेन संच संगठन) की बैठक में, जो कि 3-08, नवंबर 2014 तक पंजाब विश्वविद्यालय, भारत में आयोजित की गई थी, 'सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार जीता है।

हमारी प्रयोगशाला से श्री सौरभ पांड को 2015-31 मई के दौरान जैनेलिया कैम्पस, सयुंक्त राज्य अमरीका में 3 जून से 31 मई, 2015 तक के दौरान 'दलांग एंड वाइडिंग रोज : न्यूरोनल ट्रेफिकिंग इन फिजियोंलॉजी एंड डिजीज' पर प्रतिष्ठित एच एच एम आई यात्रा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

रचना छाबा

भूपिंदर सिंह, मेरी प्रयोगशाला में पी एच डी के छात्र, ने भारत सूक्ष्म वैज्ञानिक संघ, चण्डीगढ़ यूनिट और सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रिसर्च स्कॉलर्स कन्वेंशन -2K15' सम्मेलन में एक पोस्टर प्रस्तुत किया। पोस्टर का शीर्षक 'स्चेरिचियाकोलाईमें डी-गैलैक्टानेट चयापचय कानियमन' था। उन्होंने द्वितीय पुरस्कार प्रापत किया। जिसमें मेरिट प्रमाण-पत्र, तथा सम्मेलन / कार्यशाला में भाग लेने के लिए यात्रा और पंजीकरण पुरस्कार शामिल हैं।

प्रक्रम सिंह चौहान, मेरी प्रयोगशाला मं एक पोस्ट डाक्टरलफेलो, को भारत का सूक्ष्म जीव वैज्ञानिक संघ, चण्डीगढ़ यूनिट, और सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित- रिसर्व स्कॉलर्स कन्वेंशन-2k15' सम्मेलन में अनुसंधान प्रस्ताव की मौखिक प्रस्तुति के लिए चुना गया था। अनुसंधान प्रस्ताव का शीर्षक 'अपशिष्ट जल का उपयोग करते हुए तैलोत्पादक सूक्ष शैवाल से बायोडीजल : वर्धित लिपिड जैव संशलेषण के लिए एंजाइमां कास्ट्रेन चयन, अनूकूलन और अति अभिव्यक्ति' था। उन्होंने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया जिसमें मेरिट प्रमाण-पत्र, तथा सम्मेलन / कार्यशाला में भाग लेने के लिए यात्रा और पंजीकरण पुरस्कार शामिल है।

कौशिक चट्टोपाध्याय

प्रो. बी. के. बछवात वर्ष 2015 के लिस युवा वैज्ञानिकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान से सम्मानित किया गया। अपनी प्रयोगशाला से पीएचडी साथी, आनंद राय ने मार्च के दौरान बोस्टन अमेरिका में आयोजित ASBMB वार्षिक बैठक में भाग लेने के लिए ASBMB 2015 के सफर के पुरस्कार से सम्मानित किया गया था 28-1 अप्रैल 2015

पूर्णानंद गुपता सरमा

संपादकीय बोर्ड का सदस्य : प्रिऑन

सदस्य, ऊर्जा बायोसांइसेज पर कार्यबल (डीबीटी) सचिव, भारतीय बॉयो फिजिकल सोसाटी (2015 अप्रैल 2017 अप्रैल) सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार समिति, डीबीटी7आईसीटीऊर्जा बायोसांइसेज केन्द्र, आईसीटी, मुंबई। सदस्य, ऊर्जाबायोसांइसज प्रवासीफलोशिप के लिए विशेष समिति।

निदेशक, प्रोटीन विज्ञान केन्द्र, डिजाइन और इंजीनियरी (सीपीएसडीई) संसाधन विकास मंत्रालय के सीमांत विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के अधीन उत्कृष्टता केन्द्र। प्रेरणा शार्म ने जैव प्रक्रमण 2014 में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किया।

मंजरी जैन

ऋचा सिंह (पीएचडी छात्रा) ने व्यवहार पारिस्थिति की पर राष्ट्रीय परिचर्चा।

(भारत की इथेलॉजिकल सोसायटीके 38वें वार्षिक सम्मेलन), बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, पवंबर 2014 में प्रस्तुत उत्तर-पश्चिमी भारत से खेत के झींगुर प्रजातियों में ध्वनिक संचार और नरअंतराल' शीर्षक वाले पोस्टर के लिए सर्वोत्तम पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किया।

लोलितिका मंडल

ग्गटप्प अखिल भारतीय कोशिका जीव विज्ञान सम्मेलन, लखनऊ, 2014 सर्वोत्तम पोस्टर प्रस्तुति प्रो. बी आर शेषाचार स्मारक पुरस्कार। रक्त कोशिकाओं नए घर मिले। सैकतघोष, अर्शदी सिंह और लोलितिका मंडल

सम्राट मुखोपाध्याय

रॉयल सोसाइटी का राष्ट्र मण्डल विज्ञान फेलो-ऑन ग्रांट प्राप्त किया।

इम्यूनोलॉजी फाउंडेशन से एक अंतर्राष्ट्रीय यात्रा पुरस्कार।

डोमिनिक नारंग नेबाल्टीमोर,

संयुक्त राज्य अमेरिका में बॉयोफिजिकल सोसायटी की बैठक में भाग लेने के बॉयोफिजिकल सेसायटी की ओर से अंतरर्राष्ट्रीय यात्रा पुरस्कार प्राप्त किया।

एन. जी. प्रसाद

एन जी प्रसाद : एसोसएिट एडीटर, जर्नल ऑफ जेनेटिक्स, दिसंबर 2014

सश्रीवानिका गुप्ता : सर्वश्रेष्ड युवा इथोलॉजिस्ट पुरस्कार। भारतीय इथोलॉजिकल सोसयटी की बैठक, बी एच यू।

श्री सैयद जी शान अली : विकास 2014 सम्मेलन, रैलेह, उत्तरी कैरोलिना, संयुक्त राज्य अमेरिका में विकास का अध्ययन के लिए, संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए हैमिल्टन सोसाइटी पुरस्कार के लिए फाइन लिस्ट के रूप में चुने गए।

महक शर्मा

वेलकम-डीबीटी इंटरमीडिएट फैला (अक्तूबर 2012-2017)

आस्थासिंधवानी, मेरी प्रयोगशाला में पी एच डी क तसरे वर्ष की छात्रा, को7रिसर्च स्कॉलर्स सम्मेलन 2015, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ में उस के पोस्टर 'एच ओ पी एस कॉम्प्लैकस उपकला कोशिकाओं में साल्मोनेला प्रतिकृति के लिए क्रांति के लिए क्रांति कलाइसोसोमल मेजबान कारक आवश्यक है' के लिए सर्वोत्तम पोस्टर पुरस्कार।

सोमदत्ता सिन्हा

राष्ट्रीय महिला जैव वैज्ञानिक पुरस्कार (वरिष्ठ), जैव प्रौद्योगिकी विभाग।

राम यादव

राम यादव को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, से राम लिंगास्वामी फैलोशिप से सम्मानित किया गया । 2012 – 2017 ।

राम यादव ने जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, से नवाचारी युवा बायोटैक्नोलॉजिस्ट पुरस्कार प्राप्त किया । 2012 – 2015

आई आई एस ई आर मोहाली में आयाति सम्मेलन / संगोष्ठी / घटनाएं

एन. जी. प्रसाद

सह – आयोजन आई आई एस ई आर पुणे में पारिस्थितिकी और विकास, 13 – 27 दिसम्बर, 2014 की नींव में प्रथक आई आई एस ई आर मोहाली – आई आई एस ई आर पुणे संयुक्त शीतकालीन स्कूल ।

सोमदत्ता सिन्हा

गणितीय और कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी पर राष्ट्रीय नेटवर्क (NNMCB) 'द्वारा विज्ञापन आई आई एस ई आर मोहाली में 15 – 29 मई' गणितीय और कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी पर सबसे पहले निर्देशात्मक स्कूल', 2015, 'गणितीय मॉडलिंग और जीव विाान में डेटा विश्लेषण 'अक्तूबर 27 – 29, 2014 पर तीन – दिवस व्याख्यान कार्यक्रम, भारतीय प्रौद्योगिकी इंस्टीच्यूट (आईआईटी) मंडी, हिमाचल प्रदेश (NNMCB मोहाली नोड डॉ. सरिता आजाद के साथ गतिविधि – सह आयोजन) ।

गैर रेखीय प्रणाली और गतिशीलता (CNSD2015), 13 – 15 मार्च, 2105, आई आई एस ई आर मोहाली (सुदेशना सिन्हां द्वारा organised सह) पर सम्मेलन ।

'एक बहु पैमाने देखें प्दजमतंबजपवदे – मेजबान रोगजनक मॉडलिंग' पर आई ए एस चर्चा की बैठक नवंबर 30 – 3 दिसंबर 2014, ऑरेंज देश रिसॉर्टस, कूर्ग, कर्नाटक

भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान

रसायन विज्ञान विभाग में संकाय और अनुसंधान

संकाय सदस्य

डॉ. आर. विजय आनंद (सहायक प्राध्यापक, सिंथेटिक ऑर्गेनिक कैमिस्ट्री)

डॉ. एस. अरूलानन्द बाबू (सहायक प्राध्यापक, सिंथेटिक ऑर्गेनिक कैमिस्ट्री)

डॉ. पी. बालनारायण (सहायक प्राध्यापक, गणनात्मक तााि सैद्धान्तिक रसायन)

डॉ. अंशुमान रॉय चौधरी (सहायक प्राध्यापक, एक्स-रे क्रिस्टेलोग्राफी)

डॉ. सम्राट घोष (सहायक प्राध्यापक, मेटेरियल्स रसायन विज्ञान)

प्रो. आर. कपूर (प्राध्यापक, अकार्बनिक रसायन)

प्रो. संजय मण्डल (प्राध्यापक, ओर्गेनोमेटेलिक केमिस्ट्री नेनामेटीरियल्स एवं एक्स-रे डिफ्रेक्ओमेट्री

डॉ. सम्राट मुखोध्याय (सहायक प्राध्यापक, प्रोटीन फोल्डिंग, मिस्फोल्डिंग प्रीओन एवं अम्लोइड बायोलॉजी)

डॉ. शांतनु कुमार पाल (सहायक प्राध्यापक, लिक्विड क्रिस्टल्स, इंटरफेशियल फेनोमेना, कोलॉइड एंड जैल कैमिस्ट्री, कैमिकल एवं बायोलॉजिकल सेन्सिंग, नेनोस्केल साइंस एंड इंजीनियरिंग)

डॉ. सब्यसाची रक्षित ((सहायक प्राध्यापक, नैनोमेकेनिक्स ऑफ मैक्रोमोलिक्युल्स)

डॉ. रमेश रामचन्द्रन (सहायक प्राध्यापक, डेवेलपमेंट ऑफ सॉलिड स्टेट एन.एम.आर मेथड, क्वाण्टम मैकेनिक्स)

प्रो. एन. सत्यमूर्ति (प्राध्यापक, मॉलिकयुलर रिएक्शन डाइनेमिक्स एवं पोटेन्शियल एनेर्जी सरफेस)

डॉ. के. आर. शामसुन्दर (सहायक प्राध्यापक, कवाण्टम केमिस्ट्री

डॉ. संजय सिंह (सहायक प्राध्यापक, सिंथेटिक ऑर्गेनिक एवं ओर्गेनोमेटेलिक कैमिस्ट्री)

डॉ. एस. वी. रामशास्त्री श्रीपदा (सहायक प्राध्यापक, सिंथेटिक ऑर्गेनिक कैमिस्ट्री)

डॉ. सुगुमार वेंकटरमणी (सहायक प्राध्यापक, भौतिकीय कार्बनिक रसायन)

प्रो के. एस. विश्वनाथन (प्राध्यापक, स्पेक्ट्रोस्कोपी)

डॉ. अरिजीत डे (सहायक प्राध्यापक, अल्ट्राफाट नॉनलीनियर स्पेक्ट्रोस्कोपी)

डॉ. उज्ज्वल के. गौतम (सहायक प्राध्यापक, फंक्शनल नैनोमेटेरियल्स)

रासायनिक विज्ञान विभाग : संकाय एवं शोध

संस्थान के रासायनिक विभाग में रसायन विज्ञान के अनेक क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व है । इनमें प्रायोगिक व सैद्धान्तिक रसायन के विभिन्न क्षेत्र सम्मिलित है । इन क्षेत्रों में प्रमुख है - कार्बनिक रसायन, अकार्बनिक रसायन, ऑर्गेनोमेटेलिक कैमिस्ट्री, क्रिस्टैलोग्राफी, मेटेरियल्स कैमिस्ट्री, लिक्विड क्रिस्टल्स, नैनोमेकेनिक्स, सॉलिड स्टेट एन एम आर, रिएक्शन डायनेमिक्स, क्वाण्टम कैमिस्ट्री, स्पेक्ट्रोस्कोपी इत्यादि । अधिक तकनीकी जानकारी इस वार्षिक प्रतिवेदन के अंग्रेजी संस्करण में उपलब्ध है ।

प्रकाशन

टेट्राहाइड्रोफूरान और 1, 4 - बेंजोडाईआक्सेन प्रणाली पैरे लाकेसक्रियान किए ग, sp3 C(3) –H बंधोकारीजियो और स्टिरियोसेलेक्टिव Pd-उत्प्रेरित प्रत्यक्ष ऐरीलवेशन, आर. बाबू, एस. ए.* J. Org. Chem 2015, 80, 2339

बेंजिलिडेनेम एलोनोनाइट्रइल के साथ ऐजोमिथाइन येलिड्सकारीजियो - और डायास्टिरियोसेलेक्टिवचक्रिय संयोजन : बहु-प्रतिस्थापति 4,4-डाईसायनो पाइरोलिडीन-27का बॉक्सिलेट और नार्नी कोटीन स्कैफोल्ड्सकेनएसेट का समन्वायोजन राजकुमार, वी. बाबू, एस. ए. 'साइनलेट Synlett) 2014, 25, 2629

नार्बोनेन प्रणाली के 2 डिग्री और 3 डिग्री (sp3)-H बंधों को पैलेडियम उत्प्रेरित डबल एक्टिवेशन और ऐरीलवेशन: ब्रिजहेड कार्बन और ब्रिजहेड क्वेटेर्नरी (चतुर्धातुक) स्टिरियोसेंटर, पारेला, आर., बाबू, एस. ए. ' साइनलेट (Synlett) 2014, 25, 1395

ओलेफिनकोस क्रिय करके y- असंतृपत का बोक्जिलिक एसिडएस्टर की सीधा लैक्टोनन: सभी पस्थस्टीरियों सेंअरों वालो होमोसिरीन लैक्टोन स्कैफोल्ड्स कास्टिरियो -और रीजियो सेलेक्टिव उत्पादन, असलम, एन. ए., बाबू, एस. ए. ' टेट्राहेड्रान 2014, 70, 64021

ग्लेसर-एग्लिंटन-हे sp-sp युग्मन और दीर्घ चक्रीय करण : 1,3 डाइनेयूनिट वाले पॉलइथर दीर्घ चक्रों (मैक्रोसाइकल्स) के नए वर्ग का निर्माण; नवीन; बाबू, एस. ए, * कौर जी; असलम, एन.ए.; करनम, एम., आर एस सी एडवांसेडज 2014, 4, 18,904 ।

प्रोस्टिरियोजेनिक a, a- विप्रति स्थापित साइक्लो एल्केनोन्स और इमीन्स का इंडियम'साहयता प्राप्त एल्यूमीनियम आधारित स्टीरियोसेलेक्टिव एलायलेशन, रेड्डी, सी.; बाबू, एस. ए., * असलम, एन. एम.0 आर एस सी एडवांसेडज 2014, 4, 10, 199 ।

ऐलिलिक और बैंजाइलिक अल्कोहल के चुंबकीय वियोज्य नैनो Fe3O4 उत्प्रेरित सीधा ऐजीडेशन त्तपश्चात्को पर-उत्प्रेरित क्लिक अभिक्रिया; असलम, एन.ए.; बाबू एस. ए. ' सिंह, डी. के.; राणा, साइनलेट Synlett) 2014, 25, 2201

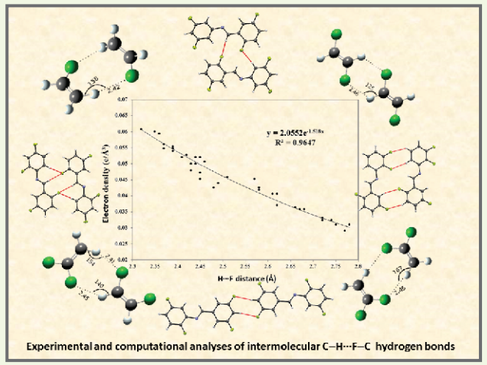

Experimental and computational analyses of intermolecular C–H···F–C hydrogen bonds

देव, एस; माहेश्वरी, एस. चौधरी, ए. आर. आर एस सी एडवांसेडज 2015, 5, 26, 932 कौर, जी.; चौधरी, ए. आर., क्रिस्टइंजकॉम (CrystEngComm), 2015, 17, 2949

मल, एस. के; मित्रा, एम.; स्विास, बी.; कौर, जी., बेग, पी.पी., रेड्डी, सी. ए म., चौधरी, ए. आर.; ऐलियागा-ऐल्क्लेडे, सन.; घोष, आर. अकार्बनिक रसायन, एक्ट, 2015, 425, 61

मल, एस. के; मित्रा, एम.; स्विास, बी.; कौर, जी., मनिकांदमाधवन, वी.एम.; रिन, एम.एस. चौधरी, ए. आर. ; नायर, बी.यू.; घोष, आरआर एस सी एडवांसेडज 2014, 4, 61, 337

पासा, एस. एस.; आलम पी.; दास, एस.; कौर जी; बनर्जी डी.; चौधरी, आर.; रथ, एन.; चौधरी, ए.आर.; लस्कर, आई आर. आर एस सी एडवांसेडज 2014, 4, 50, 549

चौधरी, ए. आर.; यूफिट, डी. एस.; हावर्ड, जे.ए. केजेडकृष्आलोगर 2014; 229, 625

डे डी.; कौर, जी.; मित्रा, एम.; चौधरी, ए.आर.;कोले. एन. ; बिस्वास, बीअकार्बनिक रसायन, एक्ट, 2014, 421, 335

डे डी.; कौर, जी.; रंजनी, ए.; गायत्री, एल.; चक्रवर्ती, पी. ; अधिकारी? जे.; पासन, ज.; धनसेकरन, डी.; चौधरी, ए.आर.; अकबरशा, एम.ए.; कोले, एन.; बिस्वास, बी0, ईयूआर. जेअकार्बनिक रसायन, 2014 3350

आलमपी.; करनम,? एम.; बंद्ययोपाध्याय, डी.; चौधरी, ए. आर.; लसकर, आई आर. ईयूआर. जे. अकार्बनिक रसायन, 2014, 3710

N (2-एमिनोकिथाइल) - एमिन प्रोपाइल ट्राइमेथाक्सीलेन और उसके सिलेट्रेन के शिफबेस : संश्लेषण और अभिलेषण्प निर्धारण, सिंह, जी.जे.पी; सरोआ, ए.; खुल्लर, एस.; मंडल, एस. के.; जे. रसायन विज्ञान 2015, प्रेस में ।

एमिनोएसिड आधारित संलग्नियों में प्रतिस्थापन के द्वारा Cu11 के

होमोकिरल समन्वय के सीपत्यके स्वत: समन्यवोयजन पर नियंत्रण : संश्लेषण, क्रिस्टल संरचना और भौतिक रसायनिक गुण, कुमार, एन. खुल्लर, एस. मंडल, एस. के.; डाल्टन ट्रांसरु 2015, 5672 - 56871

ट्राइथेनॉलएमाइन और ट्रिस (आइसोप्रोपेनॉल) एमाइन से प्राप्त इमिडाजोलि (Imidazolyl) प्रति स्थापित सिलेट्रेन: संश्लेषण और संरचनात्मक अभिलक्षण निर्धारण, सिंह, जी.जे.पी.; गिरधर, एस. खुल्लर, एस. मंडल, एस. के.; जे. समन्वय रसायन, 2015, 68, 876 - 894

प्राकृतिक किरल अत्याणविक समन्वा योजनों पर विलायक का प्रभाव और ऋणायनों के प्रतिइन का भिन्न अभिग्राही व्यवहार, कुमार, एन. खुल्लर, एस.; मंडल, एस. के.; डाल्टनट्रांस., 2015, 1520 - 1525

समन्वय सीपत्य निर्मित करने पर डाइकार्बोक्जीलेट लिंकरों में स्पेसर परमाणुओं का प्रभाव - आण्विक आयतें बनाम 1D समन्वय पॉलिमर : संश्लेषण, क्रिस्टल संरचनाएं, द्रव/गैस अवशोषण अध्ययन और चुंबकीय गुण, खल्लररु एस. मंडल, एस. क्रिस्ट विकास और दस. 2014, 14, 6433 - 6444

4H-क्रोन-4-वन्स में कुछ नॉवेल प्रकाश रूपांतरण : 3-प्रोपिनाइलॉक्सी-2 (थियोफन-3yl) -4 H-क्रोमेन-4-वन्स की फोटोलिसिस, कम्बोज, आरसी; जिंदल, पी-अरोड़ा, आर. चौधरी, ए. खुल्लर, एस.; मंडल, एस. के.; रसायन विज्ञान समीक्षा पत्र, 2014, 3, 231-2461

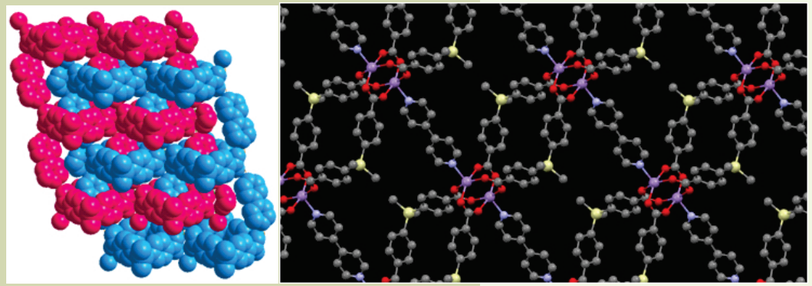

Schematic representations of $\{[Mn_2(O_2CC_6H_4Si(CH_3)_2C_6H_4CO_2)_2(4,4'\text{-bpy})]\}_n$ (**1**), where 4,4'-bpy = 4,4'-bipyridine, showing inter-woven networks of the 2-D sheets.

Mn (II) के समन्वय स्थापत्यों (आर्किटेक्चर) का सहायक लिजेंड सहायता प्राप्तस्वत: समन्वायोजन: ट्राडेंटेटलिजेंड पर N- अल्काइल ग्रुप का प्रभाव, खुल्लर, एस; मंडल, एस. के., डाल्टनट्रांस, 2014, 44, 1203 – 1210

नाइट्रोएनिलीन्स के लिए एक संभावित रसायनिक संवेदक के रूप में चारगुनी समिति के साथ होमोकिरल प्रदीप्तयौगिक, कुमार, एन.; खुल्लर, एस.) मंडल, एस. के.; आर एस सी एडवांसेज, 2014, 4, 47, 249,47, 253

Zn (II) और Cd (II) जल में घुलनशील और निष्क्रिय समन्वयी बहुलकों का गैर – जतापीय संश्लेषण, संरचनात्मक अभिलक्षण निर्धारण और ताप रसायन: सेमी क्र्रान आमापवाले क्रिस्टलीय ZnO/CdO के लिए पूर्ववर्ती, खुल्लर, एस. मंडल, एस. के.; आ एस सी एडवांसेज, 2014 4, 3920 – 39213

क्या धातु मेटाथिसिस समन्वय गहुलकों को संश्लेषित करने के लिए फ्रेमवर्क – टेम्प्लेटिंगकार्य नीति है ? नम्यलिजेंड से सम्बन्धित ट्रांसमेटलेशन अध्ययन, के. सुमन, एफ. बेग, आर. कांत, वी.गुप्ता, एस. मंडल और एम. सरकार, आर एस सी एडवांसेज, 2014, 4, 36, 451 – 36, 457

नावेल – एरिलबेंजो (c) ऐक्रीडीन – 5 – 6 डाइवन्स के संश्लेषण के लिए एक – पात्रा? त्री – घटकीय अभिक्रिया, महाजन, एस.; खुल्लर, एस.; मंडल,

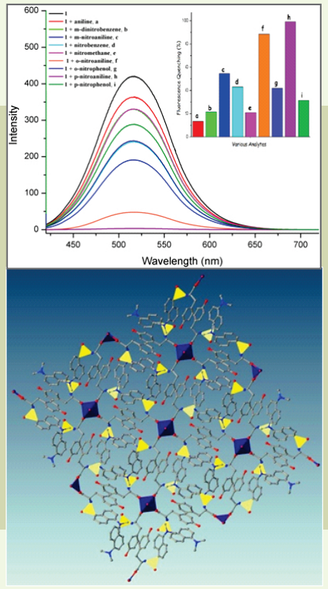

एस. सिंह, आई. पी. रसायन, कम्यून, 2014, 50, 10, 078 – 10, 081

सुदृढ़ हाइड्रोजन बंधन पारस्पारिक क्रियाओं के रास्ते, समन्वित जल के अणुओ में भिन्न विधित्वक उप – ईकाइयों के विविध अत्याणविक समन्वयों का निर्माण, संश्लेषण, क्रिस्टल संरचनाएं और स्पेक्ट्रमी विशेषताएं, खुल्लर, एस.; मंडल, एस. के.; जे. रसायन विज्ञान, 2014, 126, 1515 – 1523

टेल्मिसर्टन के सहक्रिस्टल : अभिलक्षण निर्धारण , संरचना व्याख्या, जीवे (इन – विवो) और आविषालुता का अध्ययन, चड्ढा, आर.; भंडारी, एस.; हनीफ, जे.; खुल्लर, एस.; मंडल, एस.; क्रिस्टइंजकाम, 2014, 16, 8375 – 8389

कोलेस्ट्रॉल और पेंटाऐल्की नाइलबेंजीन पर आधारित कक्षतापद्रव क्रिस्टल डिमर्स का पहला उदाहरण, गुप्ता एम.; पाल, एस. के.; द्रवकिस्ट, 2015 डीओआई: 10-1080/02678292-2015-1036817

द्रव क्रिस्टल का प्रयोग करते हुए प्रोटीन – लिपोपॉलीसेच्चेराइड के पारस्परिक क्रियाओं के अध्ययन की साधारण परिणामात्मक विधिदास, डी; सिद्दकी, एस.; पाल, एस.के.; रसायन – भौतिक – रसायन 2015, 16 753-760

ट्राइफिनाइलीन और पेंटाअल्कीनाइल बेंजीन पर आधारित कक्षतापडिस्कोटिक मेसोजेनिक विदस योजक, गुप्ता, एसम.; बाला, आई; पाल, एस.के.; चतुर्पार्श्वीयलेट: 2014, 55, 5836 – 5840

नॉवेल ऐजाबेंजीन आधारित मेसाजेन का संश्लेषण और अभिलक्षण निर्धारण और वायु – जल और वायु – ठोस अंतराफल को (इंटरफेस) पद उनका संगठन; गुप्ता, एम., अग्रवाल, एन.; अरोड़ा, ए.; कुमार, एस.; शीट, ज.; पाल, एस. के.; आर एस सी एडवांसेज, 2014, 4, 41, 371 – 41, 377

सेतिया, एस.; कुमार, एस.; पाल, एस. के.; डिस्कोटिक द्रव क्रिस्टलीय डिमर्स: रसायन विज्ञान और अनुप्रयोग: ए. तिवारी और एल ऊजान, इडी, उन्नत कार्यात्मक सामग्री, सक्रीवीनेर पब्लिशिग एल एल सी, 2015, अध्याय 7

सिंह, एच. कुमार, एस. पाल, एस. के.; द्रव क्रिस्टलीय पॉलिमर: अभरते अनुप्रयोग: विजय कुमार ठाकुर और माइकल आर. केसलर, एड, द्रव क्रिस्टलीय पॉलिमर: संरचना और रसायन, स्प्रिंगर प्रकाशन, 2015 स्वीकृत ।

फ्यूरोट्रोपोन्स की विधान सभा और बेंजो फ्यूरोट्रोपोन्स का मॉड्यूलर समन्वायोजन और उनके भौतिक गुणों का अध्ययन' शिर्के, आर. पी. रामाशास्त्री, एस.एस.वी.; जे. कार्बनिक रसायन 2015 स्वीकृत । 'रिलेगोल्ड (1) / ब्रोन्स्टेड (bronsted) एसिड उत्प्रेरण के माध्यम से बहुप्रस्थिापित साइक्लोपेंटा (b) इंडोल्स का संश्लेषण', धीमन, एस.; रामाशास्त्री, एस.एस.वी.; रसायन, कम्यून. 201 5, 51, 557 । (नवम्बर 2014 के दौरान सबसे अधिक पढ़े गये लेखों में से एक)

'इनामाइन / इनोलेट – मेडिएटिड आर्गेनोकैटेलेटिक ऐजाइड – कार्बोनिल (3 + 2) – चक्रीय संयोजन अभिक्रियाएं : सघन सक्रियकृत 1,2,3 – ट्राइऐजोल्स के संश्लेषण के लिए धातु मुक्त विकल्प' रामाशास्त्री, एस. एस. वी; ऐंजिवरसायन.इंट.एड. 2014, 53, 14, 310 (नवम्बर 2014 में सबसे अधिक देखे गए लेखों में से एक (मुख्यबात)

'मृदुजलीय दशाओं में सक्रियकृत बहुचक्रीय ऐसिटल्सतक शीघ्रतर धातु मुक्त पहुँच', कसारे, एस. बैंकर एस. के. रामाशास्त्री, एस. एस. वी.; आर्ग.लेट. 2014, 16, 4281

एसिडमेडिएटेड, विलायक – मुक्त, एक – पात्र बतैन डोमिनोज प्रक्रिया के माध्यम से 1,3,47 त्रि – प्रतिस्थापित साइक्लोपेंटा नुलेटेड बेंजोथयोफीन्स का संश्लेषण 'सतपती, बी.; धीमान, एस.; रामाशास्त्री, एस. एस. वी.; यूरो.जे. कार्बनिक, आर्ग. रसायन 2014, 2022

गैस हाडड्रेट्स में मेजबान – अतिथि की पारस्परिक क्रिया घ्नत्व प्रकार्यात्कक सैद्धांतिक अध्ययन । पी. कुमार, बी. के. मिश्रा और एन. सत्यमूर्ति, अभिकलनात्मक और सैद्धांतिक रसायन विज्ञान 1029

(2014) 26 – 32
H+ और He 2+ आयनों के सपुटन द्वारा C 20 के जकास्थिरीकरण । आर. पी. एस. अभिजीत कुमार, एस. देवी. बी. के. मिश्रा और एन. सत्यमूर्ति, Curr. Sci. 106 (2014) 1254-1258

OH और OH- की प्रारंभिक और निम्नस्तरीय उत्तेजित अवस्थाओं के लिए प्रारंभिक सिंति ऊर्जा और प्रकाशिक पृथक्करण में परिक्रामी महीन संरचना का अध्ययन । एस. श्रीवास्तव और एन. सत्यमूर्ति, जे. भौतिक, रसायन । 118(2014) 6343; doi:10, 1021@jp409940 m

CO की E1 अवस्था के आकस्मिक पूर्व – विलगन व्याख्या । एम. मजुमदार, एन. सत्यमूर्ति, जी. जे. वैजक्वेज, एच. लीफीब्रे – ब्रिऑन; जे. भौतिक, रसायन 140(2014) 164303; doi:10.1063/1.4871109
Nh2 (NHH) की निम्नतमतीन 2। अवस्थाओं के लिए रूद्धोष्म से डाइबेटिक रूपांतरणकोण की गणना में जेन – टेलन और युग्मितजेन – टेलर /रेनर – टेलर प्रभाव । एस. श्रीवास्तव, एम. बैर और एन. सत्यमूर्ति आण्विक भौतिक http://dx.doi.org/10.1080/00268976.2014.948089

C 60 के एके भीतर अनु चुंबकी यद्वि पर माणुक अणुओं B2, O2 और Ge2 का संपुटन । इकलाब, एस. श्रीनिवासन, सी.एन. रामचंन्द्रन और एन. सत्यमूर्ति, रासायनिक भौतिकी पर लेख 610°C 611 (2014) 251°C255

भारतीय विज्ञान में जीवित महापुरूष । एस. रंगनाथन: स्वाभाव से एक कार्बनिक रसायन और कलाकार एन. सत्य मूर्ति, Curr. Sci. 107 (2014) 1892-1896
कार्बन नैनो ट्यूब के दायरे में दुर्लभ गैस डाइमर्स में पारस्पर क्रियाएं पी. कुमार. सी. एन. रामचंद्रन बी. के. मिश्रा, एन सत्यमूर्ति, रसायन भौतिकी । पत्र, 618 (2015) 42"C 45
बीडीएनएहेलिक्स बनने में चिति (स्टैकिंग) पारस्परिक क्रिया पर सूगर – फॉस्फेटरीढ़ का प्रभाव । एस. मित्तल, बी. के. मिश्रा और एन. सत्यमूर्ति । Curr. Sci. 108 (2014) 1126-1131

N-P-N समन्वय के लिए स्थूल इमिनोफास्फोन एमाइन्स: संश्लेषण और लिथियम इमिनो – फास्फोनमएाइड्स और ब्व(प्) छप(प्) और ब्न(प्) के होमोलेप्टिकबिस – चिलेट्स की संरचना का अभिलक्षण निर्धारणख् बी. प्रशांत, एस. सिंह; जे. रसायन. विज्ञान., 2015, 127, 315 – 325

एक N, N'. चिलेटिंगलिजेंड के रूप में नई स्थूलमिनोफास्फोनऐमाइड: संश्लेषण और हेट्रोलेथ्प्टक ग्रुप 13 तत्व सम्मिश्रों का संश्लेषण और संरचना का अभिलक्षण निर्धारण, बी. प्रशांत, एस. सिंह. डाल्टनट्रांस. 2014, 43, 16, 880 – 16, 888
4 – फिनाइल-2H-1, 2, 4 – ट्राइएजोल – 3 – थइवन के मोने न्यूक्लियर (Ni (II) और डाइन्यूक्लियर Cd (II) सम्मिश्र और 3, 3'- डाइथायोबिस (4 – फिनाइल – 1, 2, 4 – ट्राइऐजोल) में Mn (II) उत्प्रेरितडाइ सल्फाइडबंध बनना: संश्लेषण, संरचनात्मक अभिलक्षण निर्धारण, तापीय विश्लेषण और डी एफ टी गणना, आर. के. दानी, एम. के. भारती, एस. पासवान,

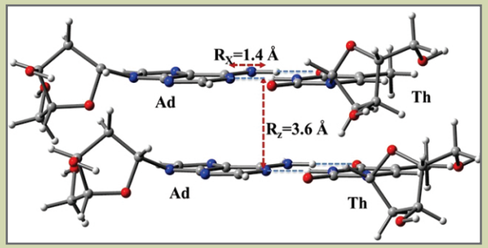

π-π interaction between two base pairs covalently bonded with sugar (side view)

एस. सिंह, एन.के.सिंह; अकार्बनिक, रसा. एक्टा. 2014, 421 519 – 530
4 – फिनाइल (2 – मेथॉक्सीबेंजाइल) – 3 – थायोसेमी कार्बाजाइड के मैंगनीज (II) और जिंग (II) के सम्मिश्र: संश्लेषण, स्पेक्ट्रल, संरचनात्मक अभिलक्षण निर्धानण, तापीय व्यवहार और डी एफ टी अध्ययन, ए सिंह, एम. के. भारती, आर के दानी, एस. सिंह, एस. के. कुशवाहा, एन. के. सिंह, पॉलीहेड्रान, 2014 73, 98 – 109

एम. डोम्मेसचक, सी.स्चूट, एस. वेंकटरमानी, येजेना, सीनादेर, एफ.डी.सोए निच्सेन और आर. हर्गीज, डाल्टनट्रांस, 2014, 43, 17, 395 – 17, 405

NH4Oac के साथ o-(1-एल्कीनाइल) ऐरलएल्डी – हाइडस और कीटोन्स के Ag(K) उत्प्रेरित ऐनुलेशन के माध्यम से आइसोक्वीनोलीन्स तक पहुंचने के लिए कक्ष – ताप प्रोटा कॉल: रेड्डी, वी.; जाधव, ए.एस.; आनंद, आर. वी. आर्ग. बायोमोल रसाया 2015, 13, 3732

ट्राइफ्लोरोएसिटल्डी हाइड इथाइलहेमीएसिटल के साथ ऐरोमेटिकऐल्डीहाइडका N-विषम चक्रीय कार्बान उत्प्रेरित अतिकेमोसेलेक्टिव अंतराण्विक क्रास्डएसीलॉयन संघनन' रमनजनेयूलू. बी. टी. महेश, एस.; आनंद, आर. वी. आर्गे.ट., 2015, 17, 6

विलायकमुक्त दशाओं में रूपर्टके अभिकर्मक के साथ टर्मिनल अल्काइन्स और इंडोल्स का छभ्ब उत्प्ररित ट्राइमिथाइलसिलेश' आर्डे, पी.; रेड्डी, वी.; आनन्द, आर. वी.; आर एस सी एडवांसेज 2014, 4, 49, 775

अकादमिक दौरे

शांतनु कुमार पाल
सिंघुआ विश्वविद्यालय, रसायन विज्ञान विभाग में शीर्षक 'द्रवक्रिस्टल का उपयोग करते हुए प्रोटीन लिपोपोलीसेक्राइड पारस्परिक क्रियाओं का अध्ययन करने की सामान्य परिणामात्मक विधि' वाले हमारे कार्य को 22 अक्तूबर (बुधवार), 2015 को पूर्वाहन 10 बजे प्रस्तुत किया ।

एस. वी. रामशास्त्री श्रीपदा
रसायन विज्ञान स्कूल, हैदराबार विश्वविद्यालय, भारत में 20 जनवरी को आयोजित द्वितीय प्रो. ए. श्रीकृष्ण स्मारक व्याख्यान श्रृंखला में भाग लिया ।

आमंत्रित वार्ताएं

एस. अरूलानंदा बाबू
उत्तर पूर्व विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (सी एस आई आर. एन ई आई एस टी) जोरहाट, असम में 10 – 12 जुलाई, 2014 के दौरान आयोजित रसायन विज्ञान पर 8वां मध्यम वर्ष सी आर एस आई संगोष्ठी में आमंत्रित वार्ता प्रस्तुत किया ।

शीर्षक : समीप स्थस्टीरियों सेंटर वाले छोटे – और मध्यम आकार केवल अणुओं का निर्माण 16 – 19 अगस्त, 2014 के दौरान, गोवा (मेजोर्डा बीच रिज़ार्ट, दक्षिण गोवा) में आयोजित: 'सी एफ – 2014 रासायनिक फ्रंटियर्स' में आमंत्रित वार्ता प्रस्तुत किया ।

शीर्षक : सभ्सी पस्थस्टीरियों सेंटर का पैलेडियम आधारित स्टीरियो सेलेक्टिव निर्माण

सजंय मंडल
24 फरवरी 2015 को आई एन एस टी मोहाली में वार्ता, शीर्षक: 'समन्वय स्थापत्य का स्वत: समन्वायोजन और उनके अनुप्रयोग' ।
10 अक्तूबर 2014 को चण्डीगढ़ विश्वविद्यालय, घरौन, पंजाब में विशेषज्ञ वार्ता: शीर्षक : दैनिक जीवन में रसायन विज्ञान के महत्व' ।

7 जुलाई 2014 को चण्डीगढ़ विश्वविद्यालय, घरौन, पंजाब में वार्ता; शीर्षक : 'एक्स-परिवर्तन (एक्श आर डी)' फार्मा स्यूटिकल्स के लिए अनुप्रयोग'।

शांतनु कुमार पाल
नवम्बर, 2014 में विक्रमजीत सिंह सनातन धर्म (वी एस एस डी) कॉलेज, कानपुर में आयोजित द्रव क्रिस्टल पर 21वें राष्ट्रीय सम्मेलन (एन सी एल सी-21) में मौखिक प्रस्तुति।

2014 जुलाई में ट्रिनिटी कॉलेज, डबलिन, आयर लैंड में आयोजित 25वें अंतर्राष्ट्रीय द्रव क्रिस्टल सम्मेलन (आई एल सी सी-2014) पर मौखि प्रस्तुति।

ब्रिटेन-भारत संगोष्ठी के लिए आमंत्रित किए गए और 16-18 फरवरी 2015 के दौरान ल्रीस विश्वविद्यालय में 'स्वास्थ्य सेवा में बायो-नैनो अनुप्रयोगो के लिए प्रकाश अनुक्रियाशील प्रकार्यात्मक पृष्ठ' पर जैव-चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए जैव आण्विक इंटरफेसडिजाइन करने का नया दृष्टिकोण 'शीर्षक पर मौखिक प्रस्तुति दी।

2014 नवम्बर में विक्रमजीत सिंह सनातन धर्म (वी एस एस डी) कॉलेज, कानपुर में आयोजित द्रव क्रिस्टल (एन सी एल सी-21) पर 21वीं राष्ट्रीय सम्मेलन में शिल्पा सेतिया द्वारा शीर्षक 'डोडेसाइलालेक्सी हेक्सा-पेरी-हेक्साबेंजोकोरोनेनडिस्कोटिक्स के गठन को नियंत्रित करने पर प्रतिस्थापकों का प्रभाव' पर मौखि प्रस्तुति।

नवम्बर 2014 में विक्रमजीत सिंह सनातन धर्म (वी एस एस डी) कॉलेज, कानपुर मं आयोजित द्रवक्रिस्ट पर 21वें राष्ट्रीय सम्मेलन (एन सी एल सी-21) में सुमयरा सिद्दकी द्वारा शीर्षक 'द्रवक्रिस्टल में कार्डियोलिपिन के संरूपीय परिवर्तनों द्वारा प्रेरित pH-चालित क्रमण संक्रमण' पर मौखिक प्रस्तुति।

एस. वी. रामशास्त्री श्रीपदा
9 सितम्बर, 2014 को एन आई पी ई आर, मोहाली, भारत में आयोजित औषधीय रसायन विज्ञान (आई एस आर ए एम) में हाल की प्रगति पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में आयोजन सदस्य और वक्ता। 4 मार्च, 2015 को 'रीच-2015 नॉर्थ ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय (नेहू), शिलांग, भारत, में आयोजित रसायन विज्ञान में हाल की प्रगतियों पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान आमंत्रित वार्ता प्रस्तुत किया।

सब्यसाची रक्षित
दिसम्बर, 2014 आई आई एस ई आर पुणे में संदीप्ति और रमन तकनीकों पर राष्ट्रीय कार्यशाला में आमंत्रित शोधा वार्ता और शिक्षण।

एन. सत्यमूर्ति
रसायन विज्ञान और रासायनिक जीव विज्ञान में संरचनात्मक रूपांकन, अणुओं और सामग्रीयों (M3-2014) में मास्टरिंग पर राष्ट्रीय सम्मेलन, एन आई टी कुरूक्षेत्र, 16-17 अक्तूबर, 2014 फूलों में समरूपता और पैटर्न बनना, स्पेक्ट्रम दर्शी और परातीव्रगति की में प्रगति पर अंतरराष्ट्रीय परिचर्चा, आई ए सी एस, कोलकाता दिसंबर 12-14, 2014
मूलतथ्यपर वापसी: कुछ द्वि-आण्विकों के मामले, सैद्धांतिक रसायन विज्ञान परिचर्चा, एल सी एल पुणे, 18-20 दिसम्बर, 2014

वास्तविक समय और स्थान पर अणुओं की जांच करना और रसायन विज्ञान में संरचनात्मक रूपांकन, विज्ञान में नई सीमाओं पर अकादमी कार्यशाला, सरकारी पेरियार कला कॉलेज, कुड्डालोर 29-30 जनवरी, 2015

परिरूद्ध वातारण में परमाणु और अणु, रसायन विज्ञान में वर्तमान प्रवृत्तियों पर अकादमी कार्यशाला, वाराणसी

फरवरी 20, 2015
रसायन विज्ञान और रासायनिक जीव विज्ञान में गैर-संहसंयो जीपारस्परिक क्रियाएं और संरचनात्मक रूपांकन, जे एस पी एस-डी एस टी एशियाई अकादमिक परिचर्चा और स्कूल, आई ए सी एस और आई आई एस ई आर, कोलकाता, 06-10 मार्च, 2015

के.आर. शामसुंदर
8 से 10 सितम्बर, 2014 के दौरान स्टुटगार्ट, जर्मनी, विश्वविद्यालय।

संजय सिंह
10-11 दिसंबर, 2014, को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित रसायनिक संश्लेषण में नई दिशाएं। शीर्षक ' N, N' समन्वय के लिए स्थूलबिस- इमिनोफोस्फोनएमाइड्स: एल्यूमी नियम धनायनित्र सम्मिश्रों और बोरानचा को जेन दोहरी बंधित प्रजातियों का संश्लेषण और संरचनात्मक अभिलक्षण निर्धारण।
20-21 मार्च, 2015 को रसायन विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ द्वारा आयोजित रसायन विज्ञान में नए नवाचारों पर प्रोफेसर राम चन्द्र पॉल राष्ट्रीय संगोष्ठी।
शीर्षक : स्थूलइमिनोफास्फोनमाइड्स और बी आई एस (फास्फीनीमीनो) एमाइड्स द्वारा समर्थितबोर नियम आयन और एल्यूमीनियम समजीन सी।

संकाय और छात्रों के लिए पुरस्कार और सम्मान

शांतनु कुमार पाल
सुश्री इंदु वर्मा को नवम्बर, 2014 में विक्रमजीत सिंह सनातन धर्म (वीएसएसडी) कॉलेज, कानपुर में आयोजित द्रवक्रिस्टल पर 21वें राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीएलसी-21 में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर के लिए देवन जवाहर लाल नायर स्मारक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. शांतनु कुमार पाल ने 16-20 दिसम्बर, 2014 के दौरान वी आई टी विश्वविद्यालय, वेल्लौर तमिलनाडु में 59वें पर माणुऊर्जा विभाग सॉलिड स्टेट फिजिक्स संगोष्ठी (डी ए ई-एस एस पी एस- 2014) पर डी ए ई-बी बार एन एस से 'यंगअचीव पुरस्कार 2015' प्राप्त किया।

एन. सत्य मूर्ति
आई आई टी कानपुर फैलो 2014, आई आई टी कानपुर (2014)

सदस्य, संपादकीय बोड, वर्तमान विज्ञान, 2015
एक प्रतिनिधि मंडल ने, जिस में भारतीय विज्ञान संस्थान, शिक्षा और अनुसंधान (आई आई एस ई आर) के 5 निदेशक शामिल थे। जापान के 7 इंपीरियल विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग शुरू करने के लिए 23-27 फरवरी 2015 के दौरान जापान का दौरा किया।

23 फरवरी को भारत के राजदूतावास में एक संयुक्त कार्यशाला आयोजित की गई थी। कार्यशाला के दौरान, राजदूत श्रीमती दीपा गोपालन वाधवा और श्रीसदयकी सुचिया, उपमंत्री, एम ई एक्स टी ने प्रारंभिक भाषण दिया, जबकि परामर्श दाता (एस एंड टी) डॉ. सी शिवाजी ने भारत और जापान के बीच विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहयोग के विषय पर एक प्रस्तुति पेश की।

कोलकाता, मोहाली, भोपाल, पुणे और त्रिवेंद्रम में आई एस ई आर की सभी 5 निदेशकों ने टोक्यो, होक्काइडो, टोहोकु, क्युशू, नागोया और ओसाका में

जापानी इंपीरियल विश्वविद्यालयों का दौरा किया और जापानी विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग के संभावित क्षेत्रों पर इन विश्वविद्यालयों के अध्यक्षों और उप-अध्यक्षों के साथ विचार-विमर्श किया।

पोस्टर

अंशुमान रॉय चौधरी

2014 अगस्त में मॉन्ट्रिय, कनाडा में अंतरराष्ट्रीय क्रिस्टलोग्राफी संघ के 23वीं कांग्रेस और महा सभा में शीर्षक 'कार्बनिक फ्लोरीन' और क्रिस्टलइंजीनियरी में इसके महत्व' का एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

सुश्री गुरप्रीत कौर, प्रयोगशाला की एक पी एच डी छात्रा, ने अगस्त, 2014 में अंतर्राष्ट्रीय क्रिस्टलोग्राफी संघ के 23वीं कांगेस और महासभ में शीर्षक 'हैलोजन प्रतिस्थापित N-बैंजाइलीडी ने एनीलीन्स के व्यवस्थित विश्लेषण में ७४ ग्रुप द्वारा प्रदत्त सुदृढ़ता का अध्ययन' पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

शांतनु कुमार पाल

नवम्बर 2014 में विक्रमजीत सिंह सनातन धर्म (वी एस एस डी) कॉलेज, कानपुर में आयोजित द्रव क्रिस्टल पर 21वें राष्ट्रीय सम्मेलन (एन सी ए सी-21) में इंदू वर्मा द्वारा शीर्षक -क्रिएटिनिन के इंजाइमेटिक उत्प्रेरण को मानीटर करने के लिए pH-अनुक्रियाशील द्रवक्रिस्टल आधारित सेंसर' पर पोस्टर प्रस्तुति।

नवम्बर 2014 में विक्रमजीत सिंह सनातन धर्म (वी एस एस डी) कॉलेज, कानपुर में आयोजित द्रव क्रिस्टल पर 21वें राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीएलसी-21) में देब्यंदुदास द्वारा शीर्षक' एक सामान्य परिणामात्मक द्रवक्रिस्टल आधारित पद्धति जो कि बैक्टीरियल सील झिल्ली घटकों के साथ लिपोपॉलीसेक्चेराइड की विशेष पारस्परिक क्रियाओं की रिपोर्ट देती है' पर पोस्टर प्रस्तुति।

नवम्बर 2014 में विक्रमजीत सिंह सनातन धर्म (वी एस एस डी) कॉलेज, कानपुर में आयोजित द्रवक्रिस्टल पर 21वें राष्ट्रीय सम्मेलन (एन सी एल सी-21) में मोनिका गुप्ता द्वारा शीर्षक 'ट्राइफिनाइलीन और मल्टीएल्कीनाइलबेंजीन आधारित मेसोजेन (मध्यज) : संश्लेषण और अभिलक्ष्ण निर्धारण' पर पोस्टर प्रस्तुति।

जुलाई 2014 में ट्रिनिटी कॉलेज, डबलिन, आयरलैंड में आयोजित 25वें अंतर्राष्ट्रीय द्रवक्रिस्टल सम्मेलन 9आई एल सी सी-2014) में सुमयरासिद्दकी द्वारा शीर्षक' जल की बूंदों का द्रवक्रिस्टल बूंदों के रूप मे लिपिड प्रेरित संरचनात्मक पुनर्गठन' पर पोस्टर प्रस्तुति।

एस. वी. रामशास्त्री श्रीपदा

सुश्री सीमा धीमन ने 9 सितम्बर, 2014 को एन आई पी ई आर, मोहाली, भारत में आयोजित औषधीय रसायन विज्ञान (आई एस आद ए एम) में हाल की प्रगिति पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान पोस्टर प्रस्तुत किया।

के. आर शामसुंदर

दो सम्मेलनों में सत्यमरवि और के.आर श्यामसुदर द्वारा शीर्षक 'सरल संयुग्मितइनोन्स के प्रकाश-आइसोमराइजेशन और प्रकाश-वियोजन पर गैर-रूद्धोष्म (एडियाबेटिक) गति के प्रभावों का सैद्धांतिक अध्ययन' पर पोस्टर प्रस्तुत किया गया।

2 सितम्बर-6 सिंतबर, 2014 के दौरान मिटेलवीर, फ्रांस में उच्च आयोमीक्वांटम डायनामिक्स (एच डी क्यू डी 2014) आयोजित की गई।

18 दिसम्बर, 21 दिसंबर 2014, के दौरान एन सी एल पुणे में सैद्धांतिक रसायन विज्ञान संगोष्ठी (2014 छी सी एस) आयोजित की गई।

संजय सिंह

NaCl की मैक्रोसाइकिलिक व्यवस्था करने के लिए अग्रसर [{CIPS (NtBu)}2] 2-दो ऋणायनों के साथ Na+ धनायनों के 'पार्श्वपर' और 'ऊपर-नीचे' की लेटन। दीपेन्द्र बवारी और संजय सिंह ने 14-18 दिसम्बर, 2014, को रसायन विज्ञान पर 13वें यूरेशिया सम्मेलन, भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलुरू में पोस्टर प्रस्तुत किया।

बेस मुक्त एल्यूमीनियम धनाय नित सम्मिश्र जो कि स्टेरिक रूप में बिस (फास्टीनीमीनो) एमाइडलिजेंड और अन्य हेट्रोलेप्टिक ग्रुप 13 सम्मिश्रों द्वारा समर्थित है। कुलदीप जयसवाल, बिल्ला प्रशांत और संजय सिंह ने 14-18 दिसम्बर, 2014, को रसायन विज्ञान पर 13 वेंयूरेशिया सम्मेलन, भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलुरू, में पोस्टर प्रस्तुत किया।

सुगुमार वेंक्टरमणी

'यथा-स्थान डायोजो नियम लवणों की उत्पत्ति के लिए एसीटाइल एसीटोन का प्रत्यक्षसी-ऐरीलवेशन' विषय पर सुधा देवी और सुगुमार वेंकटरमानी ने 13वें यूरेशिया रसायन विज्ञान सम्मेलन (2014 दिसंबर) में प्रस्तुत पोस्टर किया।

भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान

पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान विभाग में संकाय एवं अनुसंधान

संकाय सदस्य

डॉ. बार्बेल सिन्हा (सहायक प्राध्यापक, पर्यावरण विज्ञान)

डॉ. विनायक सिन्हा (सहायक प्राध्यापक, एटमॉस्फेयरिक केमिस्ट्री फील्ड एक्सपरिमेंट्स)

इन्स्पायर संकाय सदस्य

डॉ. वी. लक्ष्मी नारायणन (सहायक प्राध्यापक, एरोनॉमी, एसरग्लो एण्ड एट्मॉस्फियरिक रिमोट सेंसिग)

अवैतनिक संकाय सदस्य

प्रो. अशोक साहनी

भूविज्ञान व पर्यावरण विज्ञान विभाग: संकाय एवं शोध

संस्थान के भूविज्ञान व पर्यावरण विज्ञान विभाग में दो संकाय सदस्य हैं जो कि मुख्यत: जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संघटन व रसायन व अन्य सम्बन्धित क्षेत्रों में शोध कार्य में संलग्न हैं । अधिक जानकारी इस वार्षिक प्रतिवेदन के अंग्रेजी संस्करण में उपलब्ध है ।

प्रकाशन

सिन्हा, बी. सांगवान, के. एस. मौर्या, वाई. कुमार.वी., सरकार, सी., चंद्रा, बी., और सिन्हा, वी., पंजाब और हरियाणा में दो वर्षो के यथास्थान माप का प्रयोक करते हुए फसल की उपज में हानि मूल्यांकन । वायुमंडलिक, रसायनिक, भौतिकी पर चर्चा 15] 2355-2404, 2015. httpp://www.atmos-chem-physdiscuss, net/15/2355/2015/acpd-15-2355-2015.pdf

पवार, एच., गर्ग, एस. कुमार, वी., सचान, एच., आर्य, आर., सरकार सी0, चंद्रा, बी. पी. और सिन्हा बी., उत्तर-पश्चिमी भारत गंगा के मैदान (आईजीपी) में उप नगरीय स्थल पर कणिकीय पदार्थो (पीएम) के व्यापक लदान के लिए लंब दूरी के परिवहन के योगादन की प्रमात्रा निर्धारण । वायुमंडिलिक, रसायनिक भौतिकी पर चर्चा, 15,11, 409-11, 464, 2015 httpp://www.atmost-chem-phys-discuss.net/15/11409/2015 / acd-15-11409-2015.pdf.

कुमार. वी. सिन्हा, वी. वाष्पशील कार्बनिक यौगिक-ओएचएम. एकल प्रोटॉन स्थानानन्तरण प्रतिक्रिया द्रव्यामान-स्पेक्ट्रम मिति का उपयोग करते हुए, परिवेशीकुल व्ः अभिक्रियाशीलता और वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों के त्वरितमापलन के लिए एक नई तकनी । इंस्टी. जे. ऑफमासस्पेक्ट्रम., 374, 55-63, 2014 http://dx.doi.org/10.1016/.ijms.2014.10.012 (Audioslides)

वी. लक्ष्मी नारायणन, के. शिओकावा, वाई. ओत्सुका और एस. से इतो (2014), योनागुनीसेरात्रि के समय मध्यम स्तर पर गतिशील आयन मंडलीय व्यवधानों की वायु दीप्ति का प्रेक्षण :
सांख्यिकीय विशेषताएं और निम्न अक्षांशकी सीमा, भूभौतिकीय अनुसंधान पत्रिका - अंतरिक्षा भौतिकी, 119, 9268-9282, doi: 10.1002 / 2014 JA020368.

वी. लक्ष्मी नारायणन, सुकांतासाव, एस. गुरूबरन, के. शिओकावा, एनबालन, के. एम पेरुमल, एस. श्रीपति (2014), उपग्रह के निशानों और भूमध्य रेखीय फैलाव की गति । एफ, पृथ्वी ग्रह अंतरिक्ष, 66, 160, doi : 10.1186 /s40623-014-0160-4.

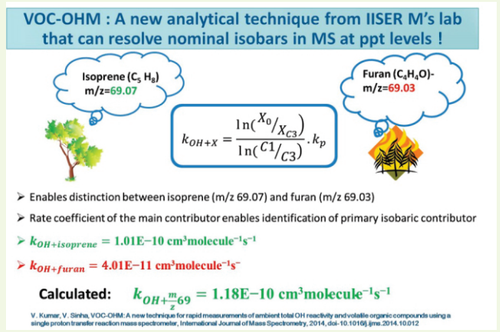

पोस्टर

सिन्हा बी., सांगवान, के. एस., मौर्य, वाई. कुमार, वी., सरकार, सी., चंद्रा. बी. पी., और सिन्हा वी. पंजाब और हरियाणा में दो वर्षो के यथास्थान माप का प्रयोग करते हुए फसल की उपज में हानि मूल्यांकन । ट्रॉपमेट 2015, चण्डीगढ़, भारत ।

पवार, एच., गर्ग, एस., कुमार. वी., सचान, एच., आर्य. आर., सरकार, सी., चंद्रा, बी—पी., और सिनहा बी., उत्तर-पश्चिमी भारत गंगा के मैदान (आईजीपी) में उप नगरीय स्थल पर कणिकीय पदार्थो (पीएम) की वृद्धि के लिए लंब दूरी के परिवहन के योगादन की प्रमात्रा निर्धारण । मौखिक प्रसतुति ट्रॉपमेट 2015, चण्डीगढ़, भारत ।

कुमार, वी., सिन्हा वी., पीपीटी स्तर पर नामीय समभारिक कार्बनिक आयनों का समाधान करने के लिए एक नया रसायन गतिकीय दृष्टिकोण, द्रव्यमान स्पेट्रम मिति में सुग्राहिता, रसायन विज्ञान और अन्य विज्ञानों के सिनर्जिस्टिक पहलुओं पर पंजाब विश्वविद्यालय? पटियाला, भारत में 7वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी में पोस्टर का प्रदर्शन (प्रथम पुरस्कार जीता) ।

सिन्हा बी., सांगवान, के. एस., मौर्य, वाई. कुमार, वी., सरकार, सी., चंद्रा. बी. पी., और सिन्हा वी. पंजाब और हरियाणा में दो वर्षो के यथास्थान माप का प्रयोग करते हुए फसल की उपज में हानि मूल्यांकन । ट्रॉपमेट 2015, चण्डीगढ़, भारत ।

कुमार, वी., सरकार, सी., और सिन्हावी., भारत -गंगा मे मैदान में उपनगीरीय स्थल पर 'क्षोभमंडलीय ओजोन और रइस के पूर्वगामी यौगिकों में मौसमी भिन्नता: मौसम विज्ञान और मानवीय गतिविधियों का प्रभाव', ट्रॉपमेट 2015, चण्डीगढ़, भारत ।

हक्किम, एच., सरकार, सी., चंद्रा , बी., पी. और सिन्हा वी., उत्तर-पश्चिमी भारत गंगा के मैदान में प्रतिक्रियाशील वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों के लिए मानसून की वर्षा की क्लेद अपमार्जन दक्षता' ट्रॉपमेट 2015, चण्डीगढ़, भारत ।
सरकार, सी., सिनहा, वी., कुमार, वी., रूपखेती, एम., पाडेय, ए. रूपखेती, डी., कठयत, बी., महाता, क., और लॉरेंस, एम.जी., नेटाल, ब्राजील में वायुमंडलीय रसायनि विज्ञान 2014 के 'ससकैटएबीसी (SusKatABC) के अभियान पोस्टर प्रस्तुति के 13वें चतुर्वर्षीय आईसीएसीजीपी (ICACGP) संगोष्ठी और 13वें आईजीएसी विज्ञान सम्मेलन के दौरान दक्षिण एशिया में पहली बार पीटीआर-टीओएफ- एमएसमाप का प्रयोग करते हुए काठमांडू घाटी में प्राप्त वाष्पशील कार्बनिक यौकिग के उत्सर्जनों और रसायन का अवलोक न ।

सरकार, सी., कुमार., वी., चंद्रा, बी., और सिन्हा वी., उत्तर-पश्चिमी भारत गंगा के मैदानों (आईजीपी) में वाष्पशील कार्बनिक यौगिक (वीओसी), द्वितीय वार्षिक क्षेत्रीय वायुमंडलीय विज्ञान कार्यशाला पोखरा, नेपाल, 2014 ।

कुमार, वी., सिन्हा वी., और सरकार, सी.: गर्मियों में उत्तर-पश्चिमी भारत गंगा के मैदान (आईजीपी) में वाष्पीशील कार्बनिक यौगिक (वीओसी), आई आई टी, बॉम्बे, द्वारा 2014 में आयोजित विज्ञान और नीति पर प्रामि जलवायु का कार्यशाला ।

जन्नोनी, एन., ड्रूसेंटर, एस., गोस, वी., इस्टेव, आर. एस., मिकौड, वी., सिन्हा, वी. बोनसेंग, बी., गर्मियों में 2013 के दौरान बी, भूमध्य रेखीय बेसिन में दो तुलनात्मक प्रतिक्रिया शीलता के उपकरणों की पारस्परिक तुलना भूभौतिकीय अनुसंधान सारखंड-16, EGU2014-12532-1, 2014

आंमत्रित वार्ताएं

विनायक सिन्हा

12-14 मार्च 2015, को आई आई टी मद्रास, भारत, में एम पी जी सहभागी समूहों के प्रमुखों की 5वीं छमाही बैठक में वायुमंडल के अनुकूल ड्राईक्लीनर' पर आमंत्रित मुख्य वक्ता का व्याख्यान ।
15 से 18 फरवरी 2015 तक पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ में आयोजित ट्रॉपमेट, 2015 में: 'अल्प जीवी

जलवायु प्रणोदक (फोर्सर): वैश्विक और भारतीय परिप्रेक्ष्य' पर आमंत्रित वार्ता । जुलाई 2014 में, कॉलेजों, पंजाब चण्डीगढ़ कॉलेज समूह में 'वायुमंडलीय रसायन विज्ञान और वायु प्रदूषकों का उपकरणीय विश्लेषण' पर आमंत्रित व्याख्यान ।

पुरस्कार और सम्मान

विनायक सिन्हा :

डॉ. विनायक सिन्हा को आईएलईएपीएस (एकीकृत भूमि पारिस्थिति की तंत्र-वायुमंडलीय प्रक्रियाओं का अध्ययन जो कि आई सीएयू के तहत आई जीबीपी की एक प्रमुख वैज्ञानिक परियोजना है, की वैज्ञानिक संचालन समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है ।

डॉ. विनायक सिन्हा एसीएएम (शियाई मानसून में वायुमंडलीय संरचना), जो कि वायु की गुणवत्ता और उत्सर्जन पर केन्द्रित एक उभता अुआ स्पार्क / आई जी एसी क्रिया-कलाप है, के कार्य दल-1 के सह-नेता है ।

डॉ. विनायक सिन्हा भू-प्रणाली विज्ञान डेटा के लिए, जो कि कोपर निकस प्रकाशन, गौटिंगेन, यूरोप द्वारा प्रकाशित अंतर्राष्ट्रीय सहकर्मी समीक्षित एक खुला जर्नल है, के संपादलन हैं (विषय : वायुमंडलीय रसायन विज्ञान और भौतिकी)

चिनमय सरकार (पीएवडी स्कॉलर) कोनेटाल, ब्राजील में वायुमंडलीय रसायन पर 13वें चतुर्वर्षीय आईसीएसीजीपी (ICACGP) संगोष्ठी और 13वें आईजीएसी विज्ञान सम्मेलन में शामिल होने के लिए विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) और आई जी एसी कार्यदल द्वारा यंग साइंटिस्ट ट्रेवेल ग्रांट (युवा वैज्ञानिक यात्रा अनुदान) प्राप्त हुआ है ।

विनोद कुमार (पीएचडीस्कॉलर) ने अपने 'एकल प्रोटान अतरण प्रतिक्रिया द्रव्यमान स्पेक्टम मिति का उपयोग करते परिवेश की कुल ओएव प्रतिक्रियाशीलता और वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों के लिए एक नई तकनीक, इंस्टी. जे. ऑफमॉसस्पेक्ट्रम, 374, 55-63, 2014' नामक प्रकाशन के लिए द्रव्यमान स्पेक्ट्रम मिति की अमरिकी सोसायटी द्वारा सर्वश्रेष्ठ छात्र पेपर अवार्ड जीता है ।

विनोद कुमार (पीएचडीस्कॉलर) को नानजिंग, चीन में, आई एल ईएपीएस (iLEAPS) 2014 में प्रारंभिक कैरियर विज्ञान कार्यशाला की आयोजन समिति के सदस्य के रूप में निर्वाचित किया गया है ।

विनोद कुमार (पीएचडीस्कॉलर) ने रसायन विज्ञान और अन्य विज्ञानों के सिनरजिस्टिक पहलुओं (एसएसीओएस) पर 7वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी, 2015, पंजाब विश्वविद्यालय पटियाला, भारत में 'द्रव्यमान स्पेक्ट्रम मिति में पीपीटी स्तर नामीय समभरिक कार्बनिक आयनों का समाधान करने के लिए एक नया रसायनिक बल गतिकीय समाधान' नामक अपने पोस्टर प्रदर्शन के लिए प्रथम पुरस्कार जीता है ।

विनोद कुमार (पीएचडीस्कॉलर) ने काठमांडू, नेपाल मे डब्ल्यू आरएफ रसायन कार्यशाला में भाग लेने के लिए और पोखरा, नेपाल में सरस (एसआरएएस) कार्यशाला में अपनी बात प्रस्तुत करने के लिए एंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलमेंट (आईसीआईएमओडी) के लिए अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र से अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान प्राप्त किया।

विनोद कुमार (पीएचडीस्कॉलर) ने नानजिंग, चीन में चौथे आईएलईएपीएस (ILEAPS) विज्ञान सम्मेलन में भाग लेने के लिए एकीकृत भूमि पारिस्थितिकी तंत्र वायुमंडल प्रक्रिया का अध्ययन राष्ट्रीय यात्रा अनुदान प्राप्त किया ।

भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान

मानवीकी और सामाजिक विज्ञान विभाग में संकाय एवं अनुसंधान

संकाय सदस्य

डॉ. पार्था चौहान (सहायक प्राध्यापक, पेलिओऐन्थ्रॉपोलॉजी)

डॉ. एड्रीन फ्रीडा डिक्रूज (सहायक प्राध्यापक, अंग्रेजी साहित्य)

डॉ. एस. के. अरूण मूर्ति (सहायक प्राध्यापक, फ़िलॉसफ़ी ऑफ़ साइंस)

डॉ. वी. राजेश (सहायक प्राध्यापक, इतिहास)

डॉ. अनु सभलोक (सहायक प्राध्यापक, पोस्ट कॉलोनियन स्टडी, फेमिनिस्ट ज्योग्राफी, पोलिटिकल-इकॉनमी ऑफ कांटेम्पररी इण्डिया, ग्लोबलाइजेशन, आइडेंटिटी (जेंडर एंड नेशन) पार्टीसिपेट्री एक्शन रिसर्च, एथनोग्राफी)

अतिथि संकाय सदस्य

प्रो. मीरा नंदा (विज्ञान और धर्म का इतिहास व दर्शन)
मानविकी और समाजिक विज्ञान विभाग में संकाय एवं अनुसंधान

मानविकी व सामाजिक विज्ञान विभाग : संकाय एवं शोध

संस्थान के मानविकी व सामाजिक विज्ञान विभाग के संकाय सदस्य मानविकी के अनेक क्षेत्रों यथा विज्ञान का दर्शन व इतिहास, अंग्रेजी साहित्य, मानव-शास्त्र, इतिहास आदि में शोध कार्य में संलग्न हैं । अधिक जानकारी इस वार्षिक प्रतिवेदन के अंग्रेजी संस्करण में उपलब्ध है ।

प्रकाशन

चौहान, पी. आर., एस. ओजारकर,
एस कुलकर्णी 2015 जीन, पुरानी दुनिया के केन्द्र में पाषाण के औजार और आधुनिक मानव का छितराव। प्रोसीडिंग ऑफ दसिम्पोयिम ऑन द इमर्जेंस एंड डाइवर्सिटी ऑफ माडर्न हयूमन विहेवियर इन पेलियोलिथ्कि एसिया (पुरा पाषाण कालीन एशिया मे उद्भव और आधुनिक मान व्यवहार की विविधता पर संगोष्ठी की कार्यवाही) में । 19 नवम्बर - 1 दिसम्बर;



Discovery of a vertebrate fossil by IISER and other students along the Narmada River

टोक्यो, जापान, कैफूवाई, और गोएबेलटी,
संपादनक : टैक्सास एंड एम विश्वविद्यालय प्रेस । पीपी. 94 - 113



Rock art discovered in the southern part of the Narmada Basin

मोर्थेकेई, पी. चौहान, पी. आर., कृष्णन, के., जैन, एम, संत, डी. ए., पटनायक, आर, राजपारा, एच. रेड्डी, डी.वी., सिंघवी, ए. के., शुक्ला, ए.डी. उत्तर तापीय पुन: वितरण आई आर एसएल (आरडी - आई आरएसएल): बी / एम सीमा के निकट औद इससे परे अवसादों के काल निर्धारण की एक नया संभावना है । चतुर्थ महा कल्पभूकालानुक्रमिक । संशोधन के अधीन ।
मीरनंदा, विज्ञान में के सरिया रंग : विज्ञान के हिंदू राष्ट्रवादी इतिहास पर संशयात्मक निबंध । नई दिल्ली तीन निबंध कलेक्टिव । (2015 में मई के अंत / जून के प्रारंभ में प्रकाशित किए जाने के लिए निर्धारित)
फ्रंटलाइन, 4 अप्रैल 2014, पृष्ठ 98 - 99 'तमिल नवजागरण के बीज'
राजेश की किताब स्मृति और इतिहास की पांडुलिपियों की समीक्षा : औपनिवेशिक भारत में शास्त्रीय तमिल साहित्य लेखक थियोडोरएस भास्करन ।

इमोनॉमिक एंड पालिटिकल वीकली (ईपीडब्ल्यू) 18, अक्तबूर 2014, वॉल्यूम XLIX, 42, पृ. 44 - 45 'क्लासिकल तमिल साहित्य' की समीक्षा राजेश की किताब स्मृति और इतिहास की पांडुलिपियों की समीक्षा: औपनिवेशिक भारत में शास्त्रीय तमिल साहित्य, लेखक भवानी रमन ।

सभलोक, ए 'मैं भी तो हिंदुस्तान हूं' भारत के सीमा सड़क संगठन में लिंग और राष्ट्र । दत्ता, ए में, (ढड) एशिया में प्रतिरोध, एजेंसी, हिंसा और इच्छा की लिंग आधारित भौगोलिकताओं का निरूपण । दिल्ली : आर. के. बुक्स ।

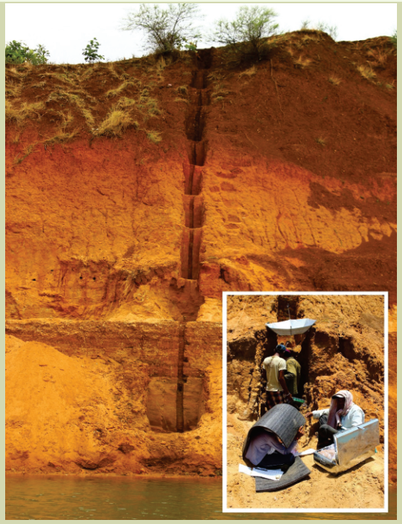

sampling an Early Pleistocene section for sedimentological and geochronological studies

पोस्टर

पार्थ आर चौहान
भारत में पुरान विज्ञानी अनुसंधान के क्षेत्र में नेटवर्क अध्ययन की क्षमताएं । पी. आर. चौहान और पी. चक्रवर्ती । विज्ञान और नेटवर्क के अनुप्रयोग पर अतर-विषय सम्मेलन । सूचना विज्ञान केन्द्र, प्राकृतिक विज्ञान स्कूल, शिव नाडर विश्वविद्यालय, नोएडा । 20 - 22 मार्च, 2015 ।

शैक्षणिक दौरा

एस. के. अरूणमूर्ति
मार्च 2015 में इंडियन कांउसिल ऑफ फिलास्फिकल रीसर्च (आसीपीआर) फिलास्फीमीट के लिए डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय द्वारा रिसोर्स पर्सन के रूप में आंमत्रित किए गए ।

आमंत्रित वार्ता

पार्थ आर चौहान
दक्षिण एशिया में अत्यंत नूतन (प्लीस्टोसीन) और गृहोन्मुखी (होमनिन) रूपांतरण : समस्याएं और 'संभावनाए । पी आर चौहान । चतुर्थ महाकल्प मं जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय सम्मेलन : नया दृष्टिकोण और उभरती हुई चुनौतियां । पुरावनस्पति विज्ञान बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट । 15616 दिसम्बर 2014

शामिल और साथ-प्रस्तुत करने वाले व्यक्त: 'स्टेगोडोंट एंड ऐसोसिएटेड वर्टी ब्रेटरि में सफ्राम अमोंडा (नरसिंह पुरडीसी., मध्य प्रदेश)' वी. साठे, पी. चक्रवर्ती, पी. आर. चौहान, ओ.पी. मिश्रा, एस. सलीम । भारतीय पुरातत्व सोसाएटी का संयुक्त वार्षिक सम्मेलन; प्रागैतिहासिक और चतुर्थ महाकल्प अध्ययन के लिए इंडियन सोसाइटी; भारतीय इतिहास और संस्कृति सोसासटी । दक्कन कॉलेज पोस्ट ग्रेजुएट एंव अनुसंधान संस्थान । पुणे, महाराष्ट्र । 6 - 09 अक्टूबर, 2014

मीरा नंदा
'क्या धर्मरिपेक्षता के बिना भारत का विचार सार्थक है' पर मुख्य संबोधन नोट; 'एशियाई धर्मनिरपेक्षता पर सम्मेलन, 'संस्कृति और समाज विभाग, आरहूस विश्वविद्यालय, डेनमार्क' 20 - 21 अक्तूबर, 2014
'प्राचीन भारत में गणित और चिकित्सा का इतिहास,' मुख्यभाषण, सिट्रान, पंजाब विश्वविद्यालय अंतर-विश्वविद्यालय विज्ञान महोत्सव, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, 18 फरवरी 2015 'विज्ञान और धर्म पर अबेडकर का दर्शन' परमुख्य भाषण, अम्बेउकर और लोकतंत्र पर सम्मेलन हैदराबार केन्दीय विश्वविद्यालय, मार्च 2015

वीराजेश
22 जनवरी 2015 को भारतीय प्रौद्योकिगी संस्थान मद्रास मे मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग में आधुनिक भारत कार्बोद्धिक इतिहास तमिलनाडु' में प्रस्तत आंमत्रितवार्ता ।

23 जनवरी 2015 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास के मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग में द्रविड़ आंदोलन का इहितास लेखन' पर प्रस्तुत आंमत्रित वार्ता ।

अनुसभलोक
रोड कहानियां : भारत
तिब्बत सीमा सड़क, हिमाचल मौसमी प्रवासियों की / पर कहानियां । मानव पारिस्थितिकीय स्कूल । अम्बेडकर विश्वविद्यालय 29 दिल्ली ।

पीएचडी छात्रों की प्रस्तुतियाँ
आईआईटी गुवाहाटी में आयोजित ग्रेजुएट रिसर्च मीट 2014 में दो एचएस स्नातक छात्रों ने लेख प्रस्तुत किया । मिश्रा, योगेश । कश्मीर से विवादित स्थान और उन के आख्यान डालिया भट्टार्च । सरोगेटमातृत्व के भावनात्मक पहलू



Handaxe discovered in Pleistocene sediments (background) represeting Narmada's pateochannel



Paleolithic excavations at Dhansi by IISER and other students along the banks of the Narmada River

भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान

गणितीय विज्ञान विभाग में संकाय एवं अनुसंधान

संकाय सदस्य

डॉ. चन्द्रकान्त एस. अरिबम (सहायक प्राध्यापक, गणित)
शोध क्षेत्र: संख्या सिद्धान्त

डॉ. कृष्णेन्द्र गोंगोपाध्याय (सहायक प्राध्यापक, गणित)
शोध क्षेत्र: ग्रुप्स, ज्योमेट्री एवं डायनेमिक्स

प्रो. सुदेश कौर खंडूजा (प्राध्यापक, गणित)
शोध क्षेत्र: वैल्युएशन थ्योरी

डॉ. अमित कुलश्रेष्ठ (सहायक प्राध्यापक, गणित)
शोध क्षेत्र: क्वाड्रूटिक फॉर्म्स, सैंट्रल सिंपल अल्जेब्राज़

डॉ. चंचल कुमार (सह - प्राध्यापक, गणित)
शोध क्षेत्र: अल्जेब्राज ज्योमेट्री एवं कॉम्बिनेटोरिअल कॉम्प्यूटेटिव अल्जेब्रा)

डॉ. आलोक कुमार महाराणा (सह - प्राध्यापक, गणित)
शोध क्षेत्र: अल्जेब्रिक ज्योमेट्री

डॉ. यशोनिधि पाण्डेय (सहायक प्राध्यापक, गणित)
शोध क्षेत्र: अल्जेब्रिक ज्योमेट्री

प्रो. कपिल हरि परांजपे (प्राध्यापक, गणित)
शोध क्षेत्र : ज्योमेट्री

डॉ. लिंगराज साहू (सहायक - प्राध्यापक, गणित)
शोध क्षेत्र: ऑपरेटर थ्योरी, ऑपरेटर अल्जेब्रा

डॉ. महेन्द्र सिंह (सहायक प्राध्यापक, गणित)
शोध क्षेत्र: टोपोलॉजी तथा ग्रुप थ्योरी

डॉ. वरदराज रवि श्रीनिवास (सहायक प्राध्यापक, गणित)
शोध क्षेत्र: डिफरेंशियल अल्जेब्रा

गणितीय विज्ञान विभाग : संकाय एवं शोध

संस्थान के गणितीय विज्ञान विभाग के गणितज्ञ विभिन्न क्षेत्रों में शोध कार्य में संलग्न हैं। विभाग में संख्या सिद्धांत ने अनेक आयामों, बीज गणित, ज्यामिती, बीजगणितीय ज्यामिती, फंक्शनल एनालिसिस, टोपोलॉजी, डिफ्रेन्शियल अल्जेब्रा, ग्रुप रिंग्स, वैल्युएशन थ्योरी इत्यादि का प्रतिनिधित्व है। अधिक तकनीकी जानकारी इस वार्षिक प्रतिवेदन के अंग्रेजी संस्करण में उपलब्ध है।

प्रकाशन

कृष्नेन्दू गंगोपाध्याय और रवि एस कुलकर्णी, समदूरीकताओं (आइसोमैट्रीज) के Z-वर्ग। जे. इंडियन मैथ। Soc. खंड-81, सं. 3&4 (2014), 245-258

कृष्णेन्नदु गंगोपाध्याय और वेलेरी जी.बर्दाकोव,
ऑन ॅलिनड्रॉमिक विड्थ ऑफ सर्टेनइक्स्टेंशन्स एंड को शेंट ऑफ फ्रीनिलपोटेंटग्रुप, इंट.जे. एलजेब्राकंप्यूट, 218 (2014) 1206-1218

एस के खंडूजा, कमल अघिघ, संजीव कुमार और अनुज बिश्ननोई,
विशिष्ट युग्मों के माध्यम से हेन्सलिअनमानक्षेत्रों पर अलघुकरणीय बहुपदों का अध्ययन
अन्यो न्यक्रिया में मूल्यांकन सिद्धांत। मुद्रित पृष्ठ 1-10, एंटोनियोकेम्पली, फ्रांज- विक्टरकुहलमान और बर्नार्डटिसियर द्वारा संपादित, यूरोपीय गणितीय सोसायटी, 2014
दिलप्रीत कौर और अमित कुलश्रेष्ठ, स्ट्रांगली रीयल स्पेशल 2-ग्रुप, बीजगणित में संचार, खंड 43, सं. 3, (2015)] 1176-1193
डी रामकृष्णन, कपिल हरि परांजपे, 'मॉड्यूलर फार्म और कलाबीय याऊ किस्में 'लंदन गणित सोसायटी व्याख्यान नोट श्रृंखला-420 में 'गणित और ज्यामिति' एडमें। हीथ ब्राउन और अन्य, पृष्ठ 351-372

महेन्द्र सिंह, स्टिएफेलबंडलोंसेस दिश बंडलों तक समपरिवर्त्य मानचित्र, एडिनबर्ग गणित सोसायटी की कार्यवाही (2015), 19 मुदित पृष्ठ।

शैक्षणिक दौरा

चंद्रकांत अरिबम
बीजिंग अंतर्राष्ट्रीय गणित विज्ञान केन्द्र

कृष्णेन्दू गंगोपाध्याय
अंतर्राष्ट्रीय सैद्धांति भौतिक विज्ञान केन्द्र (आसीटीपी), ट्राइस्टे, इटी।
सोबोलेव गणित संस्थान, नोवोसिबिर्स्क, रूस

बर्दवान विश्वविद्यालय एंव कलनाकॉलेज, बर्दवान।
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला

एस के खंडूजा
गणित और 6 संख्यिकी विभाग, कोंसटेंज विश्वविद्यालय, जर्मनी, 28 अप्रैल से 3 मई, 2014 तक (दो व्याख्यान)।
गणित विभाग, मिशिगन विश्वविद्यालय, में 17 अक्तूबर 2014 को व्याख्यान दिया।
बीज गणित संगोष्ठी, वेनस्टेट यूनिवर्सिटी, डेट्रोइट में 21 अक्तूबर 2014 को व्याख्यान दिया
राइट स्टेट यूनिवर्सिटी, डेटन, के गणित और सांख्यिकी विभाग, में 24 और 25 अक्तूबर को दो व्याख्यान दिए।

भारतीय प्रौद्योगिकी की संस्थान मुंबई में 25 नबंवर 2014 को विद्यालय व्याख्यान दिया।

टी आई एफ आर बंबई में 27 नवंबर, 2014 को विद्यालय व्याख्यान दिया।
आई आई टी पटना में 23 मार्च 2015 को एक व्याख्यान दिया।

अमित कुलश्रेष्ठ
भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरू, 05-07 मार्च, 2015
चंचल कुमार
एएफएस-1 में अल्मोड़ा में 22-27 दिसम्बर, 2014 को आयोजित रैखि समूहों पर छह व्याख्यान दिए। 27 मार्च 2014 को केन्द्रीय विश्वविद्यालय जम्मू का दौरा किया और 'गणना की समस्याओं' पर एक बात किया।

यशोनिधि :-
मॉटपेलीयर - 2 विश्विद्यालयरू फ्रांस में प्रो. बर्ट्रेंडटोएल से मिले।

कपिल हरिपरांजपे
26 मई 2014 से 10 जुलाई 2014 तक, शिकागो विश्वविद्यालय, शिकागो, सयुंक्त राज्य अमरीका।
12 जून 2014 से 17 जून 2014 तक, कैलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्ीान, पासाडेना, संयुक्त राज्य अमेरिका।
16-17 अक्तूबर 2014, शिवाजी कॉलेल, नई दिल्ली।
15-17 दिसम्बर 2014, अलीगढ़ 2015 मुस्लिम विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
27 दिसंबर 2014 से 1 जनवरी 2015 तक, टीआईएफआर, मुम्बई।
7-9 जनवरी 2015, मणिपाल विश्वविद्याल, मणिपाल।
2-6 मार्च 2015, आई आई एस ई आरपुणे, पुणे।

सुधांशु शेखवर
अगस्त 2014 में पैन एशिया के संख्या सिांत सम्मेलन मे भाग लेने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पोहांग (POSTE CH), दक्षिण कोरिया।
दिसंबर 2014 में गणित केन्द्र हीडलबर्ग, जर्मनी

महेन्द्र सिंह
सोबोलेव गणित संस्थान, नोवोसिबिर्स्क, रूस, 21-31 जुलाई, 2015

आंमत्रित वार्ता

चंन्द्रकांत अरिबम
अंतर्राष्ट्रीय गणित विज्ञान केन्द्र, बीजिंग

आनन्दम बनर्जी
'बीजीय कोबोर्डिज्म (cobordism) चक्रों पर तुल्यता संबंध', 1 सीएमआई पूर्व छात्र सम्मेलन चेन्नई गणित संस्थान, चेन्नई, 8 जनवरी 2015

कृष्णेन्दू गंगोपाध्याय
परिमित रूप से जनति समूहों की पॉलिन ड्रामिक चौड़ाई, नॉटस, बेड़ियों और टोपोलॉजी (स्थान विज्ञान) पर कार्यशाला नोवोसिबिर्स्क, रूस, 22-26 जुलाई, 2014
मिश्रित अति पर वलयिक फेंचल-नीलसन निर्देशांक, जून 2014 में, आई सी पीटी में संगोष्ठी।
मिश्रित अति पर बलवियक फेंचल-नीलसन निर्देशांक, गणित विज्ञान के उभरते क्षेत्रों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला, 30 जनवरी-1 फरवरी, 2015 निर्देशांक।

एक के खंडूजा
मई 27, 2014 को पंजाब यूनिवर्सिटी पटियाला द्वारा आयोतिजत गणित में पुन: चयापाठ्यक्रम में एक व्याख्या दिया
27 मई से 1 जून 2014 के दौरान, पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला की आरे से आयोजित शिक्षा के ज्ञान संवर्धन कार्यशाला में 3 व्याख्यान दिया
4 जून 2014 को, आई आई एस ई आर मोहाली में आयोजित तद्विघात रूपों पर उन्नत शिक्षण स्कूल में व्याख्यान दिया।
13 से 21 अगस्त 2014 तक, सियोल, कोरिया, में आयोजित आई सी एम 2015 में व्याख्यान दिया।
31 अक्तूबर, 2014 को ओहियोस्टेट यूनिवर्सिटी, कोलंबस, में OHU-OU रिंग सिद्धांत संगोष्ठी में व्याख्यान दिनया।
13 मार्च, 2015 को राजकुमार गोयल प्रौद्योगिकी

संस्थान, गाजियाबाद, मे इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी की के क्षेत्र में प्रारंभिक विज्ञान के अनुप्रयोकग पर विज्ञान अकादमी की व्याख्यान कार्यशाला में व्याख्यान दिया।

अमित कुलश्रेष्ठ

स्पेशल – 2 – समूहों और द्विघान मानचित्र, भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलुरू, 7 मार्च 2015

रेखीय बीज गण्ति से गूगल तक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, चण्डीगढ़, 15 जनवरी 2015 पाई और रामानुजन, न्यूपब्लिक स्कूल, चण्डीगढ़, 17 दिसंबर 2014

प्राइमसए पाइनापल और एमिसिंग स्क्वेयर, दिल्ली पब्लिक स्कूल, चण्डीगढ़ 14 नंवबर, 2014

चंचल कुमार

26 मार्च, 2015 को जी जी एम विज्ञान कॉलेज, जम्मू में आयोजित गणित पर 'कुछ दिलचस्प एकपदी आदर्श शीर्षक की राष्ट्रीय गोष्ठी में भाग लिया और आंमत्रित वार्ता प्रस्तुत की ।

यशोनिधि पांडे

मैंने मोंटपेलियर में गणित की विभाग के संगोष्ठी में एक व्याख्यान तथा हैदराबाद विश्वविद्यालय में आयोजित क्रमविनिमेय बीज गणित और बीजीय ज्यामिति सम्मेलन में एक और व्याख्यान दिया ।

कपिल हरि परांजपे

28 मई, 2014 को शिकागो विश्वविद्यालय के गणित विभाग के बीजीय ज्यामिति संगोष्ठी में बीजीय में 'मॉड्यूलर फार्म्स एंड के लाबी – याउवेराइटीज' पर वार्ता

16 – 17 अक्तबूर, 2014 कोशिवाजी कॉलेज

नई दिल्ली में विज्ञान अकादमियों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित समीकरण सिद्धांत पर दो – दिवसीय कार्यशाला में 'समीकरणों को हल करने की कलनविधि' पद दो वार्ताएं ।

17 दिसंबर 2014 को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय अलगढ़ में बीज गणित और रइस के अनुप्रयोग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'मैट्रिक्स के साथ समीकरणों को हल करना' पर वार्ता ।

टीआई एफ आर, मुंबई में 27 दिसंबर से 31 दिसंबर, 2014 तक साइकिलों पर आयोजित सम्मेलन में 29 दिसंबर, 2014 को 'बीजीएल और वर्नकलासे के लिए विशिष्ट मॉडल' पर वार्ता ।

9 जनवरी 2015 को मणिपाल प्राकृकि विज्ञान केन्द्र, मणिपाल विश्वविद्वालय, मणिपाल में बीजीय ज्यामिति पर सम्मेलन में 'मैट्रिक्स के साथ समीकरण को हल करना' पर वार्ता ।

3 मार्च, 2015 आई आई एस ई आर. पुणे, पुणे में "X x A" 1 पर वेक्टर बंडल' पर वार्ता ।

4 मार्च, 2015 आई आई एस ई आर. पुणे, पुण में 'ग्रोथेनडिएक के कार्य के कृछ पहलू' पर वार्ता ।

आई बीएस पासी

15 अप्रैल 2014: डीएवी कॉलेज, जालंधर में आयोजित वलय

(रिंग्स) और मॉड्यूल के सिद्धांत के परिचय पर शिक्षकों की ज्ञान संवर्धन कार्यशाला में छोटे क्रम के वलय।

8 मई 2014: पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला में आयोजित परिमित समूह सिद्धांत पर शिक्षकों की संवर्धन कार्यशाला में, परिमित समूहों ।

29 सितंबर 2014 : महिलाओं, के लिए एम सी एम डी एवी महिला कॉलेज, चण्डीगढ़ में दिया गया 'गणित में महिलाएं ।

21 फरवरी 2015 : सीडीएल विश्वविद्यालय, सिरसा में विज्ञान और गणित पर आयाजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मैक्स प्लस जीब गणित और विकि्त घटना प्रणाली ।

18 मार्च 2015: पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़ में शिक्षकों के लिए गणित विभाग में आयोजित पुनश्चर्यापाठ्यक्रम मेंक्सप्लस बीज गणित और विविकृट घटना प्रणाली ।

19 मार्च 2015 :

खालसा कॉलेज पटियाला में आयोजित एक सम्मेलन में मैक्स बीज गणित और विविक्त घटना प्रणाली ।

सुधांशु शेरवर

2014 पैनएशिया के संख्या सिद्धांत सम्मेलन, पोस्टेक, पोहांग, दक्षिण कोरिया में 'ईवासावासिद्धांत और अवशिष्ट गाल्वा प्रतिनिधित्व' पर वार्ता ।

महेन्द्र सिंह

सममित समूहसह – समजातत, सोबोलेव गणित संस्थान, नोवोसिबिर्स्क, रूस, जुलाई 2014

भागफल के स्थानों की संस्थिति, व्याख्याताओं के लिए एटीएम कार्यशाला, बीएचयू, वाराणसी, जुलाई 2014 ।

मैनिफोल्ड्यस पर परिमित समूह की क्रियाएं, नॉटस पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला ।

वेणियां (ब्रेड) और संस्थिति (टोपोलॉजी) आई आई एस ई आर. मोहाली, अक्तूबर 2014

पुरस्कार और सम्मान

बाई बी एस पस्सी:

नियुक्त : हरीश चन्द्र अनुसंधान संस्थान, इलाहाबाद में सहायक प्रोफेसर ।

निर्वाचित : परिषद सदस्य, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली ।

मेहन्द्र सिंह ।

एनबीएचएम सियोल आई सी एम अनुदान, 2014

भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान भौतिक विज्ञान विभाग में संकाय और अनुसंधान

संकाय सदस्य

प्रो. अरविन्द (प्राध्यापक, क्वाण्टम इन्फॉर्मेशन थ्योरी, क्वाण्ट ऑप्टिक्स)
प्रो. चरणजीत सिंह (औलख प्राध्यापक, सैद्धांतिक उच्च ऊर्जा भौतिकी)
प्रो. जसजीत सिंह बागला (प्राध्यापक, कॉसमोलॉजी, एस्ट्रोफ़िजिक्स)
डॉ. दीपांजन चक्रवर्ती (सहायक प्राध्यापक, सॉफ्ट कण्डेन्स्ड मैटर)
डॉ. अभिषेक चौधरी (सहायक प्राध्यापक, सॉफ्ट कण्डेन्स्ड मैटर फ़िजिक्स)
डॉ. कविता दोराए (सह-प्राध्याक, बायोमॉलिक्युलर एन.एम.आर., क्वाण्टम कम्प्यूटिंग)
डॉ. हरविंदर कौर जस्स्ल (सहायक प्राध्यापक, जनरल रिलेटिविटी एंड कॉसमोलॉजी)
डॉ. रमनदीप सिंह जोहल (सह-प्राध्यापक, स्टेटिस्टिकल फ़िजिक्स, थर्मोडाइनेमिक्स एंव क्वाण्टम थ्योरी)
डॉ. राजीव कापड़ी (सहायक प्राध्यापक, स्टैटिस्टिकल मैकेनिक्स)
डॉ. संजीव कुमार (सहायक प्राध्यापक, कण्डेंस्ट मेटर थ्योरी: कोरिलेटिड इलेक्ट्रॉन सिस्टम्स, डिसऑर्डर्ड सिस्टम्स)
प्रो. सी. जी. महाजन (प्राध्यापक, एटूमिक / मॉलिक्युलर स्पेक्ट्रोस्कोपी)
डॉ. गौतम शीत (सहायक प्राध्यापक, कडेन्स्ड मैटर फ़िजिक्स एंड स्कैनिंग प्रोब माइक्रोस्कोपी)
डॉ. कमल प्रिय सिंह (सहायक प्राध्यापक, अल्ट्राफास्ट क्वाण्टम डायनेमिक्स एवं स्टोकेस्टिक नॉन-लीनियर डायनेमिक्स)
डॉ. मनदीप सिंह (सहायक प्राध्यापक, क्वाण्टम ऑप्टिक्स एंड बोस-आइंस्टाइन कंडन्सेशन)
डॉ. योगेश सिंह (सहायक प्राध्यापक, एक्सपेरिमेंटल कडेस्ड मेटर फ़िजिक्स)
प्रो. सुदेशणा सिन्हा (प्राध्याक, नॉन-लीनियर डायनेमिक्स, केओस, कॉप्प्लेक्स सिस्टम्स, नेटवर्क्स, कम्प्यूटेशन)
डॉ. अनंत वेंकटेशन (सहायक प्राध्यापक, मेज़ोस्कोपिक इलैक्ट्रॉनिक एवं इलैक्ट्रोकेमिकल सिस्टम्स)
डॉ. के.पी. योगेन्द्रन (सहायक प्राध्यापक, क्वांटम आस्पेक्ट्स ऑफ ग्रेविटी)

अवैतनिक संकाय सदस्य

प्रो. अनिल कुमार (भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरू)

सहायक संकाय सदस्य

प्रो. प्रवीन चड्ढा (निदेशक, यूजीसी-डीएई कॉन्सॉर्टियम, इंदौर)
प्रो. एम. एम. गुप्ता (पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ)

भौतिकीय विज्ञान विभाग : संकाय एवं शोध

संस्थान के भौतिकीय विज्ञान विभाग में प्रायोगिक तथा सैद्धान्तिक भौतिकी के विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ शोध कार्य में संलग्न हैं। विभाग में खगोलिकी, कॉस्मोलॉजी, क्वाण्टम ऑप्टिक्स, कण्डेन्स्ड मैटर फ़िजिक्स (प्रायोगिक व सैद्धान्तिक) बायोमोलिक्युलर एन एम आर, थर्मोडायनेमिक्स, स्टेटिस्टिकल फ़िजिक्स, नॉन-लीनियर डायनेमिक्स, बोस आइंस्टाइन कंडन्सेशन, मेज़ोस्कोपिक सिस्टम्स, स्ट्रिंग थ्योरी इत्यादि का प्रतिनिधत्व है। अधिक तकनीकी जानकारी इस वार्षिक प्रतिवेदन के अंग्रेजी संस्करण में उपलब्ध है।

प्रकाशन

एन एम आर क्वांटम सूचना प्रोसेसर पर द्विपक्षी लघूकृत अवस्था ओसेजेनेरिकत्रि-क्यूबिट अवस्थाओं का प्रयोकिग निर्माण और उनका पुनः निर्माण, श्रुति डोगरा, कविता दोरई और अरविंद, प्रत्यक्ष समीक्षा, ए खंड 91, 022, 312 (2014)

एन एम आर क्वांण्टम सूचना प्रोसेसर पर सुपर-जेनो स्कीम के माध्यम से उपसमषटि में अवस्थाओं की विकास के विरूद्ध प्रायोगिक संरक्षण, हरप्रीत सिंह, अरविंद, कविता दोरई, प्रत्यक्ष समीक्षा ए खंड 90, 052, 329 (2014)

पूर्णत: बाधित उपसमष्टियों में रेंजों के साथ धनात्मक संकारक की बाधक विशेषताएं, सेनगुप्ता अरविंद और अजीत इकबाल सिंह, प्रत्यक्ष समीक्षा ए खंड 90, 062, 323 (2014)

प्रायोगिक एन एम आर क्यूट्रिटका प्रयोग करते हुए क्रमचय की समता का निर्धारण, श्रुति डोगरा, अरविंद और कविता दोरई, भाँति की पत्र ए 378, 3452 (2014)

कमजोर और प्रक्षेपी माप द्वारा क्वांटम अवस्थाओं का आकलन, देव माल्यादास और अरविंद, प्रत्यक्ष समीक्षा ए खंड 89, 062, 121 (2014)

बैज्क-मेल्फो वैकुआ समर्थित यूक्वानपर-अल्पमतसर्व एकीकृत सिद्धांत, चरणजीत एस औलख, arXiv : 1402.3979 [hep-ph] भाँति की समीक्षा डी 91 055, 012 (2015)

लैंगम्यूरगति की के साथ दुर्बलतासे परस्पर क्रियाशील आण्विक प्रेरकों का सामूहि परिवहन, समीप चदेल, अभिषेक चौधरी और सुदीप्तो मुहुरी, यूरोफीजिक्स पत्र 110, 18, 002 (2015)

'19 एफ एन एम आर का प्रयोग करते हुए जीवाणिक पुष्टि और गति की जांच' कविता दोरई, अता-उर-रहमान और एम इकबाल चौधर (संस्करण) 'एन एम और स्पेक्ट्रोस्कोपी के अनुप्रयोग, खंड 3 मृ.पृ. 3-29 बेंथम साइंस (2015)। [पुस्तक अध्याय आमंत्रित]।

एन एम आर आधारित मेटाबोलिक (उपापचयी) दृष्टिकोण का प्रयोग करते हुए दक्षिण भारतीय एशियाई जनसंख्या में स्थूल और डायाबेटिक विषयों की परिवर्तित मेटाबोलिक प्रोफाइलों में पारस्परिक संबंधों का अन्वेषण, नवदीप गोंगा, के. मुराहरी, अनूप एम. ओ. और कविता दोरई.

आण्विक जैव प्रणाली, 11, 595-606 (2015)
प्रति क्रम्यऊष्मा इंजन: अनुमान से प्राक्कलित क्षमता पर बद्धतांए,
रमनदीप एस. जोहल, रेणुका राय और गुएंटर महलर, आधार भौतिकी। 45, 158-170 (2015)

अनुमान से तापदक्षता पर बद्धतांए, रमनदीप एस जोहल, रेणुका राय, और गुएंटर महलर, ए आई पी सम्मेलन की कार्यवाहियां 1641, 432 (2015) : 10.1063/

1.49.6007

क्वांटम ऊष्मा इंजनों की अधूरी जानकारी और अपेक्षित निष्पादन अभिलक्षण, जॉर्ज थॉमस, प्रीति अनेजा और रमनदीप एस. जोहल, अनुसंधान और समीक्षा: सांख्यि की जर्नल 1, 19-27 (2014)

आवधिक बल द्वारा डी एन ए की अनजिपिंग

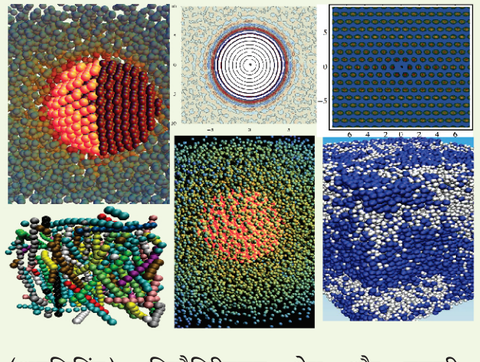

(अनजिपिंग): हिस्टैरिसीसलूप क्षेत्र और उसकी स्केलिंग, राजीप काप्री, भौतिक समीक्षाई 99, 062, 79 (2014)

द्विविमीय आकर्षक हबर्ड मॉडल में गति हविकार द्वारा S-तरंग की अतिचालकता का दमन, संजीव कुमार और प चक्रवर्ती, यूरो. भौतिकी। जेबी 88, 69 (2015)

प्रति हतभ्रमणशी भ्रमणशील त्रिकोणीय चुंबकों में युग्मितस्पिन-चार्जक्रम, एस रेजा, आर. रे, जे. वैन डेन ब्रिंक और संजीव कुमार, भौतिक समीक्षा बी 91, 140, 403 (आर) (2015)

ताप-विद्युत अर्धचालक में मजबूत स्थानीय लोह-विद्युतक्रम स्थान का प्रत्यक्ष प्रमाण। लीना अग्रवाल जगमीत एस. सेखों, सत्या एन.गुइन, आशिमा अरोड़ा, देवेंछ एस. नेगी, रंजन दत्ता, कनिष्क बिस्वास और गौतक शीट, अनुप्रयुक्त-भौतिकी। लेट. 105, 113, 903 (2014)

उच्च तापमान पर SrTIO3 क्रिस्टल की सतह से लोह-विद्युत की तरह प्रति क्रिया। शुभ्राज्योत्सना 1. आशिमा अरोड़ा 1, जगमीत एस सेखों 1 और गौतम शीट, जे. अनुप्रयुक्त-भौतिकी। 116, 114, 903 (2014)

पालीविनाइलीडीन फ्लोराइड लोह-विद्युत और पीजो-सेंस्टिव (दाब-सुग्राही) अति- तनुलैंगम्यूर -शेफर फिल्म मेंस्व-उन्मुख क्रिस्टलीय चरण। माजी एस., सरकार पी. के., अग्रवाल एल. घोष एस. के., मंडल, गौतम शीट, आचार्य एस. भौतिक, रसायन, रसायन भौतिकी। 2015 मार्च 11

वायु-जल और वायु - ठोस अंतरापृष्ठों में नव्य ऐजोबेंजीन-आधारित मेसोजेन्स का विश्लेषण और अभिलक्षन और उनकी व्यवस्था। मोनिका गुप्ता, निष्ठा अग्रवाल, आशिमा अरोड़ा, संदीप कुमार, भरत कुमार, गौतम शीट और शांतनु कुमार पाल, आर एस सी एडी वी., 2014, 4, 41, 371-41, 377

कमल पी. सिंह और जन एम. रोस्ट परमाणुओं के ऐओसेकेंड प्रकाश-आयनीकरण का वैश्विक नियंत्रण और सतत XUV प्रसरण।

पी कुमार, डी शैमून, डी पी सिंह, एस मंडल एव केमल पी. सिहं, दीर्घ परिसर सह-संबंधों की ऑटिकल प्रोबिंग और पारदर्शी कीट पंखों में समरूपता लेजर भौतिकी पत्र 12, 025, 901 (2015)

बी कुमार और कमल पी. सिंह, प्रतिवर्ती आणविक विकृति द्वारा सरलीकृलूता संकर्ष रेखाओं की भ्रांतिमुक्त अनुक्रिया। अनुप्रयुक्त भौतिकी। लेट. 105, 213, 704 (2014)

जी. वर्मा और कमल पी सिंह, समय हल हस्तक्षेप, काल-वियोजित व्यवधान वाष्पशील सेसिल ड्रापलेट में नैनो स्केल पृष्ठगतिकी को दर्शाता है। अनुप्रयुक्त

भौतिकी । लेट 104, 244, 106 (2014)

बी. कुमार और कमल पी. सिंह लूता शिल्क के ऐंडलीय रूप में सूपर ऐस्टिक और श्रांति मुक्त व्यवहार का प्रकाशिक परीक्षण, फोटोनिक्स में सम्मेलन की कार्यवाही के रूप में, आई आई टी खड़गपुर (2014)

जी. वर्मा और कमल पी सिंह, वाष्पशील सेसिल ड्रापलेट के नैनो मेट्रिक पृष्ठगति की का प्रकाशिक रूप से पतला लगाना । वाष्पशील सेसिल ड्रापलेन नैनो मेट्रिक पृष्ठगति की का प्रकाशिक रूप में पता लगाना । फोटोनिक्स में सम्मेलन की कार्यवाही के रूप में, आई आई टी खड़गपुर (2014)

पी. कुमार. डी. शैमून और कमल पी. सिंह, फोटोनिक प्रणालियों की स्पेटिओटेम्पोरल ऑप्टिकलटिल प्रकार्यात्मतका का परीक्षण । आई ई ई मं सम्मेलन की कार्यवाही के रूप में, फोटोनिक्स में हाल की प्रगति (2014)।

फ्लक्स-क्यूबिट पर आधारित मैक्रोस्कोपिक क्वांटम दोलक, मनदीप सिंह, अंतर राष्ट्रीय जर्नल को प्रस्तुत arXiv : 1407.0252 (क्वांट-पीएच)

हनीकांब लैटिस ईरीडेट Na2IrO3: में प्रमुख बंध-दिशात्मक पारस्परिक क्रियाओं के लिए प्रत्यक्ष प्रमाण । एस. एच. चुन, जे-डब्ल्यू किम, जे. किम, एच. झेंग, सी.स्टौम्पोस, सी. मल्लिआकास, जे एफ मिशेल, कविता मेहलावत, योगेश सिंह, वाई.चोई, टी.गोग, ए. अल.झेंन, एममोरेट्टीसाला, एमक्रिच, जेचेलौप्का, जीजैकली, जीखलियुल्लीन, और बी जेकिम, प्रकृति भौतिकी (2014) में छपने के लिए ।

ए. चौधरी, वी.कोहर और सुदेश्ना सिन्हा 'यादृच्छिक पारस्परिक क्रियाओं को गतिक रूप से चालू करके स्थानिक विस्तारित प्रणालियों में प्रलय को रोकना । 'प्रमानाए 8, 217-228 (2015)

एन. के. कमल और सुदेश्ना सिन्हा 'गतिकाय दृच्छि लिंग, दृढ़ता से युग्मित न्यूरोनल प्रणालियों में वर्धित विविधता-प्रेरित संसकृतता' प्रमाण 84, 249-256 (2015)

बी किआ, एस किआ, जे एफ लिंडनेर, सुदेश्ना सिन्हा, डब्ल्यू. एल. डिट्टो, 'युग्मन शोर कम कर देता है - स्वेतयोजक शोर को कम करने के लिए गतिकीय युग्मन को लागू करना, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बाइफरकेशन एंड चाओस, 25, 1,550, 040 (2015)

एन. के. कमल और सुदेश्ना सिन्हा 'न्यूरोनल उप-जनसंख्या से पारस्परिक संवाद में उभरते पैटर्न' अरैखिक विज्ञान और संख्यात्मक अनुकृति (सिमुलेशन) में संचार 22, 314-320 (2015)
बी. किआ, एस. किआ, जे. लिंडनेर, सुदेश्ना सिन्हा और डब्ल्यू. एल. डिट्टो इसी प्रकार से 'शोर सहयस्थानिक का लगत अव्यवस्था अभिकलन (कम्प्यूटिंग)' अव्यवस्था 24 043110 (2014)

वी. कोहर, पेंग जी, ए. चौधरी, सुदेश्ना सिन्हा, जे. कुर्थ्स 'कालपरिवर्ती नेटवर्क में तुल्यकालन' प्रत्यक्षसमीक्षई 90022, 814 (2014)

चौधरी, वी. कोहर और सुदशना सिन्हा: 'गतिशील या दृच्छिक लिंग के माध्यम से विस्फोटक वृद्धि को साधिक करना ।' वैज्ञानिक रिपोर्टे 4 (प्रकृति), लेख सं. 4308, 7 मार्च 2014

ए. चौधरी, वी. कोहर और सुदशना सिन्हा 'जटिल नेटवर्क में शोर वर्धित क्रिया-कलाप' । यूरो. भौतिकी । जेबी 87, 202 (2014)।

अरैखिक गतिकी में परिप्रेक्ष्यों पर सम्मेलन की कार्यवाही पर प्रमाना पर विशेषांक, सुदेश्ना सिन्हा, सोमदत्ता सिन्हा, नीलिमा गुप्ते और राम रामास्वामी द्वारा संपादित ।

विद्यया गणेशन, प्रवबाती चिंगांगबाम, के. पी. योगेन्द्रन और चेंगबोम पार्क-सी एम बी ध्रुवीकरण पार्क में पिरामिडीय गैर गाऊसी (नान-गैस्सिअन) हस्ताक्षर जेसीएपी में पार्क मौलिक हस्ताक्षरों 1502 02, 023 (2014)

शैक्षणिक दौरा

अरविंद
5-8 फरवरी 2015 तक भौतिकी विभाग, आई आई टी कानपुर, का दौरा किया ।

चरणजीत एस. औलख
5 जून से 15 जुलाई 2014 तक कासर्न थ्योरी समूह का दौरा किया ।

जसजीत एस. बागला
29 मई से 2 जून 2014 तक एच बी सी एस ई-टी आई एफ आर मुंबई का दौरा किय ।

2 जून से 30 जून 2014 तक आई यू सी ए ए, पुणे का दौरा किया ।

जुलाई 1-18, 2014 तक एन सी आर ए-टी आई एफ आर, पुणे का दौरा किया ।

दिसम्बर 16-29, 2014 तक आर ए सी-टी आई एफ आर, ऊटी का दौरा किया ।

अभिषेक चौधरी
01 जून से 31 जुलाई 2014 तक अतिथिवेज्ञानिक के रूप में जटिल प्रणाली भौतिकी के लिए मैक्सप्लैंक संस्थान, ड्रसडेन, जर्मनी का दौरा किया ।

हरविंदर के. जस्सल
खगोल विज्ञान ओलंपियाड शिविर में व्याख्यान देने के लिए एच बी सी एस ई मुंबई का दौरा किया ।

जून 2024 में आई यू सी ए, पुणे, का दौरा किया ।

जुलाई 01-14, 2014 तक एन सी आर ए, पुणे का दौरा किया ।

खगोल विज्ञान ओलंपियाड 2014 में एक दल के सदस्य के रूप में सुसेआवा, रोमानिया का दौरा किया ।

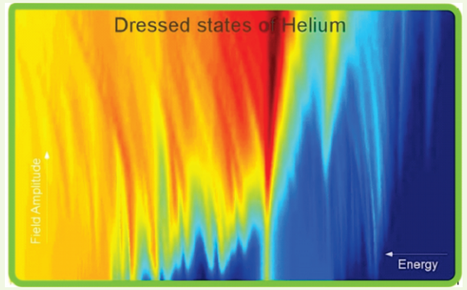

संजीव कुमार
01 जून से 31 जुलाई 2014 के दौरा आई एफ डब्ल्यू ड्रेसडेन (जर्मनी) का दौरा किया ।

गौतम शीट
मई, 2014 में आई ए सी एस, कोलकाता, का दौरा किया।

कमल पी. सिंह
अप्रैल 01-15, 2015 तक, हैम्बर्ग, जर्मनी में, हैम्बर्ग मुक्त इलेक्ट्रॉन लेजर का दौरा किया । जून 2014 अतिथि वैज्ञानिक के रूप में जटिलप्रणाली भौतिकी के मैक्सप्लैंक संस्थान, ड्रेसडेन, जर्मनी का दौरा किया ।

योगेश सिंह
22 जून से 6 जुलाई 2014 तक की अवधि के दौरान भौतिकी संस्थान, ऑग्सबर्ग विश्विद्यालय, जर्मनी का दौरा किया ।

के. पी. योगेन्द्रन
दिसंबर, 2014 में भारती यखगोल भौतिकी संस्थान का दौरा किया ।

मार्च 2015 में उच्चऊर्जा भौतिकी केन्द्र, भारतीय विज्ञान संस्थान का दौरा किया ।

आमंत्रित वार्ता

अरविंद
27 – 28 फरवरी 2015, को रायपुर एस सी ई आर टी छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित विज्ञान शिक्षा पर सम्मेलन में आमंत्रित वार्ता ।

6 फरवरी 2015 को भौतिकी विभाग, आई आई टी कानपुर में वार्तालाप को आमंत्रित ।
28 जनवरी 2015 को पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़ में प्रथम आउटरीच व्याख्यान श्रृखंला में आमंत्रित व्याख्यान ।

24 – 25 नवम्बर 2014 को भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान (आई आई ए एस) शिमला में 'अनुशासन, आंदोलनों, नीतियां : विज्ञान, राज्य और समाज के बीच बदलते संबंध' पर संगोष्ठी में आमंत्रित व्याख्यान ।

11 अक्तूबर 2014 को XXIX आई ए पी टी समागम, चण्डीगढ़ में आमंत्रित वार्ता ।

जून 18, 2014 को पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़ के ग्रीष्मकालीन विज्ञान शिक्षा विद्यालय में आमंत्रित व्याख्यान (2) ।

10 जून, 2014 को चण्डीगढ़ विश्वविद्यालय में डी एस टी – इंस्पायर कैंप में आमंत्रित वार्ता ।
26 नवंबर, 2014 को गोबिंदगढ़ कॉलेज में डी एस टी – इंस्पायर कैंप में आमंत्रित वार्ता ।

7 – 8 नवंबर 2014 को राजस्थान के सी डी पी ई विश्वविद्यालय में डी एस टी – इंस्पायर कैंप में आमंत्रित वार्ता ।

5 दिसंबर, 2014 को औम इंस्टीट्यूट हिसार में डी एस

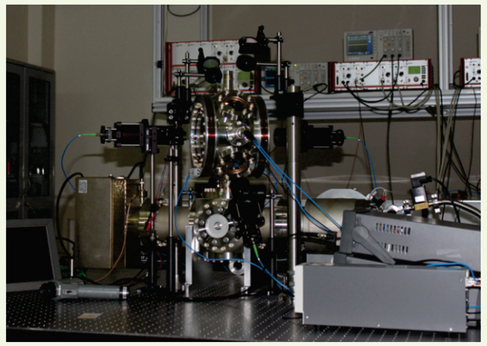

टी – इंस्पायर कैंप में आमंत्रित वार्ता ।

8 – 9 दिसंबर 2014 को आई टी एम विश्वविद्यालय, ग्वालियर में डी एस टी – इंस्पायर कैंप में आमंत्रित वार्ता।

12 दिसंबर, 2014 को एशियन इंस्टिट्यूट ऑफ पटियाला में डी एस टी – इंस्पायर कैंप में आमंत्रित वार्ता।

24 दिसंबर, 2014 को श्रीनगर गढ़वाल विश्वविद्यालय में डी एस टी – इंस्पायर कैंप में आमंत्रित वार्ता ।

9 जनवरी, 2015 को के एम वी जालंधर में डी एस टी – इंस्पायर कैंप में आमंत्रित वार्ता ।

चरणजीत एस औलख
01 – 05 नवम्बर, 2014 को बनारस हिन्दू – विश्वविद्यालय, वाराणसी, में अंरत राष्ट्रीय सम्मेलन 'फील्ड सिद्धांतों में नई प्रवृतियां' पर आमंत्रित वार्ता 'युकावोनिफाइंगद एम एम एस जी यू टी' ।

आमंत्रित गात 'न्यूनतम नैन्ले तो (10) आंत: एज पर जीवन रक्षा', 2014, 08 – 13 दिसम्बर 2014 को फील्ड गरूत्वाकर्षण के क्षेत्रीय सैद्धांतिक पहलुओं पर, 2104, आई आई एस ई आर, मोहाली, की एक्स – बैइक में आमंत्रित वार्ता' मिनिमल एस यू एय वाई ए ओ (10): सर्वाइवल ऑनएज'

जसजीत एस. बागला
07 – 18 जुलाई, 2014 को एन सी आर ए – टी आई एफ आर में आकाश गंगा की रचना पर कार्यशाला के दौरान एन – बाडी सिमुलेशन और आकाश गंगा रचना प आमंत्रित व्याख्यान (3)

12 नवंबर, 2014 को प्रदर्शनी मैदान, सैक्टर 10, चण्डीगढ़, में 'बच्चों के लिए 41वीं जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय विज्ञान, गणित और पर्यावरण' में आमंत्रित व्याख्यान ।

2 फरवरी, 2015 को पंजाब विश्वविद्यालय में आयोजित 'पंजाब के प्रतिभाशाली स्कूली बच्चों के लिए प्रोत्साहन कार्यक्रम' में आमंत्रित व्याख्यान ।
अभिषेक चौधरी
7 नवम्बर, 2014 को आई आई टी कानपुर, में आमंत्रित विद्वतगोष्ठी ।

13 – 15 फरवरी, 2015 को आई आई एस सी, बेंगलुरू में द्वितीय भारतीय सांख्यिकीय भौतिकी समुदायिक चर्चा में आमंत्रित वार्ता ।

18 मार्च, 2015 को चालित मृदुपदार्थ और जैविक प्रणालियों पर भौतिकी विभाग, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, में एक दिवसीय कार्यशाला में आमंत्रित वार्ता ।

24 – 26 अप्रैल, 2015 को आर आर आई बेंगलुरू में सेल मैकेनिक्स की बैठक में आमंत्रित वार्ता ।

दीपंजल चक्रवर्ती
19 – 21 फरवरी 2015, को एन आई एस ई आर, भुवनेश्वर में संघनित पदार्थ भौतिकी में मौजूदा प्रवृतियों में आमंत्रित वार्ता ।

कविता दोरई
6 – 9 मार्च, 2015 को जी एन डी विश्वविद्यालय अमृतसर में एन एम आर एस 2015 में 21वें राष्ट्रीय चुंबकीय अनुवाद सोसायटी सम्मेलन में आमंत्रित व्याख्यान ।

15 जनवरी 2015 को एस सी ई आर टी चण्डीगढ़ में राज्य स्तरीय विज्ञान, गणित और पर्यावरण प्रदर्शनी में





Figure (a) The gas distribution system for the Plasma etch system (b) The actual plasma etch system in the class 10,000 cleanroom.

आमंत्रित व्याख्यान ।

24 दिसंबर 2014 को एच एन बी गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर, गढवाल, में डी एस टी-प्रेरित विज्ञान शिविर, में आमंत्रित व्याख्यान ।

20 दिसंबर, 2014 को केन्द्रीय विश्वविद्यालय हैदराबार में प्लांटमेटाबोलिक्स (उपापचयी) पर एसई आरबी-डी एस टी बैठक में 'एन एम आर प्लांट मेटाबोलिक्स (उपापचयी) पर संकल्पना नोट' की प्रस्तुति के लिए आमंत्रित प्रस्तुति ।
08-09 दिसम्बर 2014 को आई टी एम विश्शविद्यालय ग्वालियर में डी एस टी-प्रेरित शिविर में आमंत्रित 02 व्याख्यान सेट ।

5 दिसंमबर 2014 को ओम इंस्टीट्यूट ऑफ मेंनेजमेंट एंड टेक्नोलोजी प्रौद्योगिकी हिसार में डी एस टी- प्रेरित शिविर आमंत्रित व्याख्यान ।

14 जुलाई, 2014 को आई ओ एस ई आर मोहाली में 'प्रायोगिक भौतिकी पर विज्ञान अकादमियों के 62वें पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में आमंत्रित व्याख्यान ।

9 जुलाई, 2014 को चण्डीगढ़ विश्वविद्यालय, घरौन पंजाब में 'रासायनिक इंस्ट्रूमेंटेशन और विश्लेषण पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम मं आमंत्रित व्याख्यान ।

हरविंदर के. जस्सल
खगोल विज्ञान ओलंपियाड स्कूल में एट बी एस सी ई मुंबई में आमंत्रित व्याख्यान (2) ।
9 जून, 2014 को एन सी आर ए, पुणे में 'अदीप्त ऊर्जा के क्षेत्र में लहरें' नामक विद्वत सम्मेलन ।

संजीव कुमार
जून, 2014 को आई एफ डब्ल्यू, ड्रेसडेन (जर्मनी) में 'S-तरंग अतिचालकता पर विकण और अविकण 'विकार के प्रभाव' पर एक आमंत्रित वार्ता ।

जून, 2014 को एम पी आई पी के इस ड्रेसडेन, ड्रेसडेन (जर्मनी) में 'S-तरंग अतिचालकता पर विकण और अविकर्ण विकार के प्रभाव' पर एक आमंत्रित वार्ता ।

फरवरी 2015 को जे एन यू दिल्ली) भारत में 'प्रतिहत चुंबकत्व में प्रवृयिां' प आई सी टी पी कार्यशाला में 'प्रतिहत भ्रमणशील चुंबक में इतरस्पिन-चार्ज व्यवस्था' पर आमंत्रित वार्ता ।

योगेश सिंह
24 जून, 2014 को 24वें पर भौतिकी संस्थान, ऑग्सबर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी में 'ईरीडेट्स में नव्यकलाएं, A2Ir3O8 और Na4 Ir3O8 का केस अध्ययन' शीर्षक पर आमंत्रित वार्ता ।

8 जुलाई, 2014 को ग्रेनोबल, फ्रांस में 'दृढ़ता से सहसंबद्ध इलेक्ट्रॉन प्रणालियों (एस सी ई एस) 2014 के अंतर राष्ट्रीय सम्मेलन में, 'चुंबकीय क्वांटम क्रांतिक बिंदु 8 के निकट स्पिनद्रव Na4 Ir3O8 शीर्षक प्रदान किया ।
13 फरवरी, 2015 को जे एन यू, दिल्ली में प्रतिहत चुंबकत्व में मौजूदा प्रवृतियां पर आई सी टी पी कार्याशाला में Na4 Ir3O8 में संभावति सुदृढ़ की टेव पारस्परिक क्रिया के रमन स्कैटरिंग सिग्नेचर शीर्षक पर आमंत्रित वार्ता ।

सुदेश्ना सिन्हा
दिसंबर 2014 में, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान, में डी एस टी-एस ई आर सी स्कूल में अरैखिक गतिशीलता पर आमंत्रित वार्ता ।

फरवरी 2015 में अहमदाबाद में जटिल प्रणालियों पर हैंड्स-आन स्कूल पर आमंत्रित वार्ता ।

अनंत वेंकटेशन
उस ब्ल्यूलेड्स पर, जिसके परिणाम स्वरूप भौतिकी में 2014 के नोबेल पुरस्कार प्राप्त हुआ,
भा. वि. शि. अ. सं. मोहाली में विद्वत गोष्ठी में वार्तालाप ।
2015 मार्च में आमंत्रित व्याख्यान श्रृंखला के अंग के रूप में आई एन एस टी में वार्ता ।

के पी योगेन्द्रन
मार्च 2015 में उच्चऊर्जा केन्द्र भौतिकी, भारतीय विज्ञान संस्थान, में '2 डी लोरंजियन ब्लैक होल स्पेक्ट्रमों' विषय पर आमंत्रित वार्ता ।

संकाय और उनके समूह के सदस्यों के द्वारा पोस्टर

अरविंद
22-24 अक्तूबर, 2014 के आई आई एस सी बेंगलुरू में देब माल्यादास और अरविंद की 'कमजोर मापन द्वारा क्वांटम अवस्था का आकलन' क्वांटम माप पर चर्चा बैइक 'कमजोर माप का प्रयोग करते हुए गाऊसी अवस्थाओं की टोमोग्राफी' देव माल्यादास और अरविंद, 2015 यंग क्वांटम 2015 एच आर आई इलाहाबाद फरवरी 24, 2015

अभिषेक चौधरी
18-20 दिसम्बर 2014 को पांडिचेरी में मृदु पदार्थ युवा अन्वेषक की दूसरी बैठक में पोस्टर प्रस्तुत किया।

कविता दोरई
क्यूट्रिट पर क्वांटम आपरेशन का एन एम आर प्रायोगिक कार्यान्वयन और मेजोराना प्रस्तुति, श्रुति डोगरा, कविता दोरई और अरविंद, यूरोमार 2014, ई टी एच ज्यूरिख स्विट्जरलैंड, 29 जून से 03 जुलाई, 2014।

प्रयोगात्मक एन एम आर क्यूट्रिट का प्रयोग करते हुए मचय की समता का निर्धारण, श्रुति डोगरा, अरविंद और कविता दोरई, एन एम आर एस 2015 जी एन डी विश्वविद्यालय अमृतसर, 6-9 मार्च, 2015

दक्षिण भारतीय एशियाई जनसंख्या में मोटापे से ग्रस्थ है और मधुमेह के विषयों की परिवर्तित चयापचय (मेटाबोलिक) प्रोफाईल में सह-संबंधों की जांच करने के लिए एन एम आर आधारित मेटाबोलिक 'उपापचयी) दृष्टिकोण, नवदीप गोंगा, मुराहरी कृष्ण, अनू पएम.ओ. और कवित दोरई, एन एम आर ऐ 2015 जी एनडी विश्वविद्यालय अमृतसर, 6-09 मार्च, 2015।

19F एन एम आर विसरण का प्रयोग करते हुए फ्लोरिनेटेड ड्राग अणुओं में लिंपोसोमल पारस्परिक क्रियाओं की जांच, सतनाम सिंह, नवदीप गोंगारू मत्स्येंन्द्रनाथ शुक्ला और कविता दोरई, एम एम आर एस 2015 जी एन डी विश्वविद्यालय अमृतसर, 6-09 मार्च 2015 ।

एम एम आर क्वांटम सूचना प्रोसेसर पर मान्यघनत्व मैट्रिक्स का निर्माण करने के लिए अधिकतम संभावना आकलन, हरप्रीत सिंह, अरविंद और कविता दोरई, एन एम आर एस 2015 जी एन डी विश्वविद्यालय अमृतसर, 6-09 मार्च, 2015

एन एम आर क्वांटम सूचना प्रोसेसर पर एक सुपर जेनोस्कीम के रास्ते उप-समष्टि में अवस्थाओं विकास के विरूद्ध प्रायोगिक संरक्षण, हरप्रीत सिंह, अरविंद और कविता दोरई, यंगक्वांटम 2015, हरीश चन्द्र अनुसंधान संस्थान इलाहाबाद, 24-26 फरवरी 2015 ।

एन एम आर क्वांटम कंप्यूटर पर धनात्मकमान चित्र का प्रयोग करते हुए गैर-क्लासिकी सह-संबंधों का

प्रायोगिक रूप से पता लताना, अमनदीप सिंह, अरविंद और कविता दोरई, एन एम आर एस 2015 जी एन डी विश्वविद्यालय अमृतसर, 6 – 09 मार्च, 2015 ।

रमनदीप एस. जोहल
21 – 26 सितंबर, 2014 में एम्बाइस, फ्रांस, में विज्ञान और इंजीनियरिंग में बायेसियन अनुमान और अधिकतम एन्ट्रॉपीविधियों पर 34वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (MaxEnt 2014) में भग लिया । 7 से 11 जुलाई, 2014 को रोड्स, ग्रीस में सांख्याकीय भौतिकी पर अंतरर्राष्ट्रीय सम्मेलन (सिग्माफाई सम्मेलन) में मौखिक प्रस्तुति (प्रीति अनेजा) ।

1 – 5 दिसंबर, 2014 को एस. एन. बोस राष्ट्रीय प्रारंभिक विज्ञान केन्द्र, कोलकाता, स्टेटफी. (STATPHY) कोलकाता VII में पोस्टर प्रस्तुति (प्रीति अनेजा द्वारा)

राजीव काप्री
18 – 20 दिसंबर, 2014 के दौरा मृदु पदार्थ युवा अन्वेषक बैठक में 'डीएनए अनजिपिंग में गतिशील संमण: हिसटीरि सिसलू पक्षेत्रकी स्केलिंग' शीर्षक पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया ।

गौतम शीट
2014 में आई सी ओ एन एस ए टी में प्रस्तुत सिलिकॉन में वोल्टता प्रेरित लास्विचन ।
2014 में आई सी ओ एन एस ए टी में प्रस्तुत तज्पव्3 में उच्चताप लो – विद्युत ।
जुलाई, 2014 में एस सी ई एस, ग्रेनोबल, में प्रस्तुत निश्चित ताप – विद्युत अर्धचालकों में लोह – विद्युत के व्यवस्थापन के साक्ष्य ।

योगेश सिंह
9 से 13 फरवरी, 2015 के बीच आयोजित प्रतिहत चुंबकत्व में वर्तमान प्रवृतियों पर आई सी टी पी कार्यशाला में प्रस्तुत Na 4-xlr3O8 में अतिसुदृढ़ स्पिनद्रव अवस्था, अश्विनी बालदोई और योगेश सिंह ।

9 से 13 फरवरी, 2015 के बीच आयोजित प्रतिहत चुंबकत्व में वर्तमान प्रवृतियों पर आई सी टी पी कार्यशाला में प्रस्तुत Ru डोपयुक्त 2lr1-xRuxO3 में चुबकत्व का विकास । कविता महलावत और योगेश्स सिंह ।

सुदेश्ना सिन्हा
मार्च 2015 में सी एन एस डी 15 में, अंशुल चौधरी और सुदेश्ना सिन्हा को सर्वोत्म पोस्टर का पुरस्कार प्रदान किया गया ।

अनंत वेंकटेशन
तंजावुर में डी एस टी द्वारा आयोजित नैनो इंडिया 2015 में भाग लिया और पोस्टर प्रस्तुत किया ।

पुरस्कार, सम्मान और अनुदान

दीपंजन चवर्ती ने 'स्वायत्तमाइक्रोस्वीमर्स के स्वनोदकतंत्र' पर डी एस टी अनुदान प्राप्त किया है ।

हरविंदर के. जस्सल के पास एस ई आर बी डी एस टी द्वारा वित्तपोषित : 'ब्रहमाण्डीय पैरा मीटर : प्रेक्षणात्मक पहलू और सैद्धातिकमुद्दे 'शीर्षक से एक फास्ट ट्रैक परियोजना है ।

सुदेश्ना सिन्हा को भारतीय राष्ट्ररीय विज्ञान अकादमी (आई एन एस ए) का फेलो चुना गया है ।' SysTB: टी बी संमण में मेजबार रोगज़नक पारस्परिक क्रियाओं का अंत: कोशिकीय गतिकीय समाधान करने के लिए एक नेटवर्क कार्यक्रम' नामक कार्यक्रम के लिए वर्ष 2012 – 2017 के दौरान 41.28 लाख रूपए की राशि के डी बी टी अनुदान हकदार हैं । वह (i) चाओस

(एआईपी) की संपादक (ii) एन बीएसएमबोर्ड की सदस्य (iii) उच्च ऊर्जा, प्लाज्मा, अ – रेखीय गति की के लिए डी एस टी – कार्यक्रम सलाहकार समिति (पीएसी) की, और (iv) अ – रेखीय गति की पर एस ई आर सी स्कूल की योजना समिति की सदस्य है ।

स्थापित सुविधाएं

दीपंजन चक्रवर्ती ने लगभग 70 टेराफ्लोप्स के उच्चतम निष्पादन (एकल परिशुद्धता) और 20 K 20 कार्ड के साथ उच्च निष्पादन वाला जी पी यू क्लस्टर का स्थापित किया है ।

गौतम शीट ने केन्द्रीय सुविधा के रूप में एक द्रव हीलियम संयत्र तथा केन्द्रीय सुविधा के रूप में द्रव नाइट्रोजन वाहिका और निम्नताप और उच्च चुबंकीय क्षेत्र वाली विद्युत और चुंबकीय माप प्रणाली स्थापित किया है ।

मनदीप सिंह ने निम्नलिखित को स्थापित किया है – (i) मूलनिर्वात पंप, अति – उच्चनिर्वात (यू ए च वी) टर्बो आणविक पंप, यू एच वी आयन पंप, यू एव वी गैर – वाष्पीकारक गैटर पंप, यू एच वी पूर्णधातुवाल्व, यू एच वी कक्ष, वैक्यू गेज और यू एव वी घटक (ii) हीलियम निर्वात रिसाव संसूचक (iii) लेजर शीतन प्रकाशिकी और प्रकाशीय घटक (iv) उच्च – धारा इलैक्ट्रॉनिक स्विच और चुंबकीय क्षेत्र कुंडलियां । उच्च धारा वाली इलेक्ट्रॉनिक स्विचें और चुंबकीय क्षेत्र की कुंडलियां भी बी ई सी प्रयोगशाला आई आई एस ई आर मोहाली में डॉ. मनदीप सिंह द्वारा डिजाइन और निर्मित की जाती है ।

योगेश सिंह ने टेट्रा – आर्क भट्टी खरीदा और जनवरी 2015 में स्थापित किया है ।

अंनत वेंकटेशन के पास मध्याकार इमेजिंग और फैब्रीकेशन (एम आई एफ एफ) की सुविधा उपलब्ध है, जो कि उनके द्वारा की स्थापित की गई विभिन्न नैनो संविरचन उपस्करों को वेशित करने के लिए क्लास 10,0000 साफ – कमरे की सुविधा है । सबसे नई हाल ही में स्थापित उपस्करप्लाज्मा उत्कीर्णन प्रणाली है । इस प्रणाली में क्लोरीन और फ्लोरीन रसायन शास्त्र की सुविधा उपलब्ध है जिस से धातुओं, III-IV अर्ध चालकों और साथ ही साथ मानक पदार्थो जैसे सिलिकॉन को उत्कीर्णित किया जा सकता है । यह आर. आई. ई. और आई सी पी, दोनों ही रूपों में उत्कीर्णित कर सकता है ।

आयोजित कार्यक्रम:

जसजीत बागला ने 07 – 18 जुलाई, 2014 को एन सी आर ए – टी आई एफ आर में आकाश गंगा की रचना पर एक कार्यशाला का आयोजन किया । उन्होंने 4 – 6 दिसंबर, 2014 को आई आई एस ई आर. मोहाली में दूरबीन (टेलिस्कोप) बनाने की कार्यशाला में आयोजन किया । दूरबीन बनाने की कार्यशाला खगोल विज्ञान के प्रति उत्साहि व्यक्तियों के लिए थी । इसके लिए धन की व्यवस्था भारतीय खगोल सोसाइट और, आई आई एस ई आर. मोहाली द्वारा की गई थी । तीनों नगरों के भागीदारों द्वारा कुल 16 दूरबीन निर्मित किए गए इस में से दो दूरबीन आई आई एस ई आर. मोहाली के ऐस्ट्रोनॉमी क्लब के लिए थे । कार्यशाला का उद्देश्य दूरबीन (टेलिस्कोप) पर व्याख्यान तथा आकाश की निगरारनी था । आई यू सी ए ए पुणे के समीर धूर्डे और श्री तुषार पुरोहित ने, कार्यशाला का आयोजन किया । कार्यशाला का समापन दो घंटे तक आकाश की निगरानी सत्र के साथ संपन्न हुआ । ।

हरविंदर के. जस्सल ने 08 – 13 दिसम्बर, 2014 को गुरूत्व के क्षेत्र सैद्धांतिक पहलुओं पर दसवीं बैठक आयोजित किया । गुरूत्व का क्षेत्र सैद्धांतिक पहलू (एफ टी ए जी) भारत में क्षेत्र सिद्धांत वादियों, सामान्य सापेक्ष वादियों और गुरूत्वाकर्षण शोधकर्ताओं की

बैठक की एक श्रृंखला है । पूर्ववर्ती एफ टी एजी के बैठकों की व्यवस्था आई यू सी ए ए (पुणे), आई एम एस सी (आर ए सी ऊटी में) सी यू एस ए टी (कोचीन यूनिवर्सिटी), उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय (पेलिंग में), दिल्ली विश्वविद्यालय?(शिमला में) एच आर आई (इलाहाबाद), बिट्स पिलानी (गोवा कैम्पस) जैसे प्रमुख अनुसंधान संस्थानों में की गई है । अनेक विख्यात वैज्ञानिक और विद्वान ने इन बैठकों में भाग लिया । हमने 08 – 13 दिसम्बर, 2014 के बीच आई आई एस ई आर. मोहाली में दशवीं एफ टी ए ज बैठक आयोजित किय । एफ टी ए जी की बैठकों में गुरूत्वाकर्षण भौतिकी से संबंधित मुद्दों की अनौपचारिक चर्चा पर बल दिया गया ।

सुदश्ना सिन्हा, ने अरैखित प्रणाली और गति की पर एक सम्मेलन (CNSD 2015) का आयोजन किया । सम्मेलन में लगभग 150 प्रतिभागियों को आकर्षित किया । इसमें 17 आमंत्रित वार्ताएं हुई (पूर भारत से तथा कुछ जर्मनी, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका से प्रमुख सक्रिय शोधकर्ताओं ने भाग लिया) । इसमें 38 योगदान की गई वार्ताएं थीं जिनका सत्र समानांतर रूप से चल रहा थीं इसमें 50 पोस्टर प्रस्तुतियां थी ।

चल रही फैलोशिप :

गौतम शीट : रामानुजम फैलोशिप ।

हरविंदर : एस ई आर बी, डी एस टी द्वारा वित्तपोषित 'ब्रहमाण्डीय पैरामीटर: प्रेक्षणात्मक पहलूओं और सैद्धातिक मुद्दे' नामक फास्ट ट्रैक परियोजना ।

कमल पी सिंह : रामानुजन फैलोशिप जुलाई 2010 – जुलाई 2015 और मैक्स प्लैंक इंडिया गतिशीलता अनुदान 2014 – 2018 ।

योगेश सिंह : रामानुजम फैलोशिप और चल रही 'स्पिनद्रव और इलैक्ट्रॉनिक सह-संबंध, स्पिन आर्बिटयुग्मन, और ज्यामितीय चुंबकीय कुंठा के बीच पर स्पर क्रिया से उत्पन्न होने वाली अन्यना वेलभौम अवस्थाओं के लिए शोध'

1 अगस्त, 2014 से शुरू ।

राजीव काप्री: परियोजना शीर्षक : बहुलक को मजबूर कर के बहुलक-पृष्ठ की पारस्परिक क्रियाओं का पता लगाना । परियोजना डी एस टी की फास्टट्रैक योजना के तहत मार्च 2011 में अनुमोदित कर दी गई है ।

सुदेश्ना सिन्हा परियोजना शीर्षक : SysTB: टी बी संक्रमण में मेजबान रोग ज़नक पारस्परिक क्रियाओं के अंत: कोशिकीय गतिक समाधान के लिए नेटवर्क कार्यक्रम ।

निर्दिष्ट अनुसंधान :

रिता ब्राता सेनगुप्ता ने प्रोफेसर अरविंद की देख रेख में मई 2014 में 'धनात्मकमान चित्रों और परिबद्ध बाधितक्वांटम अवस्था ओंकाबाहय विस्तार' शीर्षक वाली पी एच डी थीसिस का बचाव किया ।

कविता दोरई के मार्ग दर्शन में मत्येंद्रनाथ शुक्ला को 'छोटे अणुओं, फ्लूओरिनीकृत औषधियों काटर झिले अनुहारी पर्यावरण में जीवाणुओं के मिश्रण में विसरण की एम एम आर स्पेक्ट्रो स्कोपी जांच' शीर्ष्क वाली पी एच डी थीसिस को सम्मान दिया गया था ।

सम्मेलन, कार्यशालाएं और संगोष्ठियां :





ग्रुप थ्योरी पर चर्चा बैइक, मई 08 – 11, 2014

भा.वि. शि.अ.सं. मोहाली में राष्ट्रीय उच्चतर गणित बोर्ड द्वारा प्रायोजित ग्रुप थ्योरी पर चर्चा बैइक डॉ. कृष्णेन्दु गंगोपाध्याय और डॉ. महेन्द्र सिंह द्वारा आयोजित की गई । बैठक में देश के विभिन्न हिस्सों से कुल 31 प्रतिभागी (14 संकाय, 17 छात्र) शामिल हुए । इस बैठक का उद्देश्य भारत में कार्यरत विभिन्न ग्रुप शोधकाताओं को एक साथ लाना, और आज के अनुसंधान के कई पहलुओं पर विचार-विमर्श करना था। चर्चा बैठक का मुय विषय परिमित और अभिकलनात्मक ग्रुप सिद्धांत पर था । हालांकि, ज्यामितीय ग्रुप के सिद्धांत और संबंधित कुछ विषयों को भी शामिल किया गया था । चर्चा में ग्रुप सिद्धांत में अनुसंधान के वर्तमान विषयों की नवीनतम शोध जानकारी सांझा की गई । इस बैठक की मुख्य विशेषता जीएपी (ग्रुप, एल्गोरिथ्म और प्रोग्रामिंग) सॉफ्टवेश्र पर विशेष सत्र थे । बैठक में शामिल किये गये मुख्य विषय थे: परिमित समूहों का रिप्रजेंटेशन, पी-समूहों के ऑटोमार्फीज्म, कॉन्ज्यूगेसी क्लासेज़, ग्रुप रिंग, जीएपी ।

गणितीय और अभिकलनात्मक जीव विज्ञान पर अनुदेशात्मक स्कूल (ैडब्ठ – 1) रू डंल 15.मई 19ए 2014

गणितीय और अभिकलनात्मक जीव विज्ञान पर पहला निर्देशात्मक स्कूल (ैडब्ठ.1) भा. वि. शि. आ. सं. मोहाली, पंजाब में, जोकि गणितीय एवं अभिकलात्मक जीव विज्ञान के राष्ट्रीय नेटवर्क (छछडब्ठ) द्वारा समर्थित था, 15 – 29 मई, 2014 तक एसईआरबी के मोहाली नोड द्वारा आयोजित किया गया था । स्कूल की समन्वयक प्रो. सोमदता सिन्हा थीं ।

इस स्कूल की उद्देश्य गणित और अभिकलनात्मक जीव विज्ञान के अंत: विषयक क्षेत्र को समझने और काम करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराना था । बत्तीस पूर्व-स्नातक और स्नातक छात्रों और तीन कॉलेज शिक्षक प्रतिभागियों को जोकि भौतिकी, गणित, जीव विज्ञान और इंजीनियरिंग विषयों से आये थे, इस स्कूल के लिए चुना गया था । वक्ताओं को शिक्षा औद उद्योग, दोनों क्षेत्रों में विद्यार्थियों को कुछ गहरी जानकारी के साथ, विहंगम दृष्टि प्रदान करने समर्थ बनाना था । जीव विज्ञान और रैखिक बीजगति पर कुछ प्रारंभिक कक्षाओं के बाद, अलग अलग पृष्ठभूमि के लोगों को एक समान स्तर तक लाने हेतु जैव सूचना विज्ञान और जैविक डेटा पर कुछ सामान्य चर्चा भी की गई । व्याख्यान और अभिकलनात्मक प्रयोगशालाओं के साथ, अवकल समीकरणों, ग्राफ विद्धांत, स्टॉकेस्टिक प्रक्रियाओं, और समय-श्रृंखला विश्लेषण की विधियों और अनुप्रयोगों





पर चार लघु पाठ्यक्रमों को संचालित किया गया।

अंतिम चार दिनों के दौरान, न्यूरो-जीव विज्ञान, संरचनात्मक जीव विज्ञान, आणविक मशीनों, वैद्युत क्रिया-कलापों की गणितीय गतिविधि की मॉडलिंग, मशीन अभिगम विधियों, और औषधि अनुसंधान पर मॉडलिंग पर प्रारंभिक बातों से लेकर उन्नत स्तर तक लंबी वार्ताए की गई थीं ।

नॉटस, ब्रेडस एण्ड टोपोलॉजी पर अंतर राष्ट्रीय कार्यशाला, 22 – 24 अक्तूबर, 2014

यह कार्यशाला संयुक्त रूप से भा.वि.शि.अ.सं. मोहाली के डॉ. कृष्णेन्दु गंगोपाध्याय व डॉ. महेन्द्र सिंह तथा आईआईटी, रोपड़ के डॉ. एम. प्रभाकर, द्वारा द्विपक्षीय भारत-रूस और भारत-जापान शोध कार्यक्रमों के तहत आयोजित की गयी ।

5 अंतर राष्ट्रीय संकाय और 10 राष्ट्रीय संकाय और देश के भीतर से 16 छात्रों 4 अंतर राष्ट्रीय छात्रों सहित कुल 35 प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया । इस कार्यशाला का उद्देश्य नॉट सिद्धांत, ब्रेड ग्रुपों, होमोटोपी सिद्धांत और टोपोलॉजी के अन्य संबंधित क्षेत्रों के विभिन्न पहलुओं पर काम कर रहे भारतीय गणितज्ञों को एक साथ लाना था । बैठक का मुख्य आकर्षण जापान और रूस से मुख्य वक्ताओं द्वारा सर्वेक्षण वार्ताएं थीं । युवा प्रतिभागियों द्वारा कुछ अल्पकालिक वार्ताएं भी शामिल की गई थीं ।

लैटिस पर गणित कार्यशाला में प्रशिक्षण : ज्यामिति और डायनमिक्स : दिसम्बर 17 – 22, 2014 राष्ट्रीय उच्चतर गणित बोर्ड द्वारा प्रायोजित इस कार्यशाला का आयोजन डॉ. कृष्णेन्दु गंगोपाध्याय और डॉ. महेन्द्र सिंह द्वारा किया गया था । कुल 12 संकाय और 28 छात्रों (24 राष्ट्रीय, 4 अंतरराष्ट्रीय) सहित कुल 40 प्रतिभागियों ने इसमे भाग लिया । विज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ लैटिसेज़ का अच्छा संबंध है । क्रिप्टोग्राफी और कंप्यूटर विज्ञान में इनके अनुप्रयोग हैं । ये भौतिक और रासायन विज्ञान में भी प्रयुक्त किए जाते हैं ।

बैठक में ग्रुपों में लैटिसेज के ज्यामितीय, गणितीय और गतिकीय पहलुओं की चर्चा की गई । कार्यक्रम के मुख्य घटक में लैटिसेज से संबंधित अनेक विषयों पर लगभग चार पाठ्यक्रम शामिल थे । इन पाठ्यक्रमों के अलावा, हाल के घटनाक्रमों पर विशेषज्ञों द्वारा कुछ आमंत्रित वार्ताएं भी की गई थी । वर्तमान में सक्रिय क्षेत्र के आधुनिक पहलुओं को शामिल करने के लिए विषय चुने गए थे । पूरे कार्यक्रम के दौरान, युवा प्रतिभागियों और अनुभवी शोधकर्ताओं के बीच विचार-विमर्श करने के लिए पर्याप्त समय दिया गया था । कार्यक्रम में दुनिया भर के शोधकर्ताओं के साथ ही उत्साही युवा स्नातक और पोस्ट डॉक्टरेट छात्रों को शामिल किया गया था ।

नॉनलीनियर सिस्टम्स एण्ड डायनेमिक्स पर सम्मेलन (सीएनएसडी 2015) : 13 – 15 मार्च, 2015 प्रोफेसर सुदश्णा सिन्हा और प्रोफेसर सोमदत्ता सिन्हा द्वारा आयोजित नॉनलीनियर सिस्टम्स एण्ड डायनेमिक्स पर सम्मेलन आवधिक रूप से आयोजित किए जाने वाले अति सफल सम्मेलनों की श्रृंखला में नौवां था और इसका उद्देश्य नॉनलीनियर डायनेमिक्स में रूचि रखने

वाले शोधकर्ताओं को एक ही मंच लाना और नॉनलीनियर डायनेमिक्स पर व्यापक रूप से काम कर रहे युवा तथा वरिष्ठ शोधकर्ताओं के बीच विचार विनियम और सहयोग को पोषित करना था ।

सीएनएसडी – 2015 ने लगभग 150 प्रतिभागियों को आकर्षित किया था । पूरे भारत से, साथ ही कुछ जर्मनी से, एक जापान से और संयुक्त राज्य अमरीका से प्रमुख अग्रणी शोधकर्ताओं द्वारा 17 आमंत्रित वार्ताएं प्रस्तुत की गई थीं । अन्य 38 वार्ताएं समानांतर सत्रों में संचालित की गई, और 50 पोस्टर प्रस्तुतियां की गई थीं ।

सम्मेलन बहुत उच्च वैज्ञानिक स्तर का था, प्रस्तुतियां बहुत अच्छी और पहलू आदर्श थे । इसमे जीव विज्ञान और इंजीनियरिंग से भी लोगों ने भाग लिया था ।

व्याख्यान तथा वार्ताएं



डॉ. सीमा नंदा, टीआईएफआर, सीएएम बेंगलुरू 'गणित इम्यूनोलॉजी में' संवाद, 9 अप्रैल 2014

प्रो. सी आर सुब्रमण्या, रमन रिसर्च इंस्टीटयूट, बेंगलुरू' इम्यूनोलॉजी में गणित' संगोष्ठी 15 अप्रैल 2014

प्रो. वी एस. सुंदर, आईएमएससी चेन्नई 'कैटलन संख्या' संवाद 16 अप्रैल 2014

प्रो. वी एस. सुंदर, आईएमएससी चेन्नई 'वर्णक्रमीय प्रमेय' संगोष्ठी 17 अप्रैल 2014

डॉ. अभिक गांगुली, टीआई एफआर मुंबई 'निश्चित क्रिस्टलीय अभ्यावेदन के मॉड पी कमी' पर संगोष्ठी, 22 मई, 2014

प्रो. एस रामशेष, आई आई एस सी बेंगलुरू 'कुंठित निम्न आयामी प्रणाली में - क्वांटम चरण संक्रमण' प सेमिनार 27 मई 2014

देवाशीष चौधरी, आई आई टी कानपुर 'किनेटोकारे-सूक्ष्मनलिका अनुलग्नकां के स्टोचेस्टिक कैनेटीक्स: एक असामानय कैच-बांड' सेमिनार 28 मई 2014 प्रोफेसर

डॉ. मलय पात्रा, रसायन विज्ञान विभाग, प्रौद्योगिकी, मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट संस्थान, संयुक्त राज्य अमरीका 'अकार्बनिक रसायन शास्त्र के औषधी पहलू' में संगोष्ठी 19 जून 2014

डॉ. सुमंत सरकार 'क्रिप्टोग्राफी और कोडन विद्धांत में महत्वपूर्ण बूलियन प्रकार्यो का निर्माण' में संगोष्ठी, 19 जून 2014

डॉ. दीपिका जानकी रामन, भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरू 'विषम प्रसार : यादृच्छिक गति में उड़ानें' सेमिनार 19 जून 2014

डॉ. मुरली मुरुगेसन, सीटीएच, स्वीडन 'नई सहस्राब्दी में बायो-नैनो सामग्री और प्रौद्योगिकी की चुनौतियां' संगोष्ठी । 1 जुलाई 2014

प्रोफेसर हैमन बास, मिशिगन विश्वविद्यालय 'केक के कुछेक टुकड़े और आयतों की आइसोप्रीमेट्रिक स्क्वायर टाइलिंग' संवाद । 1 जुलाई 2014

डॉ. जहांगीर अहमद रैदरए विजिटिंग सलाहकार, रसायन विज्ञान विभाग, सुल्तान कबूस विश्वविद्यालय, ओमान सल्तनत । 'जलीय वातावरण में इंडोक्राइन अवरोधक (ईडीसी) का पता लगाने के लिए ऐप्टासेंसर्स' । संगोष्ठी 8 जुलाई 2014

डॉ. श्रीनिवा नंडूरी, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रक्रिया रसायन विज्ञान विभाग, एनआईपीईआर-हैरदाबाद 'प्रोटीन किनसेस -मानव रोगों में कोशिका संकेतन में भूमिका और प्रभाव' । संगोष्ठी 18 जुलाई 2014

प्रो. उदय मैत्रा, कार्बनिक रसायन विज्ञान विभाग, भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरू 'कार्यात्मक मुलायम पदार्थ - डिजाइन और अनुप्रयोग' । संगोष्ठी 5 अगस्त 2014

डॉ. आयोन दत्ता, नागरिकता और अपनापन पर वरिष्ठ व्याख्याता, भूगोल विभाग, लीड्स विश्वविद्यालय 'उत्तर औपनिवेशिक भारत के नए शहरी यूटोपिया : धोलेरा स्मार्ट सिटी, गुजरात में 'उदयमशीलता शहरीगरण' । संगोष्ठी 13 अगस्त 2014

डॉ. प्रमोद शुक्ला 'लार्जे मात्रा परिदृष्यों में प्राकृतिक मुद्रास्फीति की ओर' संगोष्ठी 19 अगस्त 2014

डॉ. हम चांद 'सक्रिय गैलेक्टिक नाभिक : ब्रहमांड के विकास की जांच करने के लिए उपकरण' संगोष्ठी 20 अगस्त 2014

डॉ. उज्जल एल. गौतम, रामानुजन फेलो, 'जवाहर लाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्र, बेंगलुरू, 'नैनोस्केल में पदार्थ पर अन्वेषण और रसायन विज्ञान में उनके अनुप्रयोग' । संगोष्ठी 20 अगस्त 2014

डॉ. वी लक्ष्मी नारायण, इक्वेटोरियल भूभौतिकीय

अनुसंधान प्रयोगशाला, भारतीय जियोमैग्नीटीज्म इंस्टिटयूट, तिरूनेलवेली' ऊपरी वायुमंडल और ऑयनमंडल के अध्ययन में एयरग्लो इमेजिंग तकनीक' । संगोष्ठी 21 अगस्त 2014

डॉ. सफदर कुदुस, अल मदीना अल7मुनाव्वर इस्लामिक विश्वविद्यालय 'आर्बीफोल्ड नॉनकमूटेटिव टोरोआइडल की (सीओ) अनुरूपता पर 'संगोष्ठी 21 अगस्त 2014

डॉ. स्वागता सरकार, आई एस आई कोलकाता 'मिलनर मैनीफोल्डस के संबंध में इक्वीवेरियंट कोबोर्डिज्म में कुछ संगणनाएं 'संगोष्ठी 22 अगस्त 2014

प्रोफेसर जी राजसेकरन, गणित विज्ञान संस्थान, चेन्नई 'स्टैंडर्ड मॉडल' । संगोष्ठी 26 अगस्त 2014

प्रोफेसर जी राजसेकरन, गणित विज्ञान संस्थान, चेन्नई 'न्यूट्रीनों और उनके महत्व' सेमिनार 28 अगस्त 2014

डॉ. अरूनिमा चौधरी, सेलुलर और आणविक जीव विज्ञान (सीसीएमबी) केन्द्र, हैदराबाद 'अल्फा-लेक्टालबुमिन के विभेदक झिल्ली बंध: नकारात्मक रूप से चार्ज लिपिड और कोलेस्ट्रॉल का पारस्परिक संबंध । संगोष्ठी 28 अगस्त 2014

डॉ. चारू गोयल, कांसटेंज विश्वविद्यालय 'सममित रूपों के लिए हिल्बर्ट 1888 प्रमेय का एनलॉग और इसके समरूप सममित रूपों का विस्तार' । संगोष्ठी 29 अगस्त 2014

डॉ. फेलिक्स पैडेल 'औपनिवेशिक और उत्तर-औपनिवेशिक भारत में जनजातियों के प्रति राज्य रूख' । संगोष्ठी 1 सितम्बर 2014 ।

डॉ. सुनील बंसल 'सीएमएस डिटेक्र का उपयोग कई करते हुए बहु पार्टन पारस्परिक क्रियाओं का अध्ययन'। संगोष्ठी 2 सितम्बर 2014

डॉ. राम अवतार, संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय, टोक्यो 'स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र पर नजर रखने के लिए मल्टी-सेंसर रिमोट सेंसिंग तकनीक' । संगोष्ठी सितम्बर 2014

डॉ. राजीव सरकार 'लौह-चुंबकीय क्वांटम क्रांतिक प्रणाली ल्दप4 (च.गोग) 2 की स्थानीय संवेदनशीलता और स्पिन गतिकी ' एन एम आर और ैत जांच' । संगोष्ठी 4 सितम्बर 2014

डॉ. सैकत चटर्जी, इंस्टटयूट डेस हयूटेज डट्रडेस साइंटिफिक्स, फ्रांस 'सज्जित वर्गीकृत सिद्धांतों के बंडल और गेर्बेज' । संगोष्ठी 5 सितम्बर 2014

प्रो. एस रामकृष्णन, ीआईएफआर मुंबई 'दृढ़ता से सहसबद्ध क.इलेक्ट्रॉन यौगिकों में अतिचालकता' संवाद 11 सिंतबर 2014

डॉ. बिभास रंजन माझी 'गुरूत्वाकर्षण की ऊष्मा गतिकी और एन्ट्रापी की उत्पत्ति' । संगोष्ठी 16 सितंबर 2014

डॉ. विरेंदर सिंह चौहान, आइसीजीईबी' भारत में अनुसंधान करने में चुनौतियां और आनंद' । संवाद 17 सितंबर 2014

डॉ. अनुपम कुंडू 'छ. ब्राउनियन वॉकर के स्थानिक सीमा' । संगोष्ठी 18 सितंबर 2014

डॉ. बरवाज कोलेप्पा 'भारी हिग्स बोसॉनों का असामान्य क्षरण' । संगोष्ठी 19 सितंबर 2014

डॉ. मणिमाला मित्रा 'न्यूट्रिनो मास की उत्पत्ति और प्रायोगिक खोजें । पर संगोष्ठी 22 सितंबर 2014

डॉ. कार्तिक तरफदार 'धातु कार्बनिक इंटरफेस की सैद्धांतिक जांच : घनत्व कार्यात्क सिद्धांत पर आधारित एक प्रारंभिक दृष्टिकोण संगोष्ठी 23 सितम्बर 2014

प्रो. अनिल कुमार, सीक्यूआईक्यूसी, आईआई एस सी बेंगलुरू । एनएमबार द्वारा क्वांटम अभिकलन और क्वांटम सूचना प्रोसेसिंग ' परिचय और हाल का घटनाक्रम । संवाद 24 सितंबर 2014

डॉ. गुंजन खेड़ा, पीएचडी, कैसरस्लॉतेर्ण विश्वविद्यालय, जर्मनी, मानव मस्तिष्क की न्यूरोकाग्निटिव गुण 'संगोष्ठी 26 सितंबर, 2014

डॉ. अरूनिमा बैनर्जी 'काले पदार्थ प्रभामंडल के पदचिन्ह' । संगोष्ठी 29 सितंबर 2014

डॉ. अभिषेक पाण्डेय ष्जीब्त2प2 टाइप टेट्रागोनल निकटाइड (चदपबजपक) यौगिकों में कुछ हाल की खोजें' सेमिनार 30 सितंबर 2014

डॉ. तमग्न दास 'दो विमीय समुच्चयों की ज्यामितीय सार्वभौमिकता' । संगोष्ठी 2 अक्तूबर 2014

डॉ. शारन्या सुर 'चुम्बकीय अशांत मीडिया में मिश्रण' । संगोष्ठी 7 अक्बूबर 2014

डॉ. रेनू रायचौधरी, दक्षिण एशियाई भाषाएं और सभ्यताएं, शिकागो विश्वविद्यालय 'आधा टोन के बाद फोटोग्राफी: बीसवीं सदी के शुरूआत से प्रतिबिंबन और सत्संग, बंगाल' । संगोष्ठी 7 अक्तूबर 2014

डॉ. प्रज्ञा घटक, पीएचडी: कोलकाता विश्वविद्यालय 'हस्तक्षेप, पहचान और हासियापन : लोढ़ा जनजाति के मामले से' । संगोष्ठी 8 अक्तूबर 2014

डॉ. नरेश कुमार, डीन शिक्षाविद, डीएवी विश्वविद्यालय के अनुसंधान एवं विकास योजना के पूर्व प्रमुख, सीएसआईआर 'बौद्धिक संपदा: प्रक्रियाएं और आचरण ' । संवाद 8 अक्तूबर 2014

डॉ. हिदम प्रेमानंदा, तुलनात्मक राजनीति और राजनीतिक सिद्धांत केन्द्र, अंतर राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल, जेएनयू । संगोष्ठी 9 अक्तूबर 2014

'किसी राष्ट्र की जन सांख्यिकी : भारत में सांख्यिकी, जनसंख्या और लोकप्रिय राजनीति'

प्रो. कंकन भट्टाचार्य, इंडियन एशोसिएसन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस, कोलकाता, भारत 'एकल सजीव कोशिका का भौतिक रसायन: टाइम रिजाल्वड कॉनफोकल माइक्रोस्कोपी' । संगोष्ठी 1 अक्टूबर 2014

डॉ. विनायक 'रैंडम मैट्रिक्स सिद्धांत की विशारत मॉडल' । संगोष्ठी 14 अक्टूबर 2014

डॉ. देबव्रत मिश्रा' इलैक्ट्रान संचरण में जैव अणुओं के स्व- समन्वायोजित मोनोप्लेयर्स के माध्यम से सिरल (बैपतंस) प्रेरित स्पिन चयनात्मकता' संगोष्ठी 17 अक्टूबर 2014

डॉ. प्राले एल. संतरा, रसायनिक इंजीनियरी विभाग, स्टैनफोर्ड विश्विद्यालय यूएसए 'क्वांटम डॉट सौर सेल की क्षमता को बढ़ाने के लिए रणनीतियाँ '20 अक्टूबर 2014 संगोष्ठी

प्रो. निस्सिम कनेकर, एनसीआरए-टीआईएफआर पुणे 'क्या मूल स्थिरांक समय के साथ बदल सकता है ?' संवाद 28 अक्टूबर 2014

डॉ. गोविंदन रंगराजन, आईआईएससी बेंगलरू 'क्या आप जुड़े हुए हैं ? 'नेटवर्क में कार्यात्मक कनेक्टिविटी का पता लगाना संवाद 29 अक्टूबर 2014

प्रोफेसर जी रंगराजन, आईआईएससी बेंगलुरू 'गणित विज्ञान में वित्त पोषण' संगोष्ठी 29 अक्टूबर 2014

प्रोफेसर रोमन मिखाइलोव, सेंट पीटर्सबर्ग राज्य विश्वविद्यालय और सेंट पीटर्सबर्ग स्टेकलोव गणित संस्थान विभाग । संगोष्ठी 31 अक्टूबर 2014

'समजातता सिद्धांतों के लिए एक उच्चतर सीमा दृष्टिकोण'

डॉ. आर उमा माहेश्वरी, फेलो, भारतीय उन्नत अध्ययन संस्थान, शिमला 'गोदावरी कब आती है : एक नदी का लोक इतिहास' 3 नवंबर 2014 संगोष्ठी (सोम 03:00)

डॉ. मनिकानन्दन सुब्रमण्यम, कोलंबनिया यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर, एनवाई 'मृत को दफन करना: तंत्र दोष और रोग' संगोष्ठी 7 नवंबर 2014

डॉ. राजर्षि मित्रा, अंग्रेजी विभागरू कर्नाटक केन्द्रीय विश्वविद्यालय' द एंग्लो इंडियन बर्डस:

अपैपनिवेशिक भारत में साहित्यिक पक्षीविज्ञान, डार्विनवाद और पक्षा दर्शक साहिब' संगोष्ठी 7 नवंबर 2014

डॉ. प्रवीण चड्ढा, पूर्व निदेशक, वैज्ञानिक शोध कंसोर्टियम, यूनिवर्सिटी कैम्पस, खंडवा रोड इंदौर । 'साहित्यिक चोरी का मुकाबला : न तो अपराधी और न ही पीड़ित है ।' संगोष्ठी 7 नवम्बर 2014

डॉ. उत्तम मन्ना, रासायनिक और जैव इंजीनियरी विभाग, विस्कॉन्सिन-मैडिसन विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमरीका 'एंडा फाउलिंग स्लिपरी सर्फेस: उन्नत पदार्थ डिजाइन करने के लिए एक दृष्टिकोण' संगोष्ठी 7 नवंबर 2014

प्रो. नवीन खनेजा 'युग्मित स्पिन गतिकी का नियंत्रण । संगोष्ठी 11 नवंबर 2014

डॉ. गौरव नारायण, मौलिक अध्ययन संस्थान (आईएफ), नरेसुअन विश्वविद्यालय, फिट्सानुलॉक थाईलैंड 'क्वांटम गुरूत्वाकर्षण के पुन: सामान्यकरण समूह दृष्टिकोण' संगोष्ठी 12 नवंबर 2014

प्रो. सोमेन्द्र एम भट्टाचार्य (आर के एक विवेकानंद विश्वविद्यालय, बेलूर मठ और आई ओ पी भुवनेश्वर) : 'वायरस जीवनचक्र: लेंथ स्केल का पता लगाना' संवाद 19 नवंबर 2014

डॉ. दीपक नायर, तंत्रिका विज्ञान केन्द्र, आई आई एस सी बेंगलुरू 'सुपर रीजलूशन माइक्रोस्कोपी पर मंथन सत्र' संगोष्ठी 20 नवंबर 2014

डॉ. अंजना भारद्वाज, टेक्सासा विश्वविद्यालय, एम डी एंडरसन कैंसर केन्द्र, ह्यूस्टन' बेसल की जरत के स्तन कैंसर की रोकथाम के लिए उपत्छ। के नेटवर्क को लखित करना' 21 नवंबर 2014 संगोष्ठी

डॉ. धुव रैना, जे ए यू 'पूर्व-उपनिवेशी दक्षिण एशिया में इतिहास लेखन और विज्ञान के सामाजिक सिद्धांत पर पुनर्विचार' । संवाद 26 नवंबर 2014

डॉ. रितुराज पुरोहित, वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान 'उत्परिवर्ती के आई ओ (ज्ञप्ज) अभिग्राही के स्व-सक्रियण में ईएलए क्षेत्र की भूमिका : एक सिलिको अंतदृष्टि । ' संगोष्ठी 28 नवंबर 2014

डॉ. देबज्योति नंदी, रटगर्स विश्वविद्यालय 'वर्टेक्स-ऑपरेटर-सैद्धांतिक तकनीकों का प्रयोग करते हुए सम्बद्ध लाड़ बीज गणित के प्रतिनिधत्व के सिद्धांत से उत्पन्न होने वाली मिरित पहचान' । संगोष्ठी 28 नवंबर 2014

डॉ. सौगात रॉय, ई एम बी एल, हीडलबर्ग जर्मनी 'जीन की अभिव्यक्ति का सर्केडियन नियमन:

ट्रांसक्रिप्शनल नियंत्रण से परे की कहानी' । संगोष्ठी 9 नवंबर 2014

डॉ. संजीव कुमार, लंदन नैनो प्रौद्योगिकी केन्द्र, यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन 'अर्ध-एक विमीय क्वांटम तार में क्वांटम परिवहन' संगोष्ठी 8 दिसंबर 2014

श्री ऋषि राज त्रिवेदी, विस्कॉन्सिन-मैडिसन विश्वविद्यालय 'अनिसोट्रोपिक वातावरण में गतिशील जीवाणुओं का गतिशीलता संबंधी व्यवहार' । संगोष्ठी 2 दिसंबर 2014

डॉ. पेनुमाका नागबाबू, सी एस आई सी टी हैदराबाद 'उपचारी और नैदानिक, दोनों में जैव अकार्बनिक रसायन शास्त्र का बढत्ता महत्व' संगोष्ठी 9 जनवरी 2015

डॉ. अमित सचदेवा, एम आर सी आण्विक जीव विज्ञान प्रयोशाला, ब्रिटेन 'डिजाइनर जैव अणु: कृत्रिम डीएनए उत्प्रेरक से लंगकोणीय राइबोसोम तक' । संगोष्ठी 12 जनवरी 2015

डॉ. मोहन चन्द्र जोशी, बेलर कॉलेज ऑफ मेडिसिन, ह्यूस्टन टेक्सास' गुणसूत्र पृथक्करण में संसंजन की भूमिका और ई.कोली में समजात पुनर्संयोजन मेडिएटेउ डीएनए की मरम्मत' । संगोष्ठी 14 जनवरी 2015

डॉ. सुशील, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, डेविस, संयुक्त राज्य अमरीका और सीएमएस सहयोग, सर्न 'सीएमएस प्रयोग में फोटॉन + अंति अवस्थाओं के साथ नई परिघटना की खोज' । संगोष्ठी 15 जनवरी 2015

डॉ. मौसी गौस्वामी, रसायन विज्ञान विभाग, वर्जीनिया विश्वविद्यालय, चेर्लोटीसविल्ले, वीए, संयुक्त राज्य अमरीका । 'आणविक बीम मे स्पेक्ट्रम – विज्ञान और गतिकी : वान डर वाल्स सम्मिश्रों से जैवाण्विक अभिक्रियाओं तक' सेमिनार 15 जनवरी 2015

डॉ. अमित्रा मुखर्जी, भोतिकी और खगोल विज्ञान विभाग, टेनेसी विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमरीका संगोष्ठी 16 जनवरी 2015 (शुक्र 04:00)

'सहसंबद्ध पदार्थ परिघटना के कुछ पहलू'

प्रो. गोपालन श्रीनिवासन 'जियोकेमिकल और समस्थानिक अध्ययनों से विभेदित ग्रही पिंड के रूप में क्षुद्रग्रह 4 वेस्टा के विकास के लिए सुराग' । संगोष्ठी 20 जनवरी 2015

प्रो. डौव स्टेन, यूबीसी कनाडा 'लोअर फ्रेजर वैली में ओजोन बनने की घटना का पूर्वव्यापी विश्लेषण कनाडा' संवाद 21 जनवरी 2015

डॉ. प्रवीण विकायल कार्तिकेयन, सी एस आई आर – एन आई आई एस टी, तिरूवनंतपुरम भारत 'प्रतिदीप्ति प्रक्तिजर वैली में ओजोन बनने की घटना का पूर्वव्यापी विश्लेषण कनाडा' संवाद 21 जनवरी 2015

डॉ. प्रवीण विकायल कार्तिकेयन, सी एस आई आर – एन आई आई एस टी, तिरूवनंतपुरम भारत 'प्रतिदीप्ति प्रतिध्वनि ऊर्जा अंतरण के बारे में' । संगोष्ठी 28 जनवरी 2015

डॉ. श्याम प्रकाश सोमसेकरन, ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय, वैंकूवर 'प्रतिबल कणिकाएं और ट्यूमर प्रगति में उनकी भूमिका' । संगोष्ठी 28 जनवरी 2015

प्रो. आदिमूर्ती, टीआईएफआर सीएएम, बेंगलुरू 'हार्डी सोबोलेव असमानता' । संगोष्ठी 29 जनवरी 2015

डॉ. सत्यम मुखर्जी 'क्रोनोमेट्रिक नॉलेज फ्रंटियर : विज्ञान, पेटेंट और कानून सार में सार्वभौमिकता' । संगोष्ठी 5 फरवरी 2015

प्रीतम घोष, रटगर्स विश्वविद्यालय, न्यू जर्सी ष्ठ ; छ की बाहय ऑटोमार्फीज्म गतिकी' । संगोष्ठी 6 फरवरी 2015

डॉ. अमिताभ बंदोपाध्याय, आई आई टी कानपुर 'वयस्क चूहों में बी एम पी संकेतन की भूमिका की जांच'। संगाष्ठी 6 फरवरी 2015

प्रो. आर ग्राहम कुक्स, हेनरी बी हैस प्रतिष्ठित प्रोफेसर, रसायन विज्ञान में 201क ड्रेफस पुरस्कार विजेता, पर्ड्यू विश्वविद्यालय 'अणुओं को मापना : विज्ञान, चिकित्सा और व्यवसाय में मास स्पेक्ट्रोमीटर' । संगोष्ठी 7 फरवरी 2015

डॉ. गगन कुमार, संगोष्ठी 9 फरवरी 2015 (सोम 04:00)

डॉ; अन्ना ई मैक कोर्ट 'पुरातत्व और इतिहास: मतभेद, असहमति और समाधान' संगोष्ठी 9 फरवरी 2015

प्रो. अमिताभ चट्टोपाध्याय, सीसीएमबी 'जी प्रोटीन युग्मित रिसेप्टर्स के साथ झिले कोलेस्ट्रॉल की पारस्परिक क्रिया : स्वास्थ्य और रोग में नवीन अंतदृष्टि' संवाद फरवरी 18, 2015

डॉ. राकेश कुमार पाडेय, राष्ट्रीय पदार्थ विज्ञान संस्थान, जापान' मेटेलो – सूपरमॉलिकुलर पॉलिमर आधारित जैविक धात्विक संकर पदार्थ । ' संगोष्ठी 19 फरवरी 2015

डॉ. चिकुरी नगड़या, रेडॉन कम्प्यूटेशनल और अनुप्रयुक्त गाति संस्थान, ऑस्ट्रियाई विज्ञान अकादमी 'बड़े पैमाने पर ह्रदय डिफाइब्रिलेशन के अनुकूलन के लिए प्राइमल – डुएल सक्रिय सेट रणनीति । ' संगोष्ठी 19 फरवरी 2015

प्रो. शंकर सुब्रमण्यम, यीसीएसडी 'इंजीनियरी, डेटा और जीवन विज्ञान के इंटरफेस में चुनौतियां ।' संवाद फरवरी 23, 2015

प्रो. फ्लावियों सेना, भौतिकी और खगोल विज्ञान विभाग, पडोवा विश्वविद्यालय, इटली, 'प्रोटीन परतों की व्यापित का अन्वेषण । ' संगोष्ठी 23 फरवरी 2015

डॉ. अशेक कुमार विज, आई आर ईक्यू, कनाडा 'विद्युत रसायन में अभियान । ' संवाद फरवरी 24, 2015

प्रो. शंकर सुब्रमण्यम, यूसीएसडी, ओमिक्स लेंसों के माध्यम से मेक्रोफेज जीव विज्ञान' संगोष्ठी 24 फरवरी 2015



डॉ. योगिश स्नेही, भारतीय उन्नत अध्ययन संस्थान, शिमला 'लोकप्रिय उपासना स्थन निर्धारण । ' संगोष्ठी 16 फरवरी 2015

डॉ. शुभंकर बोस, ऐनोर्गेनिस्चे केमी, जर्मनी 'नए दृष्टिकोण और विचार–बोरॉन रसायन को उत्तेजित करना। ' संगोष्ठी 26 फरवरी 2015

डॉ. रूप मल्लिक, टाआ फंडामेंटल रिसर्च इंस्टिट्यूट, मुम्बई ' फेगोसोम का यात्रा' । संगोष्ठी 27 फरवरी 2015 ।

डॉ. सुकंत खुराना, भा.वि.शि.अ.सं. कोलकाता 'प्रयोगों और अभ्किलन के संयोजन के माध्यम से तंत्रिकीय और व्यवहार संबंधी नम्यता का पता लगाना । ' संगोष्ठी 27 फरवरी 2015

डॉ. मोनिका शर्मा, आई आई आई टी हैदराबाद 'डीएनए बेमेल मरम्मत प्रणाली का इन सिलिको अध्ययन : बेमेल मान्यता के पुष्टिकारक पहलुओं को समझना' संगोष्ठी 9 मार्च 2015

डॉ. शोमेन मुखर्जी, हाइफा, विश्ववि?ालय, इसराइल 'प्रे–प्रिडेटर की पारस्परिक क्रियाओं को टिट्रेट करना : गैर–क्षयी प्रभाव ।' संगोष्ठी 9 मार्च 2015

प्रो. वी राममूर्ति, मियामा विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमरीका 'एक कैप्सूल में प्रकाश रसायन' संगोष्ठी 10 मार्च 2015

प्रो. सुरेश कुमार भार्गव, आर एम आई टी मेलबर्न 'बुलबुलों के साथ बिल्डिंग : क्या यह उत्प्रेरण की नई पीढ़ी का प्रारंभ । ' संवाद 12 मार्च 2015

प्रो. वैक्ला मेर्जेटोविज यूएसएम, यूएएम पॉज्नान पोलैंड 'बोरुक–ऊलाम प्रमेय का बौर्गिन–यांग स्वरूप' । संगोष्ठी 13 मार्च 2015

डॉ. कविता शाह, रसायन विज्ञान विभाग, पर्डयू विश्वविद्यालय, पश्चिम लेफयेटे, संयुक्त राज्य अमरीका 'कैंसर और अल्जाइमर रोग में संकेतन मार्गो का रासायनिक जेनेटिक विच्छेदन ।' संगोष्ठी 16 मार्च 2015

प्रो. एन मुकुंद, पूर्व प्रोफेसर, सैद्धांतिक अध्ययन केन्द्र, आई आई एस सी बेंगलुरू, 'प्रकृति क भाषा के रूप में गणित' । संगोष्ठी 19 मार्च 2015

प्रो. सुदीप्ता मैती, टाटा इंस्टीटयूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, मुंबई 'आविषालु एमीलोयड प्रोटीन : संरचना – कार्य संबंध कहां है ?' संगोष्ठी 19 मार्च 2015

डॉ. जयमुरूगन गोविंदसामी, रसायन विज्ञान विज्ञान, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, लिंसफिल्ड रोड, ब्रिटेन 'कार्यात्मक कार्बनिक पदार्थ : । छोटे अणुओं, बड़े अणुओं और पॉलिमर के माध्यम से यात्रा' संगोष्ठी 19 मार्च 2015

डॉ. सुमित भादुड़ी, सहायक संकाय, आई आई टी बॉम्बे 'नवाचार में रसायन विज्ञान और रसायन विज्ञान में नवाचार : के बीच तालमेल' और 'क्यों को जानना' । संगोष्ठी 20 मार्च 2015

डॉ. एससी लखोटिया, बीएचयू वाराणसी 'जीव विज्ञान में ट्रांस–विषयात्मक दृष्टिकोण – अतीत और भविष्य । ' संवाद 25 मार्च 2015

डॉ. बिमान बागची, आई आई एस सी बेंगलुरू 'अंतरिक्ष और समय के माध्यम से यात्रा : छोटे पैमाने पर रासायनिक गतिकी का दृष्य ।' संवाद 25 मार्च 2015

डॉ. बलदेव राज, नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, बेंगलुरू 'ऊर्जा सुरक्षा और स्थिरता : प्रगतिशील और महत्वाकांक्षी भारत के लिए दृष्टिकोण और प्राथमिकताएं' संगोष्ठी 26 मार्च 2015

प्रो. एस सी लखोटिया, जीव विज्ञान विभाग, बीएचयू, वाराणसी 'ड्रोसोफिला सेल नाभिक में ओमेगा कणिकाओं का जीवन' संगोष्ठी 26 मार्च 2015

डॉ. प्रातिश्रुति साहा 'स्टैंर्ड मॉडल परे भौतिकी के उच्च ऊर्जा कोलाइडर के संकेत ।' संगोष्ठी 26 मार्च 2015

प्रो. रोहिणी बालकृष्णन, पारिस्थिति की विज्ञान केन्द्र, आई आई एस सी बेंगलूरू 'ट्री–क्रिकेट में ध्वनिक संचार: जैव–भौतिकी से व्यवहार पारिस्थितिकी तक' संगोष्ठी 26 मार्च 2015

डॉ. बलदेव राज, एनआईएएस बेंगलुरू 'उन्नत पदार्थ और प्रौद्योगिकी ।' संवाद 27 मार्च 2015

डॉ. भ्रमर चटर्जी 'ब्लैक होल क्षितिज के तामपान की स्थानीय गणना ।' संगोष्ठी 27 मार्च 2015

डॉ. फैयाज खुदसर, यमुना जैव विविधता पार्क दिले, विकृत पारि–तंत्र पुर्नस्थापन केन्द्र' जैव विविधता को खोना – आपदा को आमंत्रित करना ।' संगोष्ठी 30 मार्च 2015

खेल और सांस्कृतिक गतिविधियाँ





भा.वि.शि.अ.सं. मोहाली ने तृतीय अंतर – भा.वि.शि.अ.सं. खेल – कूद प्रतियोगिताओं (आईआईएस एम – 3) का 10 – 14 दिसम्बर 2015 के दौरान आयोजन किया । इससे पहले यह प्रतियोगिताएं 2012 में भा.वि.शि.अ.सं. कोलकाता तथा 2013 में भा.वि.शि.अ.सं. पुणे, में आयोजित की गई थी । भा.वि.शि.अ.सं. मोहाली में खेल7कूद की सुविधाए 2014 – 2015 के दौरान निर्माणाधीन थी इसलिए समय पर खेल – कूद की प्रतियोगिताओं के लिए आवश्यक सुविधाएं पूरा करवाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था । इस प्रकार इन खेलकूद प्रतियोगिताओं को समय पर आयोजित करवाने का श्रेय आईडब्ल्यूडी, सीपीडब्ल्यूडी, संस्थान के अन्य पदाधिकारियों के साथ – साथ छात्र स्वयं सेवकों, प्रोफेसर अरविंद, जो कि आयोजन समिति के अध्यक्ष थे, प्रोफेसर विश्वनाथन (डीन स्टूडेंटस) और श्री कृपाल सिंह (शरीरिक शिक्षा अनुदेशक) व अन्य को दिया जाता है । दो प्रतियोगिताएं, क्रिकेट और बैडमिंटन, भा.वि.शि.अ.सं. परिसर के बाहर आयोजित की गई । क्रिकेट और बैडमिंटन टूर्नामेंट के संचालन में एनआईपीईआर, मोहाली और पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ का विशेष सहयोग रहा ।



आईआईएसएम – 3 में सात संस्थानों ने भाग लिया । ये संस्थान – भा.वि.शि.अ.सं. कोलकाता, भा.वि.शि.अ.सं. पुणे, भा.वि.शि.अ.सं. भोपाल, भा.वि.शि.अ.सं. त्रिवेंद्रम, एनआईएसईआर भुवनेश्वर, आईआईएससी बेंगलुरू और भा.वि.शि.अ.सं. मोहाली थे । आई आई एस सी बेंगलुरू ने पहली बार आईआईएसएम खेल स्पर्धा में भाग लिया था जिससे भाग लेने वाले संस्थानों की संख्या बढ़कर सात हो गई । इन सात संस्थानों से 15 अलग – अलग स्पर्धाओं में लगभग 700 प्रतिभागियों ने भाग लिया । प्रतिभागियों के लिए 80 से अधिक पुरस्कार प्रस्तावित थे । इन 700 प्रतिभागियों में से, लगभग 150 लड़कियां थी जिन्होंने, कबड्डी, खो – खो, फुटबॉल और क्रिकेट को छोड़कर अन्य सभी स्पर्धाओं में भाग लिया । भा.वि.शि.अ.सं. मोहाली समग्र चैम्पियन घोषित हुआ और भा.वि.शि.अ.सं. भोपाल ने एथेलेटिक ट्राफी जीती ।

सभी प्रतिभागियों को भा.वि.शि.अ.सं., मोहाली के हॉस्टल में ठहराया गया । इतने बड़े दल को दिसंबर के प्रतिकूल मौसम के दौरान समायोजित करना एक चुनौती थी, लेकिन स्वयं सेवकों और छात्रावास केयर टेकरों के विशेष सहयोग से यह कार्य पूरा किया गया ।

स्पर्धाओं के आयोजन मं गवर्नमेंट कॉलेज, चण्डीगढ़ से प्रशिक्षित कर्मियों का सहयोग रहा, जिन्होंने खेलखूद प्रतियोगिताओं को निर्बाध और कुशलपूर्वक संचालित करने में निश्चित रूप से योगदान दिया । प्रतियोगिता का उद्घाटन 9 दिसंबर, 2014 को श्री सुखबीर सिंह ग्रेवाल, निदेशक, प्रशिक्षण और पाठ्यचर्या, पंजाब खेल संस्थान द्वारा और समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण की अध्यक्षता ब्रिगेडियर, लाभ सिंह, पूर्व ओलंपियन, जिन्होंने 1964 के टोक्यो ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था, द्वारा की गई थी ।

इन्सोमनिया 2015 (27 मार्च – 29 मार्च, 2015):

भा.वि.शि.अ.सं. मोहाली का वार्षिक उत्सव इन्सोमनिया 2015 शैक्षणिक सत्र 2014 – 2015 के सभी सांस्कृतिक गतिविधियों का भव्य समापन समारोह था । इस साल उत्सव की थीम 'गो ग्रीन' थी कार्टूनिंग, नृत्य, नाटक,









गेम, क्विज़, वाद – विवाद, कॉलाज आदि कई प्रतियोगिताओं के साथ – साथ अनेक आयोजन जैसे विज्ञान शो, फूड फेस्टिवल, ट्रेज़र हण्ट और डीजे आयोजित किए गए । तीन दिनों तक चले इस आयोजन में भा.वि.शि.अ.सं. से लगभग 800 छात्रों ने व अन्य संस्थानों (थापर विश्वविद्यालय, एनआईटी कुरूक्षेत्र, पीईसी चण्डीगढ़, एनआईपीईआर, यूआईईटी, सीसीईटी, पीजीआई, एलपीयू, चितकारा विश्वविद्यालय) से लगभग 250 विद्यार्थियों ने भाग लिया । भा.वि.शि.अ.सं. मोहाली के आर्टस क्लब और पर्यावरण क्लब के सदस्यों ने आयोजन स्थल व लेक्चर हॉल परिसर को सुंदर दीपवृक्षों से सजाया और मात्र पुनर्नवीनीकृत बेकार जैसे बोतलों, कप, चम्मच, छड़ियों, अखबारों आदि से बनी चीजों का प्रदर्शित किया । उत्सव के आयोजन में सुश्री मुग्धा ठाकुर, श्री विनय निकम और श्री आनंद गोंड व अन्य उत्साही छात्रों की उनकी टीम का विशेष योगदान रहा ।

बजट और
चल रहे प्रोजैक्टस

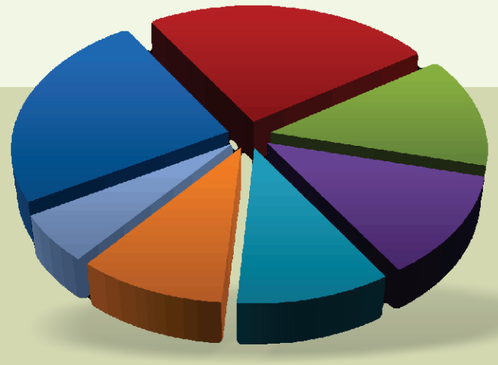

1.1 योजना अनुदान

वर्ष 2014 – 15 के दौरान संस्थान ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय से कुल रु. 117.00 करोड़ प्राप्त किए। गतवर्ष का कोई अथ शेष नहीं है । इस प्रकार योजनागत अनुदान के अन्तर्गत उपलब्ध कुल राशि रु. 117.00 करोड़ थी । इसमें से विभिन्न बजट मदों में वर्ष 2014 – 15 में निम्न प्रकार से व्यय हुआ ।

बजट शीर्ष

(करोड़ रु.)

(1)	वेतन घटक	16.54
(2)	गैर वेतन घटक	21.37
(3)	उपस्करों आदि की खरीद	39.88
(4)	फर्नीचर की खरीद	2.79
(5)	निर्माण व भवन (जमा धन सहित)	34.79
(6)	पुस्तकालय में पुस्तकें	0.15
(7)	कंप्यूटर सहायक उपकरण और बाहय उपकरण	1.48
	जोड़	117.00

1.2 अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं : –

योजनागत अनुदान के अतिरिक्त वर्ष 2014 – 15 में संस्थान को अपने अनुसंधान व विकास खाते में रु. 15.27 करोड़ की राशि प्रापत हुई । इस खाते की वर्ष 2013 – 14 से अथ शेष राशि रु. 4.97 करोड़ थी । इस प्रकार रूपए की कुल राशि से बाहर रु. 20.24 करोड़, वर्ष 2014 – 15 के दौराना निम्नलिखित व्यय : –

व्यय

(करोड़ रु.)

(1)	वेतन एवं भत्ते	0.51
(2)	यात्रा भत्ता	0.36
(3)	छात्रवृत्ति	5.49
(4)	उपस्करों की खरीद	6.43
(5)	आकस्मिक व्यय	0.29
(6)	उपभोज्य वस्तुएं	2.87
(7)	उपरी व्यय	0.62
(8)	अन्य व्यय	0.12
	जोड़	16.89

अथ शेष 3.55 करोड़ रूपए ।

1.3 विन्यास निधि

इस खाते में दिनांक 31 मार्च 2015 को रु. 13.90 करोड़ शेष राशि के रूप में उपलब्ध थे ।

1.4 विद्यार्थी कल्याण खाता

उपर्युक्त खातों के अतिरिक संस्थान में विद्यार्थी कल्याण खाता भी है जिसमें वित्तीय वर्ष 2014 – 15 के अंत में शेष राशि रु. 0.61 करोड़ थी ।

क्र. सं	परियोजना क्रमांक	नाम	प्रमुख अन्वेषक	अनुदान संस्था	अवधि	स्वीकृत राशि	प्राप्त राशि
1.	डी.एस.टी-07-0001	एन एम आर और कंपनशील स्पेक्ट्रमदर्शी तकनीकों का प्रयोग करते हुए मॉडल ट्राइपेप्टाइड्स की पुष्टीकारी गति की	डॉ. कविता दोराए	डी.एस.टी.	3 वर्ष	570,000.00	357,000,00
2.	सी.एस. आईआर.-07-0002	स्टडीज़ ऑफ डिसिपेटिव डायनेमिक्स इन क्वाण्टम कम्प्यूटर्स युज़िंग एन एम आर टैक्नीक्स	डॉ. कविता दोराए	सी.एस. आईआर.	3 वर्ष	9,45,000.00	5,66,620,00
3.	डी.एस.टी. -07-0003	एक्सप्लोरिंग बायोमोलिक्युलर डायनेमिक्स यूज़िंग क्रॉस कोरिलेटेड स्पिन इन एन एम आर	डॉ. कविता दोराए	डी.बी.टी.	3 वर्ष	53,04,400.00	42,25,600.00
4.	डी.बी.टी. -08-0006	इन्सपायर छात्रवृति		डी.एस.टी	3 वर्ष		छात्रवृति
5.	डी.एस.टी. -09-0009	बायो – मोलिक्युलर सॉलिड स्टेट एन.एम.आर., थ्योरी, एक्स्पेरीमेंटस एण्ड एप्लिकेशन्स	डॉ. रमेश रामचन्द्रन	डी.एस.टी	3 वर्ष	34,80,400.00	22,50,000.00
6.	सी.एस.आई. आर. -09-0010	सी. एस. आई. आर छात्रवृत्ति	डॉ. कविता दोराए	सी.एस.आई. आर	3 वर्ष		छात्रवृति
7.	डी.एस.टी. -09-0011	सिंथेसिस, स्ट्रक्चर एण्ड स्पेक्ट्रोस्कोपिक स्टडीज़ ऑफ़ लो वेलेण्ट लेट ट्रांजिशनमेटल कॉम्प्लेक्सेस विथ छ. एरिलिमिडोइलएमीडीन एण्ड अदर न्यूट्रल सिंह शेलेटिंग लीगेण्ड्स	डॉ. संजय सिंह	डी.एस.टी.	3 वर्ष	19,95,200.00	14,00,000.00
8.	डी.एस.टी. -10-0012	सिंथेसिस, कैरैक्टराइज़ेशन एण्ड एग्रीकेयान स्टडीज़ ऑन प्रायोन ऑक्टापेप्टाइड एण्ड इट्स कोवेलेण्टली – लिंक्ड ऑलिगोमर्स	डॉ. मिली भट्टचार्य	डी.एस.आी. फास्ट ट्रैक	3 वर्ष	16,68,000.00	15,23,000.00

9.	के.वी. पी. वाई.-10-0013	के. वी. पी. वाई फैलोशिप		डी.एस.टी.	3 वर्ष		छात्रवृति
10.	डी.एस.टी.-10-0014	को-क्रिस्टलाइज़ेशन ऑफ एक्टिव फार्मास्युटिक्ल इन्ग्रेडिएण्टस: पाथवे फॉर एन्हेन्सड प्रॉपर्टीज़	डॉ. अंशुमान रॉय चौधरी	डी.एस.टी.	3 वर्ष	19,31,000.00	18,74,000.00
11.	डी.एस.टी.-10-0015	स्टडीज़ ऑन ऑर्गनोमेटालि बेस्ड स्टीरियोसेलेक्टिव नॉनकार्बोहाइड्रेट सिंथेटिक स्ट्रेट्जी, टुवर्ड्स स्टीरियोडायवर्जेंट इमिनोशुगर्स, इमिनोशुर फॉस्फॉनेट्स, इमिनोशुगर सी-ग्लाइकोसाइड्स एण्ड इन्वेस्टिगेशन बायोलॉजिकल एक्टिविटीज़	डॉ. एस अरूलानन्दा बाबू	डी.एस.टी.	3 वर्ष	19,75,000.00	19,00,000.00
12.	डी.एस.टी.-11-0017	द Z-क्लासेज़ इन क्लासिकल ग्रुप्स	डॉ. के गोंगोपाध्याय	डी.एस.टी.	3 वर्ष	3,24,000.00	2,60,000.00
13.	डी.एस.टी.-10-0018	एक्सप्लोरिंग सरफेस पॉलीमर इन्टरेक्शन वाया सक्सटर्नल फोर्सिंग ऑफ द पॉलीमर	डॉ. राजीव कापड़ी	डी.एस.टी.	3 वर्ष	5,04,000.00	4,40,000.00
14.	डी.बी.टी .-11-0021	स्ट्रक्चर-फंक्शन स्टडीज़ ऑन विब्रियों कॉलेरी साइटोलाइसिन, ए मेम्ब्रेन डैमेजिंग पोरफॉर्मिंग टॉक्सिन	डॉ. कौशिक चट्टोपाध्याय	डी.बी.टी	3 वर्ष	62,64,400.00	5,34,04,610.00
15.	डी.बी.टी.-11-0022	मोलेक्युलर जनेटिक एनालिसिस ऑफ माईटोकॉन्ड्रियल रेग्युलेशन ऑफ सेल ग्रोथ इन ड्रोसोफिला	डॉ. सुदीप मण्डल	डी.बी.टी.-	3 वर्ष	67,24,000.00	51,94,000.00
16.	मैक्स.-11-00123	ट्रोपोस्फेयरिक ब्रः रिएक्टिविटी एण्ड टब्ब मैज़रमेण्ट्स विदइन इण्डिया	डॉ. विनायक सिन्हा	Max Planck-डी.एस.टी.	3 वर्ष		

क्र. सं	परियोजना क्रमांक	नाम	प्रमुख अन्वेषक	अनुदान संस्था	अवधि	स्वीकृत राशि	प्राप्त राशि
17.	डी.एस.टी.-10-0024	मेटल ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क्स कॉम्प्रोमाइज्ड ऑफ़ डाइ-मेटल एण्ड मल्टी-एटम ऑर्गेनिक लिंकर्स	डॉ. संजय मण्डल	डी.एस.टी.	3 वर्ष	36,36,000.00	22,76,000.00
18.	डी.ए.ई. .-10-0025	ए स्टडी ऑफ वैल्यूड फील्डस एण्ड इरिडॅयजिबल पॉलीनॉमियल्स	डॉ. एस. के. खण्डूजा	डी.ए. ई.	1 वर्ष	3,99,100.00	3,99,100.00
19.	डी.एस.टी.-10-0026	क्वाण्टम हीट इंजिन्स : वर्क, एन्ट्रॉपी एण्ड इन्फॉर्मेशन एढ द नैनोस्केल	डॉ. आर एस जोहल	डी.एस.टी.	3 वर्ष	13,56,000.00	10,00,000.00
20.	डी.एस.टी.-10-0027	एन इम्पिरिकल असेसमेंट ऑफ द रोल ऑफ इंटरसैक्सुअल कॉन्फ्लिक्ट इन लाइफ हिस्ट्री इवेल्यूशन	डॉ. एन जी प्रसाद	डी.एस.टी.	3 वर्ष	33,01,000.00	24,50,000.00
21.	डी.एस.टी.-10-0028	डेवेलपमेण्ट ऑफ नोवेल N-मेट्रोसाइक्लिक कार्बिन्स एण्ड देयर एप्लीकेशन इन ऑर्गनो एण्ड ऑर्गनोमेटेलिक कैटालिसिस	डॉ. आर विजया आनंद	डी.एस.टी.	3 वर्ष	18,05,000.00	12,85,000.00
22.	डी.बी.टी.-11-0029	सिस टी.बी.: ए नेटवर्क प्रोग्राम फॉर रिज़ोलिवंग द इन्ट्रासेल्युलर डयनेमिक्स ऑफ होस्ट पैथोजन इन्टरेक्शन इन टी.बी. इन्फेक्शन	डॉ. सुदेशणा सिन्हा	डी.बी.टी.	3 वर्ष	41,28,000.00	12,38,098.00
23.	डी.बी.टी.-11-0020	स्टडी ऑफ विब्रिओ कोलेरी पोरिन ompU टुवर्ड्स एल्युसिडेटिंग इट्स रोल इन होस्ट इम्युनोमॉडयुलेशन	डॉ. अरूणिका मुखोपायायध	डी.बी.टी.	3 वर्ष	50,20,000.00	36,08,400.00
24.	डी.बी.टी.-11-0031	इन्वेस्टिगेशन इन्टु द सल्फर एसिमिलेटरी पाथवेज़ ऑफ कैण्डिडा एलकिान्स	डॉ. आनंद के. बछावत	डी.बी.टी.	3 वर्ष	20,75,000.00	20,91,899.00

क्र. सं	परियोजना क्रमांक	नाम	प्रमुख अन्वेषक	अनुदान संस्था	अवधि	स्वीकृत राशि	प्राप्त राशि
25.	डी.एस.टी.-12-0032	एल्युसिडेटिंग द रोल ऑफ 5–ऑक्सोपोलिनेसिस इन सैक्रोमाइसेस सेर्विसी इन द लाइट ऑफ द ट्रन्केट □—ग्लूटामाई । साइकिल ऑफ यीस्ट्स	डॉ. आनंद के बछावत	डी.एस.टी.	3 वर्ष	33,19,200.00	28,00,000.00
26.	डी.एस.टी.-12-0033	जे. सी. बोस फेलोशिप	डॉ. सोमदत्ता सिन्हा	डी.एस.टी.	5 वर्ष	68,00,000.00	24,90,000.00
27.	इन्सपायर -12-0034	इन्सपायर फैकल्टी अवार्ड	डॉ. महेन्दर सिंह	डी.एस.टी.	5 वर्ष	2,607,920.00	26,07,920.00
26	डी.एस.टी.-12-0035	लिक्विड क्रिस्टल नैनोक्रिस्टल – ए न्यू रिसोर्स ऑफ फंक्शनल सॉफ्ट मैटेरियल्स फॉर नैनोसांइसेज	डॉ. शान्तनु कुमार पाल	डी.एस.टी.	3 वर्ष	26,55,000,00	25,75,000.00
29.	जे.सी.बी. डी. एस.टी.-12-0036	जे. सी. बोस फेलोशिप	डॉ. आनंद के. बछावत	डी.एस.टी.	5 वर्ष	68,00,000.00	34,60,000.00
30.	डी.बी.टी.-11-0037	आइडेंटफिकेशन एण्ड कैरेक्टराइज़ेशन ऑफ सेल टाइप स्पेसिफ़िक ट्रांसक्रिप्शन फक्टर्स फ्रॉम एराबिडोप्सिस स्टम सेल नीश टु कंस्ट्रस्ट ए जीन रेग्युलेटरी नेटवर्क	डॅ. किशोर यादव	डी.बी.टी.	3 वर्ष	41,81,000.00	36,71,000.00
31.	डी.बी.टी.-11-0038	डिसायफ़रिंग द फंक्शन ऑफ क्लॉडिन्स इन द नर्वस सिस्टम	डॉ. कविता बाबू	डी.बी.टी.	3 वर्ष	41,19,000.00	37,41,000.00
32.	आर.जे.एन.-12-0039	रामानुजन फेलोशिप	डॉ. गौतम शीत	डी.एस.टी.	5 वर्ष	73,00,000.00	42,60,000.00
33.	डी.बी.टी.-12-0040	आइडेंडिफिकेशन एण्ड कैरेक्टराइजेशन ऑफ सेल टाइप स्पेसिफिक ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर्स फ्रॉम एराबिडोप्सिस स्टम सेल नीश टु कंस्ट्रक्ट ए जीन रेग्युलेटरी नेटवर्क	डॉ. राम किशोर यादव	रामलिंगस्वामी डी.बी.टी.-	5 वर्ष	74,50,000.00	45,86,452.00

क्र. सं	परियोजना क्रमांक	नाम	प्रमुख अन्वेषक	अनुदान संस्था	अवधि	स्वीकृत राशि	प्राप्त राशि
34.	डी.बी.टी.-12-0041	सेल टाइप–स्पेसिफिक रोल ऑफ होमर प्रोटीन्स इन साइनेप्टिक प्लास्टिसिटी	डॉ. समरजीत भट्टाचार्य	डी.बी.टी.	3 वर्ष	54,19,800.00	4,69,500.00
35.	डी.बी.टी.-12-0042	टुवर्ड्स अन्डरस्टैन्डिंग द मैकेनिज्म ऑफ एंटीजेनिसिटी	डॉ. कविता बाबू	वैलकम डी.बी.टी.	6 वर्ष	3,43,26,491.00	206,83,531.00
36.	डी.बी.टी.-12-0043	रोल ऑफ स्मॉल जी टी पी – बाइण्डिंग प्रोटीन्स इन रेग्युलेटिंग लाइसोसोमल ट्रैफिकिंग एण्ड माइक्रोबियल किलिंग	डॉ. महक शर्मा	वैलकम–डी.बी.टी	6 वर्ष	3,27,11,140.00	22,845,438,00
37.	डी.ए.ई.-12-0044	पैसिव सेंसर मैटेरियल्स बेस्ड ऑन क्रिस्टल्स	डॉ. शान्तनु कुमार पाल	डी.ए.ई.	3 वर्ष	16,50,000.00	15,97,259.00
38.	डी.एस.टी.-12-0045	लॉजिकल एप्रोचेज़ टु द एनोशियोसेलेक्टिव सिंथेसिस ऑफ बायोलॉजिकली एक्टिव कम्पाउण्ड्स	डॉ. एस. वी. रामशास्त्री	डी.एस.टी.	3 वर्ष	25,25,000.00	11,35,000.00
39.	डी.बी.टी.-12-0042	एन इन्वेस्टिगेशन ऑन द रोल ऑफ ट्रास्क्रिप्शन फैक्टर्स ाबसांए थ्वगछ4ए ंपब2इ एण्ड टयूमर सप्रेसर च्ज्छ इन रेटिना रिजेनेरेशन एण्ड फंक्शनल एनालिसिस ऑफ प्लुरिपोटेंसी फैक्टर्स इन द रटिनल स्टेम सैल्स	डॉ. राजेश रामचन्द्रन	वैलकम – डी.बी.टी.	5 वर्ष	3,23,95,132.00	3,03,94,415.00
40.	डी.एस.टी.-12-0047	फब्रिकेशन ऑफ मेज़ोस्कोपिक इलेक्ट्रोमेकेनिकल सिस्टम्स फॉर अल्ट्रा लो टेम्प्रेचर स्टडीज़	डॉ. अनंत वेंकटेशन	डी.एस.टी.	3 वर्ष	2,50,11,200.00	2,26,61,600.00
41.	डी. ए. ई. -12-0048	ए स्टडी ऑफ पॉलीनॉमियल्स ओवर वैल्यूउ फील्ड्स	डॉ. एस. के. खण्डूजा	डी. ए. ई	3 वर्ष	1,89,500.00	1,58,204.00

क्र. सं	परियोजना क्रमांक	नाम	प्रमुख अन्वेषक	अनुदान संस्था	अवधि	स्वीकृत राशि	प्राप्त राशि
42.	डी.एस.टी.-12-0049	रेग्युलेशन ऑफ आर. एन. ए. स्प्लाइसिंग	डॉ. श्रवण के मिश्रा	मैक्स प्लांक – डी.एस.टी.	3 वर्ष	40,50,000.00	27,00,000.00
43.	डी.एस.टी.-12-0050	इन्वैरिएण्ट्ए एण्ड ग्रुप एक्शन्स ऑन मैनीफोल्डस	डॉ. महेन्दर सिंह	डी.एस.टी.	3 वर्ष	2,16,000.00	1,63,000.00
44.	आई.सी.एस.-13-0051	कन्स्ट्रक्टिंग द नेशन : एन एन्थ्नोग्राफिक अकाउण्ट ऑफ माइग्रेन्ट लैबर ऑन द इन्डो – तिब्बतन बॉर्डर रोड्स	डॉ. अनु सभलोक	आई.सी.एस. एस.आर.		7,00,000.00	5,95,000.00
45.	डी.एस.टी.-12-0052	डायनेमिक्स ऑफ नॉन – स्मूद मॉडल इन इकोलॉजी	डॅ. सोमा डे	डी.एस.टी. फास्ट ट्रैक	3 वर्ष	16,36,000.00	5,79,000.00
46.	डी.एस.टी.-13-0053	कॉस्मोलॉजिकल पैरामीटर्स : ऑब्जर्वेशनल आस्पेक्ट्स एण्ड थ्योरेटिकल इश्यूज़	डॉ. हरविंदर के जस्सल	डी.एस.टी.	3 वर्ष	16,44,000.00	8,80,000.00
47.	डी.एस.टी.-13-0054	नेशनल नेटवर्क फॉर मैथेमेटिकल एण्ड कम्प्युटेशनल बायोलॉजी	डॉ. सोमदत्ता सिन्हा	डी.एस.टी.	3 वर्ष	49,37,000.00	16,00,000.00
48.	डी.एस.टी.-13-0055	मैग्नेटिल मोमेण्ट्स ऑफ द N – एन लो लेयिंग नेगेटिव पैरिटी बैरिओन्स	डॉ. नीतिका	डी.एस.टी. फास्ट ट्रैक	3 वर्ष	18,12,000.00	16,00,000.00
49.	डी.एस.टी.-13-0056	नॉट, ब्रेडस एण्ड ऑटोमॉर्फिज्म ग्रुप्स	डॉ. के. गोंगो पाध्याय	डी.एस.टी.	3 वर्ष	30,42,450.00	16,71,950.00
50.	डी.एस.ई.-13-0057	कॉम्प्लेक्स हाइअरबोलिक क्वासी – फश्चियन ग्रुप	डॉ. के. गोंगो पाध्याय	डी.ए.ई.	3 वर्ष	6,86,900.00	1,14,500.00
51.	डी.एस.टी.-13-0058	इवोल्यूशन ऑ गैलेक्सीज एण्ड द लार्ज – स्केल एनवायर्न्मेण्टस	डॉ. स्मृति महाजन	डी.एस.टी. फास्ट ट्रैक	3 वर्ष	18,72,000.00	7,10,000.00
52.	डी.बी.टी.-14-0059	केनोरहेबडीटिस एलिगेंस में दीर्घ कालिक साहचर्य स्मृति: सी आर ई बी – 1 आश्रित जीन की भूमिका	डॉ. योगेश दहिया	डी.बी.टी.	4 वर्ष	26,37,600.00	2,669,913.00

क्र. सं	परियोजना क्रमांक	नाम	प्रमुख अन्वेषक	अनुदान संस्था	अवधि	स्वीकृत राशि	प्राप्त राशि
53.	डी.एस.टी.-14-0060	स्पिन तरल और इलैक्ट्रॉनिक सहसंबंध, स्पिन की कक्षा युग्मन और ज्यामितीय चुंबकीय हताशा के बीच एक परस्पर क्रिया से उत्पन्न होने वाले अन्य उपन्यास जीमन राज्यों के लिस खोजें ।	डॉ. योगेश सिंह	डी.एस.टी.	3 वर्ष	26,37,600.00	9,00,000.00
54.	सी.आर.एफ.एस-14-0061	एम उपन्यास आनुवंशिक स्क्रीन का उपयोग करके बलेजपदवेपद ट्रांसपोर्टर आनुवंशिक और जैव रासायनिक जांच	डॉ. आनंद के बदावत	सी आर एफ एस	2 वर्ष	82,500	1,264,106.00
55.	इन्सपायर.-14-0062	इन्सपायर संकाय पुरस्कार	डॉ. सुधांशु शेखर	इन्सपायर	5 वर्ष	9,500,000.00	1,900,000.00
56.	डी.एस.टी.-14-0063	प्रोटीन amyloids की नैनो बायोफिज़िक्स nanoparticle आधारित superstrutures बनाने	डॉ. एम भट्टाचार्य	डी.एस.टी.	3 वर्ष	24,80,000.00	920,000.00
57.	एम.एच.आर.डी.-14-0064	स्थापना के केन्द्रों की उत्कृष्टता के लिए प्रशिक्षण और विज्ञान और प्रौद्योगिकी (फास्ट) के सीमांत क्षेत्रों में अनुसंधान	प्रो. पूर्णानंद गुपता शर्मा	एम.एच.आर.डी.	3 वर्ष	400,00,000.00	15,000.00
58.	डी.एस.टी.-14-0065	चा सी 1 प्रोटीन का उपयोग खमीर एपोप्टोसिस में हसनजंजीपवदम कमी और कैल्शियाम हेमोस्टेटिस के बीच लिंग	डॉ. आनंद के बछावत	डी.एस.टी.	3 वर्ष	52,82,000.00	2,000,000.00

क्र. सं	परियोजना क्रमांक	नाम	प्रमुख अन्वेषक	अनुदान संस्था	अवधि	स्वीकृत राशि	प्राप्त राशि
59.	डी.एस.टी.-14-0066	उपन्यास इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों और उनके नैनोसंरचित पर स्पेक्ट्रोस्कोपी और subnanometer की लंबाई के लिए नीचे इमेजिंग उपकरणों तराजू	डॉ. गौतम शीत	डी.एस.टी.	3 वर्ष	456,33,200.00	969,000.00
60.	डी.बी.टी.-14-0067	डीओपी-2 और गाबा Caenorthabiditis एलिगेंस में संकेत	डॉ. प्रतिका पाडेय	डी.बी.टी.	3 वर्ष	38,70,000.00	1,280,000.00
61.	डी.एस.टी.-14-0068	गाँठ Invariants और ज्यामितीय कई गुना	डॉ. के. गोंगो पाध्याय	डी.एस.टी.	2 वर्ष	4,52,000.00	200,000.00
62	सी.एस.आई.आर-14-0069	जांच आंतों का बैक्टीरिया में chromosomally इनकोडिंग कई एंटीबायोटिक प्रतिरोध (मार्च) के नियमन में एक उपन्यास नियामक की भूमिकाए	डॉ. रचना चाबा	सी.एस.आई.आर.	3 वर्ष	22,00,000.00	572,000.00
63.	डी.एस.टी.-14-0070	स्वायत्त के स्व बढ़नेवाला तंत्र	डॉ. दीपांजन चक्रर्ती	डी.एस.टी.	3 वर्ष	36,10,000.00	2,650,000.00
64.	इन्सपायर -14-0071	इन्सपायर संकाय पुरस्कार	डॉ. आनंदम इन्सपायर बनर्जी	इन्सपायर	3 वर्ष	9,500,000.00	19,00,000.00
65.	इन्सपायर -14-0071	इन्सपायर संकाय पुरस्कार	डॉ. लक्ष्मी नारायणन विश्वनाथन	इन्सपायर	5 वर्ष	9,500,000.00	19,00,000.00
66.	डी.बी.टी.-14-0072	स्ट्रक्चरल और आण्विक शुरूआत, प्रचार में इनसाइट्स और एक खमीर Prion निर्धारक के विनियमन	डॉ. एस मुखोपाध्याय	डी.बी.टी.	3 वर्ष	85,57,200.00	5,260,400.00

क्र. सं	परियोजना क्रमांक	नाम	प्रमुख अन्वेषक	अनुदान संस्था	अवधि	स्वीकृत राशि	प्राप्त राशि
67.	10-डी.एस.टी.-आर.जे.एन F.1	रामानुजन फेलोशिप	डॉ. कमल पी. सिंह	डी.एस.टी.	5 वर्ष	73,00,000.00	64,70,000.00
68.	10-डी.बी.टी.-ए.एल.एल. F.2	वेलकम- डी.बी.टी. एलायंस	डॉ. लोलितिका मण्डल	वेलकम-डी.बी.टी.	6 वर्ष	3,49,37,689.00	2,77,59,899.00
69.	10-डी.एस.टी.-जे.सी.बी.. F.3	जे. सी. बोस फेलोशिप	डॉ. कपिल एच. परांजपे	डी.एस.टी.	5 वर्ष	68,00,000.00	3,2,20,000.00
70.	10-डी.एस.टी.-आर.जे.एन.. F.6	रामानुजन फेलोशिप	डॉ. वेंकटेशन	डी.एस.टी.	5 वर्ष	73,00,000.00	64,60,000.00
71.	11-डी.एस.टी.-आर.जे.एन.. F.7	रामानुजन फेलोशिप	डॉ. योगेश सिंह	डी.एस.टी.	5 वर्ष	73,00,000.00	55,60,000.00
72.	11-डी.एस.टी.-आर.जे.एन.. F.8	रामानुजन फेलोशिप	डॉ. संजीव कुमार	डी.एस.टी.	5 वर्ष	73,00,000.00	55,40,000.00
73.	डी.बी.टी—11-F.10	डी.बी.टी. अनुसंधान एसोसिएटशिप	डॉ. अरूणिका मुखोपाध्याय	डी.बी.टी.	1 वर्ष	366,800.00	366,800.00
74.	एस पी-14-01	दो यौगिकों के crystallizing और विश्लेषण / स्थापना क्रिस्टल संरचना	डॉ. अंशुमान रॉय चौधरी		3 वर्ष	275,000.00	76,500.00

परिसर की गतिविधियों और विकास



इस वर्ष संस्थान परिसर छात्रों और संकाय सदस्यों दोनों के लिए आवश्यक सुविधाओं हेतु अनेक विकास कार्यों का साक्षी रहा है ।



खेल परिसर - खेल परिसर छात्रों के लिए एक बहुत ही आवश्यक सुविधा थी । इस वर्ष ने कुल 750 वर्गमीटर से अधिक के क्षेत्र वाले खेल परिसर का निर्माण कार्य को सफलतापूर्वक पूरा हुआ । परिसर की सुविधाओं में स्टेडियम छत, एथलेटिक्स के लिए ग्रीन टैक, दो बास्केटबॉल कोर्ट, दो लॉन टेनिस कोर्ट, दो वालीबाल कोर्ट, और एक फुटबाल मैदान शामिल हैं । कोर्ट पर राज्य स्तरीय प्रकाश व्यवस्था के साथ सिंथेटिक टर्फ की व्यवस्था, मैदान पर चार हाई मास्ट लाइटें - दो किलोवाट की आठ लाइटें, कुल मिलाकर 16 किलोवाट की लाइटें मौजूद हैं । श्री सुखबीर सिंह ग्रेवाल, निदेशक, प्रशिक्षण और पाठ्यचर्या, पंजाब खेल संस्थान, ने हमारी सुविधाओं के देखने के बाद तृतीय भा. वि. शि. अ. सं. खेल स्पर्धा का उदघाटन करते समय यह टिप्पणी की भा. वि. शि. अ. सं. मोहाली में सृजित क गई खेल-कूद की सुविधाएं क्षेत्र के शैक्षणिक संस्थानों में संभवत: सर्वोत्तम में से एक है ।

सामुदायिक केन्द्र : इस अवधि में शॉपिंग कॉम्प्लेक्स



के निकट एक सामुदायकि केन्द का निर्माण कार्य भी पूरा किय गया है । इसमें बहु-प्रयोजन हॉल, एक शिशु-सदन, एक जिम और एक खुला लॉन शामिल हैं।

स्वास्थ्य केन्द्र : स्वास्थ्य केन्द्र केन्द्रीय विश्लेषणात्मक सुविधा के निकट पेड़ों के पीछे कुद ही दूरी पर सक्रिय हो गया है और हमारे चिकित्सा अधिकारी दो नर्सो की एक टीम के साथ इस नए केन्द्र में आ गए हैं ।

आवासी एम के ब्लॉक : आवासीय परिसर की अस्थायी अनुपलब्धता के पश्चात् अब 24 तीन बेडरूम फ्लैट के साथ आवासीय एम. के ब्लॉक का निर्माण कार्य सम्पन्न हो चुका है ।

पुस्तकालय : पुस्तकालय 1 जनवरी, 2015 को नए सूचना विज्ञान केन्द्र में पहुंचकर एक महत्वपूर्ण संगेमील को पार कर गया । सूचना विज्ञान भवन में एक संरचना के भीतर तीन केन्द्र मौजूद हैं - क्लस्टर कंपयूटर केन्द्र, अभिगम केन्द्र और सूचना विज्ञान केन्द्र (पुस्तकालय) । सात मंजिले भवन में प्रवेश द्वार तीन तरफ से है जोकि पाठकों के लिए सुखद, आकर्षक और स्वागत करने योग्य परिवेश के अनुकूल है । दोगुनी ऊंचाई वाले भव्य प्रवेश द्वार से, जिसके पार्श्व दीवारों पर भित्ति चित्र के साथ रोशनदान बने हुए हैं, प्रवेश किया जा सकता है । भव्य प्रवेश द्वार से, एक हिस्सा क्लस्टर कंप्यूटर केन्द्र के लिए चला जाता है, एक पहली मंजिल पर अध्ययन केन्द्र के लिए, जिसके लिए सीढ़ियां बनी हुई है और लिफ्ट लगी हुई है, और भव्य प्रवेश द्वार का तीसरा भाग सातवीं मंजिल पस्थित 'स्काई लाइब्रेरी' की ओर जाता है और इसमें विभिन्न मंजिलों प अनेक तरह के फर्नीचर, संसाधन और सेवाएं उपलब्ध हैं । पुस्तकालय 'लर्निंग कॉमन्स' की अवधारण से विकसित किया गया है और पाठक उत्साह से इसका स्वागत करते हैं । यह पुस्तकालय को

पारंपरिक अवधारणा से आगे ले जाता है । इस विषय ने शिक्षण और अभिगम में सामूहिक कार्य को समायोजित तथा संचारित करने के लिए पाठकों को स्थान भी उपलब्ध करता है । इस प्रकार पुस्तकालय का उद्देश्य अभिगम स्थान सृजन: का केन्द्र बनना और अनुसंधान और शिक्षा के स्परूप में परिवर्तनों को प्रतिबिंबित करना है । इस विषय को ध्यान में रखकर स्थान का सुंदर ढंग से और उपयोगकर्ताओं के अनुकूल रूप में उपयोग किया गय है । विभिन्न विषयों पर पुस्तकें विभिन्न मंजिलों पर व्यवस्थिति की गई हैं । नेटवर्किंग, वाईफाई और मल्टीमीडिया के सिाथ डेस्कटॉप भी उपलब्ध है । सभी तलों पर समान रूप से आकर्षक और आरामदायक बैठने की व्यवस्था के साथ विशाल खुली जगह, अपने अकादमिक और शोध संबंधी विषयों पर संवाद के लिए संकाय और छात्रों के लिए चर्चा कक्ष, बोलकर बढ़ने के लिए विद्यार्थियों के लिए या छात्र समूहों द्वारा चर्चा के लिए सामूहिक अध्ययन कक्ष, पीएचडी छात्रों के लिए शोधार्थी जोन, इंटरेक्टिव डिजिटल बोर्डो के साथ स्मार्ट कक्ष, संगोष्ठी पूर्वाभ्यास कक्ष, जहां छात्र बोर्ड पर अनसुलझे प्रश्नों को छोड़ कर सकते हैं और संकाय / साथियों से अलग-अलग समाधान प्राप्त कर सकते हैं, प्रिंटिंग / फोटोकॉपी करने की केन्द्रीय सुविधा, ऑडियों विजुअल क्षेत्र, कैफेटेरिया इस पुस्तकालय के कुछ विशिष्ट पहलू है ।



आंतरिक भाग को खूबसूरती से 16 भारतीय भाषा लिपियों में कविताओं के साथ सज्जित किया गया है जिनके अर्थ अंग्रेजी में और लेखकों के नाम, और सार्थक उद्धरण दिए गए हैं । सूचना विज्ञान केन्द्र की अन्य विशेषताओं में कांच के विभाजन पर वैज्ञानिक चित्र और मानचित्र, जहां वैज्ञानिक जानकारी प्रदान की गई है, सुंदर पेंटिंग, प्राकुतिक पौधे, साउंड प्रूफ विभाजन, ऑनलाइन सूची प्राप्त करने के लिए एनरॉयड सूचना कियोसक के साथ टच स्क्रीन, प्रत्येक तल पर तलवार मानचित्र, नवीनतम समाचार या भा. वि. शि. आ. सं. मोहाली, के प्रकाशन के लिए एलईडी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर समाचार क्लिपिंग, अभिलेखागार को संरक्षित करने और संस्थान के इतिहास पेश करने के लिए वाक-थ्रू-इंस्टीट्यूट, संस्थान का मॉडल, संस्थान की फोटो कैलरी, संस्थान की वस्तुएं, लघु शोध प्रबंध, सीडी, छात्रों में सृजनात्मक क्रिया-कलापो को बढ़ावा



देने के लिए छात्रों की पेंटिंग का प्रदर्शन, शैक्षिक और वैज्ञानिक और डिजिटल सामग्री को आदान-प्रदान करने के लिए दृश्य-श्रव्य और मल्टीमीडिया की सुविश तथा खुले आसमान और छत उद्यान के साथ प्रकाश युक्त पढ़ने का स्थान शामिल है ।

कंप्यूटर केन्द्र : कंप्यूटर केन्द्र अपने इच्छित स्थान, सूचना विज्ञान भवन में पर ले जाया गया है । वर्ष 2011-2014 कंप्यूटर केन्द्र और कंप्यूटर प्रयोगशाला को 'दर्शक दीर्घा' के लिए निर्दिष्ट स्थान पर केन्द्रीय विश्लेषणात्मक सुविधा वाले भवन में स्थापित किया गया था ।

सूचना विज्ञान केन्द्र भवन में कंप्यूटर केन्द्र के लिए बने स्थान में दो कंप्यूटर प्रयोगशाला शामिल है जिसमें प्रत्येक के लिए 60 टर्मिनल लगे हुए हैं । ?

इसके अलावा, सर्वर और उच्च निष्पादन अभिकलन सुविधा को स्थापित करने के लिए स्थान मौजूद है । संस्थान की दीर्घकालिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बुनियादी सुविधाओं को डिजाइन किया गया है ताकि हम भविष्य में कई उच्च निष्पादन वाली अभिकलन सुविधाओं की मेजबानी कर सकें ।

पशु सुविधा : एक अत्याधुनिक पशु सुविधा लगभग पूरी होने वाल है और हम उम्मइी करते हैं कि यह आने वाले वर्ष में आरम्भ हो जाएगी ।

घटनाएं, अवसर व विशेष व्याख्यान





आई आई एस ई आर. मोहाली का तृतीय दीक्षांत समारोह

आई आई एस ई आर. मोहाली का तृतीय दीक्षांत समारोह 23 मई 2014 को आयोजित किया गया था । डॉ. कस्तूरीरंगन, सदस्य, योजना आयोग इसके मुख्य अतिथि थे और प्रोफेसर के. के. तलवार, अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स ने समारोह की अध्यक्षता की ।

आई आई एस ई आर. मोहाली स्थापना दिवस :

आई आई एस ई आर. मोहाली स्थापना दिवस 27 सितंबर, 2014 को मनाया गया था । डॉ. के. विजयराघवन, सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार ने 'न्यूरोसाइंस और भारत के लिए चुनौतियां' विषय पर व्याख्यान दिया । स्थापना दिवस के अवसर पर स्कूली बच्चों के लिए दिन भर गतिविधियां और प्रतियोगिताएं आयोजित की गई । इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. विजयराघवन द्वारा पुरस्कार भी वितरित किए गए ।

नोबेल पुरस्कार 2014 पर सत्र : 15 नवम्बर 2014

डॉ. सम्राट मुखोपाध्याय ने रसायन विज्ञान के लिए 2014 में नोबेल पुरस्कार प्राप्त वैज्ञानिकों एरिक बेजिग्क, स्टीफन डब्ल्यू हेल और विलियम ई. मोएर्नर के शोध कार्य पर व्याख्यान दिया ।

डॉ. समरजीत भट्टाचार्य ने चिकित्सा विज्ञान के लिए 2014 में नोबेल पुरस्कार प्राप्त वैज्ञानिकों जॉन ओ. कीफे, में – ब्रिट मोजर और एडवर्ड मोजर के शोध कार्य पर व्याख्यान दिया ।

डॉ. अनंत वेंकटेशन ने भौतिक विज्ञान के लिए 2014 में नोबेल पुरस्कार प्राप्त वैज्ञानिकों इसामू आकासाकी, हिरोशी अमानो और शूजी नाकामुरा के शोध कार्य पर व्याख्यान दिया ।

डॉ. अनु सभलोक ने नोबेल शांति पुरस्कार 2014 विजेता कैलाश सत्यार्थी और मलाला युसुफजई के बच्चों और युवाओं के दमन के खिलाफ उनके संघर्ष कार्य पर व्याख्यान दिया ।

गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस समारोह 2014



शिक्षक दिवस समारोह और सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार

संस्थान में 5 सितंबर 2014 को शिक्षक दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में गणितीय विज्ञान विभाग के डॉ. अमित कुलश्रेष्ठ को संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट योगदान हेतु सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार प्रदान किया गया ।

सार्वजनकि व्याख्यान :

29 अक्टूबर, 2014

प्रो. पार्थ पी मजूमदार, निदेशक, नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ बायोमेडिकल जीनोमिक्स, कल्याणी, पश्चिम बंगाल ने ओरल कैंसर जीनोम विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया और इस बात पर चर्चा की कि कैंसर कैसे एक आनुवंशिक बीमारी है । उन्होंने कैंसर के विकास की अवधारणा और इस विकासात्मक प्रक्रिया में शामिल डीएनए के परिवर्तनों की व्याख्या की । इसके बाद उन्होंने डीएनए में उन परिवर्तन के अभिनिर्धारण पर, जो कि मुख के कैंसर से जुड़ा हुआ है, हाल के परिणामों का भी उल्लेख किया ।

17 नवंबर, 2014

जनमत सर्वेक्षण की शक्ति और सीमाएं

प्रोफेसर राजीव एल. करंदीकर, निदेशक, चेन्नई गणितीय संस्थान, चेन्नई

प्रोफेसर राजीव करंदीकर ने अपनी बात में यह प्रश्न उठाया कि किस प्रकार से 30,000 मतदाताओं का मत प्राप्त करना 60 करोड़ से अधिक मतदाताओं वाले देश में एक चुनाव के परिणाम की भविष्सवाणी करने के लिए पर्याप्त हो सकता है और यदि जनमत सर्वेक्षण चुनाव से एक महीना पहले किया जाता है तो मतदान के दिन क्या होगा, इसका कैसे सही–सही पूर्वानुमान लगाया जा सकता है । उन्होंने इस तरह के सवालों को संबोधित किया और यह दर्शाया कि सरल गणित और सांख्यिकी, ढेर सारी सामान्य सूझ–बूझ और जमीनी हकीकत की अच्छी समझ या क्षेत्र के ज्ञान के साथ जनमत सर्वेक्षणों और एक्जिट पोल के आधार पर चुनाव के परिणाम का बहुत अच्छा पूर्वानुमान या भविष्यवाणी की जा सकती है । उन्होंने पिछले 15 वर्षों के जनमत सर्वेक्षणों और एक्जिट पोल के अपने अनुभवों को सांझा भी किया ।

12 दिसंबर, 2014

प्रो. टी. पद्मनाभन, आईयूसीएए, पुणे में विशिष्ट प्रोफेसर और डीन

प्रो. टी. पद्मनाभन, ने यह स्पष्ट किय कि कैसे गुरुत्वाकर्षण की पारस्परिक क्रियाएं, मानव द्वारा अनुभव किए गए संभवत: सबसे प्राचीन बल होने के बावजूद, एक रहस्य बना हुआ है ।



गुरुत्वाकर्षण की समझ में बड़ा बदलाव 1915 के आसपास आइंस्टीन के सामान्य सापेक्षता के सिद्धांत के साथ आया था । परन्तु यह तथ्य कि सामान्य सापेक्षता और क्वांटम सिद्धांत का एक साथ सीवनजीन रूप से आमेलित न होना यह संकेत करता है कि संभावित रूप से एक और महत्वपूर्ण बदलाव की आवश्यकता है । हाल के अध्ययनों ने यह दर्शाया है कि गुरुत्व एक उभरती हुई परिघटना, जैसे उदाहरण के लिए, द्रव यांत्रिकी या प्रत्यास्थता, हो सकती है और गुरुत्व के प्रकृति पर बहुत ही अलग परिप्रेक्ष्य की ओर ले जा सकती है । अंत में, उन्होंने इस बात का ऐतिहासिक दृष्टिकोण भी प्रस्तुत किया कि किस प्रकार गुरुत्वाकर्षण के बारे में हमारी समझ का विकास हुआ है और इस विषय में हाल के परिणामों में से कुछ का वर्णन भी किया ।

13 मार्च, 2015
शिक्षण और अनुसंधान में नवीनता लाना : उच्च शिक्षा से व्यवसाय को क्या अपेक्षा है ?

प्रोफेसर सुरेश भार्गव, उन्नत सामग्री और औद्योगिक रसायन विज्ञान केन्द्र, विज्ञान कॉलेज, आर एम आई टी विश्वविद्यालय में इंजीनियरी और स्वासथ्य, मेलबोर्न, ऑस्ट्रेलिया ।

प्रोफेसर भार्गव ने अपनी वार्ता में इस विषय पर बात की कि किस प्रकार भारत में तेजी से बढ़ रहे वैश्वीकरण से प्रतियोगिता क एक नई लहर उभर रही है । उन्होंने स्पष्ट किय कि किस प्रकार व्यवसाय सत्त रूप से आश्चर्य करता है कि किस प्रकार गति और दक्षता के साथ विजयकारी पाठ्यक्रम को बनाए रखा जाए । उच्च शिक्षा स्नातकों की गुणवत्ता के कारण मुख्य प्रतिस्पर्धी लाभ से किसी व्यवसाय और समाज के लिए भी खेल को बदलने की भूमिका अदा कर सकती है । 'बात यह नहींह कि विगत या वर्तमान गलत है या शिक्षा गिर रही है ; बात यह है कि भविष्य भिन्न होगा ।' 21वीं सदी में नवाचार के बिना अनुसंधान का कोई अर्थ नहीं है । नवाचारी तरीके से शिक्षण और अभिगम के साथ अनुसंधान को जोड़ा जा सकता है । इस वार्ता में उन चुनौतियों और समाधानों पर चर्चा की गई कि किस प्रकार सफल उदाहरणों और नवाचार हब मॉडलों के द्वारा वास्तविक दुनिया में स्नातकों को तैयार किया जा सकता है ।

19 मार्च, 2014
गणित: प्रकृति की भाषा के रूप में एक ऐतिहासिक अवलोकन

प्रोफेसर एन. मुकुंदा, पूर्व प्रोफेसर, सैद्धांतिक अध्ययन केन्द्र, भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरू ।

प्रोफेसर मुकुंदा ने अपनी वार्ता में विगत चार शताब्दियों के दौरान गणित और आधुनिक विज्ञान के बीच बदलते हुए संबंधों के ऐतिहासिक तथ्यों की समीक्षा की ।

भौतिक विज्ञान पर ध्यान केन्द्रित करते हुए, उन्होंने विज्ञान के क्षेत्र में गैलीलियन - न्यूटनियन परंपर की स्थापना से प्रारंभ किया । गणित-भौतिकी विज्ञान के संबंध बीच के दो चरण वर्णित किये : पूर्ववर्ती स्थिति में प्रत्येक की प्रगति साथ-साथ चल रही थी : और बाद की स्थिति में कुछ दशकों के बाद नई गणितीय अवधारणाओं को भौतिक विज्ञान में प्रयोग किया जाने लगा । भौतिक नियमों को गणितीय सूत्रों के रूप में दर्शाने के उदाहरण भौतिक समझ से काफी पहले रेखांकित किए गए थे । भौतिक घटना को उद्धत करने में गणित की भूमिका के बारे में भी जान वाली कुछ सीख और गणित की प्रकृति के बारे में विचारों पर कैंटियन विचारों की पृष्ठभूमि में मानव ज्ञान की प्रकृति पर चर्चा की गई । दोनों के बीच के संबंधों की गहराई पर मास्टरों के उद्धरणों से जोर दिया गया और इसे स्पष्ट किया गया ।

26 मार्च, 2015
ऊर्जा सुरक्षा और संधारणीयता: बढतु हुए और महत्वाकांक्षी भारत के लिए दृष्टिकोण और प्राथमिकताएं
डॉ. बलदेव राज, निदेशक, राष्ट्रीय उन्नत अध्ययन संस्थान, बेंगलुरू ।

आउटरीच गतिविधियाँ



स्कूली विद्यार्थियों के लिए वैज्ञानिक गतिविधियाँ

भा.वि.शि.अ.सं. मोहाली के स्थापाना दिवस के उपलक्ष्य में 27 सितम्बर 2014 को संस्थान में स्कूली छात्रों के लिये विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. एन. जी. प्रसाद व डॉ. विनायक सिन्हा थे व छात्र संयोजक के रूप में श्री विवेक सागर, श्री श्रीजीत मुखर्जी व सुश्री ऋतु रॉयचौधरी का सहयोग रहा। इस अवसर पर लगभग 20 स्कूलों के 200 विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। संस्थान के विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। संस्थान



सीपना दिवस के अवसर पर सितम्बर 27, 2014 को सूक्ष्मदर्शी में देखता हुआ एक विद्यार्थी

के विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित विज्ञान व गणित सम्बन्धी प्रयोगों ने सभी आगन्तुको को अभिभूत कर दिया। समारोह के अन्त में सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार डॉ. के. विजयराघवन ने विजयी विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किए।

सामाजिक कीटों पर स्कूलों शिक्षकों हेतु दो दिवसीय कार्यशाला

विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के सम्बद्ध पर्यावरण व विकास सोसायटी के सहयोग से संस्थान ने



एन.टी.एस.ई. अध्येताओं हुतु कार्यक्रम के दौरान भौतिकी प्रयोगों का प्रदर्शन

मई 12–14, 2014 के दौरान सामाजिक कीटों पर स्कूली शिक्षकों हेतु दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में लगभग 30 शिक्षकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का आरम्भिक व्याख्यान प्रो. टी. आर. राव द्वारा प्रस्तुत किया गया। इसके अलावा डॉ. ऋतोबन रायचौधरी व डॉ. मंजरी जैन ने भी इस कार्यशाला में अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। अन्त में सभी शिक्षकों को प्रमाणपत्र व अन्य शैक्षणिक सामग्री प्रदान की गई।

कॉलेज शिक्षकों हेतु भौतिकी में पुनश्चर्या कार्यशाला

जुलाई 8–23, 2014 के दौरान संस्थान में कॉलेज शिक्षकों हेतु देश की तीन मुख्य विज्ञान अकादमियों द्वारा प्रायोजित भौतिकी पुनश्चर्या कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के निदेशक प्रो. आर. श्रीनिवासन व समन्वयक प्रो. अरविन्द थे। इस कार्यशाला के तीन प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार थे – (क) संस्थान में भौतिकी शिक्षण प्रयोगशाला को सुदृढ़ करना (ख) भौतिकी शिक्षण में हो रहे नवीन प्रयोगों से कॉलेज को अवगत (ग) स्थानीय तौर पर भौतिकी प्रयोगों को विकसित करने हेतु प्रोत्साहन।

इस कार्यशाला में संस्थान में विकसित किए गए भौतिकी प्रयोगों को भी प्रदर्शित किया गया, साथ ही संस्थान के भौतिकी विभाग के अनेक संकाय सदस्यों ने अपने–अपने शोध कार्य पर प्रकाश डालकर प्रतिभागियों को नवीनतम शोध–निष्कर्षो से भी अवगत कराया।

एन.टी.एस.ई अध्येताओं हेतु कार्यक्रम

संस्थान में एन.टी.एस.ई. अध्येताओं हेतु राष्ट्रीय अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद द्वारा प्रायोजित एक प्रोत्साहन कार्यशाला का आयोजन अक्टूबर 7–10, 2014 के दौरान किया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिकों ने प्रतिभागियों के साथ अपने अनुभव सांझा किए। विज्ञान के अनेक प्रायोगिक प्रदर्शनों ने प्रतिभागियों को विशेष रूप से आकर्षित किया।

पंजाब के शिक्षा काउंसलरों हेतु कार्यक्रम

संस्थान में पंजाब स्कूलों के जिला स्तरीय शिक्षा काउंसलरों हेतु फरवरी 05, 2015 को एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें कुल 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को विज्ञान में उपलब्ध अवसरों पर जानकारी देने के साथ–साथ ऐसा प्रयास किया गया कि यह सूचनाएं विद्यार्थियों को उपलब्ध हो सके। कार्यक्रम में फरीदकोट, गुरदासपुर, पठानकोट, बठिंडा, संगरूर, मोगा, लुधियाना, फ़ाजिल्का, तरन–तारन, फतेहगढ़ साहिब, मोहाली, फिरोजपुर, होशियारपुर, बरनाला, मुक्तसर, जालंधर, कपूरथला, पटियाला, मानसा, अमृतसर, शहीद भगत सिंह नगर व रोपड़ से आए प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।



संस्थान में भ्रमण के दौरान कॉलेज विद्यार्थियों का एक समूह

संस्थागत जानकारी डॉक्टरेट साथियों और स्नातक छात्रें के बारे



शासक मण्डल

डॉ. के. के. तलवार (अध्यक्ष)
पूर्व निदेशक, पीजीआईएमईआर, चण्डीगढ़ ।
श्री सत्यनारायण मोहंती, आई.ए.एस. (सदस्य),
सचिव (उच्च शिक्षा) उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार

श्री सर्वेश कौशल, आई. ए. एस. (सदस्य)
मुख्य सचिव, पंजाब लोक सचिवालय, चण्डीगढ़ ।

प्रोफेसर अनुराग कुमार (सदस्य)
निदेशक, भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलुरू – 560012

श्री आर. एस. एस. शर्मा, आई ए एस (सदस्य)
सविच, इलैक्ट्रॉनिक तथा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग
संचार तथा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार

डॉ. एस. अय्यपन (सदस्य)
सचिव, कृषि अनुसंधान तथा शिक्षा विभाग
तथा
महानिदेशक, आई.यी.ए. आर., कृषि भवन
नई दिल्ली – 110 114

प्रोफेसर एम. के. सुरप्पा (सदस्य)
निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़

श्री योगेन्द्र त्रिपाठी (सदस्य)
वित्तीय सलाहकार, मानव संसाधन तथा विकास मंत्रालय, भारत सरकार

प्रो. एन. सत्यमूर्ति
निदेशक, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान मोहाली

प्रो. आनंद कुमार बछावत
भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान मोहाली

प्रो. जसजीत सिंह बागला
भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान मोहाली

डॉ. पी. बाप्प्या (सचिव)
कुलसचिव, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान मोहाली

शैक्षणिक विदूत परिषद्

प्रो. एन. सत्यमूर्ति (अध्यक्ष)
निदेशक, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान मोहाली

प्रो. अरूण ग्रोवर (सदस्य)
कुलपति, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़

प्रो. एम. के. सुरप्पा (सदस्य)
सेवानिवृत, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़

प्रो. लीलावती कृष्णन (सदस्य)
सेवानिवृत,
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

प्रो. आनंद कुमार बछावत (सदस्य)
भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान मोहाली

प्रो. अरविंद (सदस्य)
भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान मोहाली

प्रो. कपिल हरी परांजपे (सदस्य)
अधिष्ठाता (संकाय), भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान मोहाली

प्रो. सुदेश्णा सिन्हा (सदस्य)
भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान मोहाली

प्रो. जसजीत सिंह बागला (सदस्य)
भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान मोहाली

प्रोफेसर सोमदत्ता सिन्हा (सदस्य)
भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान मोहाली

प्रो. सुदेश कौर खंडूजा (सदस्य)
भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान मोहाली

प्रो. सी. एस. औलख (सदस्य)
भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान मोहाली

प्रो. पूर्णानंद गुप्ताशर्मा (सदस्य)
भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान मोहाली

प्रो. संजय मंडल (सदस्य)
भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान मोहाली

प्रो. आई. बी. एस. पासी (सदस्य)
मानद प्रोफेसर, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान मोहाली

प्रो. रमेश कपूर (सदस्य)
भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान मोहाली

प्रो. सी. जी. महाजन (सदस्य)
भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान मोहाली

प्रो. टी. आर. राव (सदस्य)
भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान मोहाली

डॉ. पी. बापय्या (सचिव)
कुलसचिव, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान मोहाली

अनुसंधान सलाहकार समिति
डॉ. एस. शिवराम, राष्ट्रीय रसायन प्रयोगशाला, पुणे (अध्यक्ष)
डॉ. एस. रथ, राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, दिल्ली
प्रो. एच. एस. मणि, चेन्नई गणितीय संस्थान, चेन्नई
प्रो. राजेन्द्र भाटिया, भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, दिल्ली
प्रो. आनन्द के. बछावत, अधिष्ठाता (शोध व विकास), भा. वि. शि. अ. शं मोहाली) समन्वयक)

प्रशासन
निदेशक
प्रो. एन. सत्यमूर्ति

अधिष्ठाता (संकाय)
प्रो. कपिल हरि परांजपे

अधिष्ठाता (शैक्षणिक)
डॉ. चंचल कुमार
अधिष्ठाता (विद्यार्थी)
प्रो. के. एस. विश्वनाथन

अधिष्ठाता (शोध व विकास)
प्रो. आनन्द के. बछावत

कुलसचिव
डॉ. पी. बापय्या

सहायक कुलसचिव
श्री संदीप अहलावत
श्री मुकेश कुमार

उप पुस्तकालायाध्यक्ष
डॉ. पी. विसाखी

अधिशासी अभियन्ता एवं भूसंपदा अधिकारी
श्री प्रवीण कुमार श्रीवास्तव

अवैतनिक परामर्शक
श्रीमती सुगुणा सत्यमूर्ति

परामर्शक
सुश्री योगीत बराड़

वार्डन (छात्र)

डॉ. पी. बालानारायन
डॉ. चंद्रकांत अरिबम
डॉ. दीपांजन चक्रबर्ती
डॉ. अभिषेक चौधरी

वार्डन (छात्रा)
डॉ. अरुणिका मुखोपाध्याय
डॉ. एच. के. जस्सल
डॉ. रचना छाबा
डॉ. महक शर्मा

सुरक्षा अधिकारी
श्री जी. एस. मुल्तानी

चिकित्सा अधिकारी
डॉ. गुरप्रीत सिंह

चिकित्सा परामर्शक
डॉ. एस. के. अग्रवाल

चिकित्सा परामर्शक (महिला)
डॉ. वीरपाल जे. सिंह

बागवानी सलाहकार
डॉ. जे. एस. बिल्गा

वैज्ञानिक अधिकारी
डॉ. परमदीप सिंह चंदी
सॉफ्टवेयर इंजीनियर
सुश्री गरिमा कौशिक

सहायक अभियन्ता (विद्युत)
श्री अतुल कडवाल

सहायक अभियन्ता (सिविल)
श्री राजीव कुमार

शारीरिक शिक्षा विशेषज्ञ
श्री कृपाल सिंह
वैयक्तिक सहायक
श्रीमती पूनम रानी
श्रीमती यशोदा नेगी

वैयक्तिक सचिव
श्रीमती अमनदीप सैनी

लेखाकार
श्री सचिन जैन
श्री रमन कुमार

पुस्तकालय सहायक
श्री पीयूष द्विवेदी
श्री शमीर के. के.

तकनीकी वैज्ञानिक सहायक
श्री राकेश कुमार
श्री रमेश कुमार

सॉफ्टवेयर सहायक
श्रीमती संगीता गुरुस्वामी

वैज्ञानिक सहायक
श्री कोंगरी रंजीत कुमार
श्री भाविन आर. कंसारा

तकनीकी सहायक
श्री त्रिवेणी शंकर वर्मा

प्रयोगशाला तकनीशियन
श्री मंगत राम
श्री तेजिन्दर कुमार
श्री अनुपम पाण्डेय
सुश्री शिखा गुप्ता

प्रयोगशाला सहायक
श्री बलबीर सिंह
श्री इंदरजीत सिंह
श्री गणेश लाल मीणा
श्री प्रहलाद सिंह
श्री कमलेश सतपुते

कार्यालय सहायक
सुश्री नीना कुमारी
श्री तरनदीप सिंह
सुश्री दीपिका
श्री चरनजीत सिंह

डाटा एन्ट्री ऑपरेटर
श्री सुखप्रीत सिंह
सश्री भूपाली शर्मा

चपरासी
श्री भोपाल सिंह

परिचारक
सुश्री जसप्रीत कौर
श्री सी. पेरीस्वामी

कार्यालय सहायक
सुश्री कविता पाडे

पशु – चिकित्सक
डॉ. चंद्र शेखर

युवा वैज्ञानिक / पोस्ट – डॉक्टोरल फेलो

वेलकम – डीबीटी प्रारंभिक कैरियर फेलोशिप
डॉ. योगेश दहिया

डीबीटी बायो – केयर
डॉ. प्रतिमा शर्मा – पाडे

डीएसटी युवा वैज्ञानिक
डॉ. मिली भट्टाचार्य
डॉ. नीकिता

डीएसटी फास्ट ट्रैक फैलो
डॉ.स्मृति महाजन

सीएसआईआर फेलो
डॉ. ऋशू धीमान

राष्ट्रीय उच्चतर गणित बोर्ड फेलो
डॉ. खुशवंत सिंह

डीबीटी शोध एसोसिएटशिप
डॉ. रजनी कुमार

प्रायोजित परियोजना स्कीमों के अधीन
डॉ. अलमोल दीव रंधावा
डॉ. सुरभी बहल तनेजा
डॉ. शीर्षेन्दु गायेन
भा. वि. शि. अ. सं. पोस्ट – डॉक्टोरल फेलो
डॉ. प्रमोद कुमार
डॉ. रोमन स्वेरडलोव
डॉ. निधि कुमारी
डॉ. असीम कुमार चौधरी
डॉ. जगमीत सिंह सेखों
डॉ. कविता यादव
डॉ. राज्यवर्धन रे
डॉ. गीता डी. शंरुगबाम
डॉ. श्रुति ठाकुर
डॉ. जावेद मसूद खान
डॉ. सत्येन्द्र प्रकाश पाल
डॉ. श्रीजीत भट्टाचार्य
डॉ. सत्य प्रकाश सिंह
डॉ. तपस पात्रा
डॉ. जी रामचंद्रन
डॉ. मितुन चक्रवर्ती
डॉ. अमित गोयल
डॉ. गुलाम मोहिउद्दीन
डॉ. ममता गुलाटी
डॉ. मोहम्मद जाहिद कामरान
डॉ. सुदीप्तो पॉल चौधरी
डॉ. पूनम शर्मा
डॉ. मोनिका महाजन
डॉ. अमित कुमार
डॉ. अजयदीव कछवाह
डॉ. ज्ञानेश्वर शर्मा
डॉ. मेहरा सिंह सिद्धू
डॉ. प्रवीण कुमार
डॉ. रंजना जैसवारा
डॉ. योग्यता पठानिया
डॉ. अनामिका मुखोपाध्याय
डॉ. सुमन अहमद
डॉ. प्रीतम घोष
डॉ. राजबीर कौर
डॉ. भुजंग राव चित्तूरी
डॉ. सौनली रॉय
डॉ. अरुण
डॉ. मिनाक्षी शर्मा

2014 के स्नातक
पीएचडी
मत्स्येन्द्र नाथ शुक्ला
नेहा जैन
साधिका खुल्लर
ऋतोब्रता सेनगुप्ता
एमएस 2008 बैच
दिलराज सिंह
जगमोहन सिंह सोलंकी
नीलम सिंह
निशांत सिंह
शशांक यादव
विवेक सिंह

एमएस 2009 बैच
आकाश शेरावत
अभिजीत पंत
अभिषेक आनंद
अभिषेक कुमार
अभिषेक मिश्रा
अधिकारी बंसीवाल
आदित्य झांझड़िया
अगस्त्य पी. भाटी
आकांक्षा शर्मा
आकाश कुमार शर्मा
अलोक कुमार
अमित रंजन
अनिल कुमार झिंगोनिया
अंजलि गुप्ता
अंकुश चक्रवर्ती
अनुज जाखड़
अनुराग कुलश्रेष्ठ
आरूषि खत्री
आशिमा वर्मा
आशुतोष त्रिपाठी
अतुल मंत्री
अतुल वर्मा
भरत कुमार गहलोत
बिया रॉय
चमन लाल महवार
चंद्रकला मीना
दानिश शमून
देबदत्ता सिन्हा रॉय
देवी प्रसाद कार
दीपक सरोहा
दीपक वर्मा
धीरेंद्र प्रताप सिंह
गौरव वर्मा
हरजीत सिंह
हर्ष कात्यायन
हिमांशु
हिमांशु नागपाल
हितेश गकखड़
इन्द्रजीत
इंदु वर्मा
जितिन भगवती पी.
जुगल पंत
ज्योति सैनी
कँवल पुनीत कौर
कपिल भारती
करण प्रताप सिंह यादव
करनदीप सिंह
कृतिका सिंघल
कुलदीप सिंह तोमर
लोकेश कुमार
मयंक मिश्रा
मीनाक्षी बागड़िया
नैन्सी माथुर
नरेंद्र पाल सिंह
नीरज
निष्ठा अग्रवाल
नितिन सर्वा
प्रतीक गुप्ता
प्रियंका डोगरा
राहुल कुमार
राहुल कुमार चौधरी
राहुल कुमार यादव
राजवीर नेहरा
रवि यादव
ऋषि राज
सक्षम सिंह
संपत कुमार शर्मा
सपना मीणा
शंभू यादव
शिवचरन दूदी
शिवपाल सिंह कांग
सोनिया शर्मा
सृष्टि बत्रा
सुदीप महेश्वरी
तितिक्ष गुप्ता
उत्तम कुमार सैनी
विदित अग्रवाल
विकास धींधवाल
वृंदा रवि कुमार
यश मौर्या
मरियम फातिमा

